वर्ष 69 ▸▸ अंक 204 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 23 अप्रैल, 2026
▸▸ वैशाख शुक्ल पक्ष 06, विक्रम संवत् 2083
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"कब्रों पर बहाए गए सबसे कड़वे आंसू उन शब्दों और कर्मों के लिए होते हैं, जो कभी कहे या किए नहीं गए।
- हैरिएट बीचर स्टोव

ऑफ बीट

जाम से परेशानी, मंत्री से कहा- गेट आउट

मुंबई के वर्ली इलाके में भाजपा की रैली के दौरान ट्रैफिक जाम से परेशान एक महिला ने महाराष्ट्र सरकार के मंत्री गिरीश महाजन को खुलेआम फटकार लगा दी। घटना मंगलवार की है, जब महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन में रैली निकाली जा रही थी। इस घटना का वीडियो बुधवार को वायरल हुआ। वायरल वीडियो में महिला मंत्री से कहती नजर आई- 'गेट आउट ऑफ हियर।' आरोप लगाया कि रैली की वजह से सड़क पर भारी जाम लगा है। सवाल उठाया कि रैली सड़क पर क्यों, पास के मैदान में क्यों नहीं? महिला ने गुस्से में कहा, 'आपको समझ नहीं आ रहा है? यहां सैकड़ों लोग फंसे हैं- व्हाट इज रॉन्ग विद यू?' महिला ने बताया कि वह करीब एक घंटे से सड़क पर फंसी हुई थीं। रैली में शामिल लोग रास्ता खाली नहीं कर रहे थे। गुस्से में उसने बोतल उठाकर फेंकने की भी कोशिश की। पुलिस अधिकारी ने महिला को समझाने की कोशिश की लेकिन महिला ने पुलिस से बात करने से इनकार कर दिया। बाद में पुलिस ने उन्हें एक तरफ ले जाकर भरोसा दिलाया कि ट्रैफिक जल्द साफ कराया जाएगा।

प्रदेश में अब जमीन अधिग्रहण पर किसानों को चार गुना मुआवजा

तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है निर्णय | **400 से अधिक हितग्राही संगठनों से लिए गए सुझाव** | **नगरीय क्षेत्रों में यथावत रहेगी मुआवजे की राशि**

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन अधिग्रहण पर बाजार मूल्य से 4 गुना तक मुआवजा देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि यह निर्णय तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया गया है और इससे किसानों को सम्मानजनक प्रतिकर मिलेगा। यह फैसला भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन कानून 2013 के तहत लिया गया है।

सरकार ने इस फैसले से पहले एक उच्च स्तरीय मंत्रिमंडलीय समिति बनाई और 400 से अधिक हितधारकों, किसान संगठनों और उद्योग संस्थाओं जैसे क्रेडाई व फिक्की से चर्चा की गई। इन सुझावों के आधार पर ही ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मुआवजा बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

सीएम ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में गुणन कारक 1.0 ही रहेगा। यानी वहां मुआवजे की मौजूदा व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इसके साथ ही सीएम ने कहा कि सरकार किसानों से एमएसपी पर गेहूं खरीदी कर रही है, साथ ही बोनस भी दिया जा रहा है। इस साल फसल उत्पादन बेहतर रहा है और सरकार लगातार खरीद प्रक्रिया जारी रखे हुए है।

कांग्रेस के आरोपों पर जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में एक भी माह ओवरड्राफ्ट की स्थिति नहीं आई। सभी योजनाएं बिना आर्थिक संकट के संचालित की जा रही हैं।

अपने निवास पर पत्रकारों से संवाद करते हुए सीएम ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के विकास के साथ किसानों को सम्मान देने के भाव के साथ लगातार काम कर रही है। हम राज्य के विकास में किसानों को सहभागी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में सरकार ने किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। इससे सरकार के बड़े प्रोजक्ट के लिए यदि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की भूमि का अधिग्रहण करना पड़ा, तो उन्हें बाजार मूल्य से 4 गुना मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने उच्च स्तरीय मंत्रिमंडलीय समिति का गठन किया था। जिसने 400 से अधिक हितग्राही पक्षकारों, किसान संगठनों, सामाजिक संगठनों तथा क्रेडाई व फिक्की सहित विभिन्न संस्थाओं के साथ व्यापक विचार विमर्श किया। सरकार ने मध्यप्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन अधिनियम के अंतगर्त गुणनकारक को 2.0 निर्धारित किया है।

पहले दोगुना था मुआवजा

- ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गुणन कारक (मल्टीप्लायर) 1.0 से बढ़कर 2.0 किया गया है
- इससे जमीन अधिग्रहण पर किसानों को बाजार मूल्य का चार गुना तक मुआवजा मिलेगा
- यह प्रावधान सभी नई और लंबित परियोजनाओं पर लागू होगा (जहां अंतिम अवार्ड जारी नहीं हुआ है)

विकास परियोजनाओं को मिलेगी गति

सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में हर साल 70-75 हजार करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है। सड़क, पुल, सिंचाई, रेलवे और बांध जैसी परियोजनाओं के लिए जमीन की जरूरत बढ़ रही है। अब किसानों को उचित मुआवजा मिलने से भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवाद कम होंगे और विकास कार्यों को तेजी मिलेगी।

सिरदर्द-कैंसर की 141 दवाओं के सैंपल फेल

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली/ सोलन, जेएनएन। देशभर में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर बड़ी चिंता सामने आई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की जांच में 141 दवाओं के सैंपल फेल पाए गए हैं। इनमें से सर्वाधिक 46 दवाएं हिमाचल प्रदेश में निर्मित हैं। इन दवाओं का इस्तेमाल सिर दर्द, पेट दर्द, ब्लड प्रेशर, शुगर, अल्सर और विभिन्न संक्रमणों के इलाज में होता है। चौंकाने वाली बात यह है कि कैंसर और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों में उपयोग होने वाली कुछ दवाएं भी मानकों पर खरी नहीं उतरीं।

मार्च महीने के ड्रग अलर्ट में सीडीएससीओ ने इन दवाओं को 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एनएसक्यू)' घोषित किया है। इसके बाद संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं और सभी बैच का स्टॉक बाजार से वापस मंगाने के आदेश दिए गए हैं।

दवाओं के सैंपल फेल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग और ड्रग कंट्रोलर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। कुछ दवाएं जनवरी 2024 में बनी हुई बताई गई हैं, जो अब तक बाजार में थीं। हालांकि, रिपोर्ट आने के बाद संबंधित बैच का पूरा स्टॉक वापस मंगाया जा रहा है। असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर आशीष रैना के अनुसार दवाओं की रैंडम सैंपलिंग की जाती है और हर बैच की जांच पहले से अनिवार्य नहीं होती। यदि सैंपल फेल हो जाए तो पूरा स्टॉक वापस लिया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पूरी तरह निर्माता कंपनी की होती है।

ये दवाएं हुईं फेल

- एंटीबायोटिक्स (अमोक्सिसिलिन, क्लैवुलैनिक एसिड, क्लावोसिल-375)
- पेनकिलर (डाइक्लोफेनाक, पैरासिटामोल)
- एलर्जी और सर्दी की दवाएं (लेवोसेटिरिजिन, सिरप संयोजन)
- ब्लड प्रेशर और दिल की दवाएं (टेल्मिसार्टन, रामिप्रिल)
- एसिडिटी और अल्सर की दवाएं (रैबेपराजोल, पैंटोप्राजोल)
- किडनी/ट्रांसप्लांट दवाएं (टैक्रोलिमस) *इन दवाओं का इस्तेमाल रोजमर्रा से लेकर गंभीर बीमारियों तक में किया जाता है*

यह कार्रवाई संभव

- संबंधित कंपनियों के खिलाफ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट के तहत कार्रवाई होगी।
- लाइसेंस सस्पेंड या रद्द किया जा सकता है
- जुर्माना भी लगाया जा सकता है

आईपीएल में आज

मुंबई बनाम चैन्नई
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणाम: राजस्थान ने लखनऊ को 40 रनों से हराया।

संक्षिप्त खबरें

एविएशन फ्यूल एथेनॉल मिलाने को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने एविएशन सेक्टर में प्रदूषण कम करने और महंगे कच्चे तेल के आयात को घटाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) में एथेनॉल ब्लेंडिंग को मंजूरी दे दी है। इसके लिए सरकार ने एटीएफ मार्केटिंग नियमों में बदलाव किया है। अब एविएशन टर्बाइन फ्यूल की परिभाषा को अपडेट किया गया है। एटीएफ में हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ सिंथेसाइज्ड कंपोनेंट्स शामिल किया जा सकेगा।

(विस्तृत खबर पेज 9 पर)

प. बंगाल में पहले चरण के लिए मतदान आज

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को 16 जिलों की 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान होगा। इस चरण में 1478 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। उधर, तमिलनाडु में भी गुरुवार को राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में मतदान होगा। यहां 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर एक साथ मतदान होगा। वहीं बंगाल में 152 सीटें के लिए वोटिंग होगी।

(विस्तृत खबर पेज 11 पर)

पश्चिम एशिया संकट: होर्मुज में अमेरिकी नाकेबंदी जारी

ट्रंप ने सीजफायर बढ़ाया ईरान ने तीन जहाज रोके

तेहरान/वॉशिंगटन, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में भारत आ रहे एक कंटेनर जहाज को रोककर अपने कब्जे में ले लिया है। ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने आरोप लगाया है कि जहाज बिना अनुमति जलडमरूमध्य पार करने की कोशिश कर रहा था। लाइबेरिया के झंडे वाला यह कंटेनर शिप इपामिनोन्डास गुजरात के मुंद्रा पोर्ट की ओर बढ़ रहा था। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक जहाज के नेविगेशन सिस्टम में छेड़छाड़ की गई थी। इससे समुद्री सुरक्षा को खतरा बताया गया। आईआरजीसी ने कार्रवाई करते हुए जहाज को रोककर ईरान के तट की ओर ले जाया।

ईरान ने एमएससी फ्रांसेस्का नाम के एक अन्य जहाज को भी कब्जे में लिया है, जबकि यूफोरिया नाम के तीसरे जहाज पर हमला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक जहाज पर फायरिंग हुई और दूसरा ओमान के तट के पास हमले में क्षतिग्रस्त हुआ।

इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर की अपील पर लिया गया है। हालांकि ईरान पर अमेरिकी नाकेबंदी (ब्लॉकेड) जारी रहेगी और सेना को पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ईरान के साथ चल रहे अस्थायी युद्धविराम को अनिश्चितकाल तक बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ईरान को बातचीत के लिए 'एक संयुक्त प्रस्ताव' तैयार करने का समय दिया जा रहा है। हालांकि, ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी जारी रहेगी। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने से ईरान आर्थिक रूप से कमजोर हो रहा है और 'नकदी की भारी कमी' झेल रहा है। ईरान की ओर से अभी तक इस युद्धविराम विस्तार पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि होर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। वैश्विक तेल और गैस सप्लाई का बड़ा हिस्सा यहीं से गुजरता है। यहां तनाव बढ़ने से ऊर्जा कीमतों और वैश्विक व्यापार प्रभावित हो रहा है।

बीते 24 घंटे के हालात

- ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार हैं
- ब्रिटेन और फ्रांस ने होर्मुज खोलने के लिए 30 देशों की बैठक बुलाई
- अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंसस की पाकिस्तान यात्रा टली
- यमन के हूती विद्रोहियों ने कहा कि संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ
- फ्रांस के राष्ट्रपति ने नाकेबंदी को गलत कदम बताया

ऑनलाइन गेमिंग के नए नियम अधिसूचित, पैसों के लेन देन पर रखी जाएगी नजर

1 मई से ई-स्पोर्ट्स के लिए जरूरी होगा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, जेएनएन। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने बुधवार को बहुप्रतीक्षित ऑनलाइन गेमिंग नियमों को अधिसूचित कर दिया। ये नियम ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम को संचालित करने के लिए प्रक्रियात्मक ढांचा मुहैया कराते हैं और इनके आधार पर ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण का गठन भी हो सकेगा।

आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा कि ज्यादातर ऑनलाइन गेम - अगर वे 'रियल मनी गेम' नहीं हैं (पैसे का लेनदेन शामिल नहीं है), को अनिवार्य रूप से पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। निगरानी केवल कुछ विशेष परिस्थितियों में ही शुरू की जाएगी। हालांकि, 'ई-स्पोर्ट्स' के लिए अनिवार्य पंजीकरण की आवश्यकता होगी।

सरकार चाहती है कि प्रक्रिया को कम से कम नियामक हस्तक्षेप वाला रखा जाए। अधिकांश खेल, जो पैसे वाले खेल नहीं हैं, वे बिना किसी अनिवार्य पंजीकरण के संचालित हो सकेंगे। इसलिए पूरी प्रक्रिया वैकल्पिक रखी गई है। मंत्री ने कहा कि हम किसी को भी यह निर्धारित करने के लिए आवेदन करने के लिए बाध्य नहीं कर रहे हैं कि वह ऑनलाइन मनी गेम है या ऑनलाइन सोशल गेम है या 'ई-स्पोर्ट्स' है।

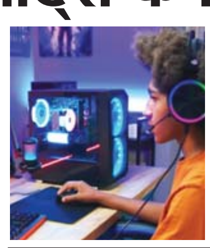

मांगे गए थे सुझाव

नियमों में उपयोगकर्ता सुरक्षा सुविधाओं को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। यह अधिनियम भारत में ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा देते हुए ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगाता है। मंत्रालय ने अक्टूबर 2025 में इन नियमों पर सुझाव आमंत्रित किए थे।

निर्धारण तीन स्थितियों में

- प्राधिकरण खुद संज्ञान लेकर किसी गेम्स को लेकर यह करेगा।
- ई-स्पोर्ट्स गेम शामिल खुद ही इस श्रेणी में रजिस्टर होते हैं।
- केंद्र सरकार सोशल गेम्स की किसी भी विशिष्ट श्रेणी को अधिसूचित कर सकती है।

जेट फ्यूल महंगा, लुफ्थांसा ने रद्द कीं 20 हजार उड़ानें

बर्लिन/ फ्रैंकफर्ट, जेएनएन। जर्मनी की प्रमुख एयरलाइन लुफ्थांसा ने ईंधन संकट के चलते बड़ा फैसला लिया है। कंपनी ने मई से अक्टूबर के बीच 20 हजार शॉर्ट-हॉल फ्लाइट्स रद्द करने की घोषणा की है। ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज में बाधा के कारण जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं। एयरलाइन के मुताबिक इस कदम से करीब 40 हजार टन ईंधन की बचत होगी। कंपनी ने सोमवार से हर दिन करीब 120 उड़ानें घटा दी हैं। फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख से कई घाटे वाले रूट बंद किए जा रहे हैं। वहीं ज्यूरिख, ब्रसेल्स और वियना से कनेक्टिविटी बढ़ाई जाएगी।

यह बदलाव भी

- 6 बड़े विमान अस्थायी रूप से हटाए जाएंगे
- 2 बोइंग 747 सर्दियों में नहीं उड़ेंगे
- 4 एयरबस ए340-600 अक्टूबर में स्थायी रूप से हटाए जाएंगे
- सिटीलाइन बेड़े के 27 विमान भी बंद किए जा रहे हैं

पूरे यूरोप में संकट

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने चेतावनी दी है कि यूरोप के पास महज 6 हफ्तों का जेट फ्यूल स्टॉक बचा है। ईरान संकट के चलते होर्मुज पर तेल आपूर्ति बाधित हुई है। इससे ईंधन और गैस सप्लाई पर भारी असर पड़ा है। यूरोपीय संघ अब अमेरिका से वैकल्पिक जेट फ्यूल और अन्य देशों से सप्लाई बढ़ाने जैसे विकल्पों पर विचार कर रहा है।

एसिड अटैक पीड़ितों के लिए ताउम्र इलाज की सिफारिश

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने एसिड अटैक पीड़ितों के लिए केंद्र सरकार से व्यापक सुधारों की सिफारिश की है। आयोग ने केंद्र सरकार से कहा है कि पीड़ितों को जीवनभर मुफ्त इलाज, जिसमें पुनर्निर्माण सर्जरी, आंख और दांतों का इलाज शामिल हो, उपलब्ध कराया जाए। राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक राष्ट्रीय रजिस्टर बनाने का सुझाव भी दिया है, जिससे एफआईआर, इलाज, मुआवजा और पुनर्वास की ट्रैकिंग हो सके। साथ ही जीरो एफआईआर को अनिवार्य, तेज जांच और तय समयसीमा में सुनवाई की भी मांग की गई है। आयोग ने पीड़ितों के लिए मासिक पेंशन, बेहतर मुआवजा, शिक्षा सहायता और रोजगार अवसर बढ़ाने पर भी जोर दिया है। साथ ही एसिड की बिक्री पर सख्त नियंत्रण और नियमित जांच की भी सिफारिश की गई है।

यूएन की चेतावनी — **फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन और वैश्विक मौसम संगठन की संयुक्त रिपोर्ट**

भीषण गर्मी से वैश्विक खाद्य प्रणाली संकट में

नई दिल्ली/ जिनेवा, जेएनएन। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि बढ़ती भीषण गर्मी दुनिया की खाद्य प्रणाली को गहरे संकट के 'कगार पर' पहुंचा रही है। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (एफएओ) और वैश्विक मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, गर्मी के कारण खेती, पशुपालन और मत्स्य पालन तीनों पर गंभीर असर पड़ रहा है, जिससे एक अरब से अधिक लोगों की आजीविका खतरे में है। विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे किसान, मजदूर, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। उन्हें मुआवजा, कर्ज राहत और सुरक्षा नियमों की जरूरत है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत, दक्षिण एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई हिस्सों में साल के 250 दिनों तक बाहर काम करना असुरक्षित हो सकता है। इसका मतलब है कि किसान साल के दो-तिहाई समय खेत में काम नहीं कर पाएंगे, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा।

विशेषज्ञों की चेतावनी: अब अनुकूलन जरूरी

विशेषज्ञों का कहना है कि हीटवेव पहले से अनुमानित हो सकती हैं। मोबाइल और मौसम पूर्वानुमान से किसानों को पहले चेतावनी दी जा सकती है। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों के अनुसार, 'अगर अभी कदम नहीं उठाए गए, तो उत्पादन घटेगा और ज्यादा जमीन खेती में लानी पड़ेगी, जिससे जलवायु संकट और बढ़ेगा।

30 डिग्री से ऊपर तापमान

- अधिकांश फसलों की पैदावार घटने लगती है
- मक्का की पैदावार कुछ क्षेत्रों में 10 फीसदी तक घट चुकी है
- गेहूं की पैदावार में भी इसी तरह गिरावट दर्ज की गई
- पौधों की कोशिकाएं कमजोर होती हैं।
- जहरीले तत्व बनने लगते हैं।
- फसल की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित होती हैं
- पशुधन और डेयरी सेक्टर पर खतरा

25 डिग्री के आसपास

- पशुओं में हीट स्ट्रेस शुरू हो जाता है
- डेयरी उत्पादन घटता है और दूध की गुणवत्ता भी खराब होती है
- सूअर और मुर्गियां पसीना नहीं निकाल पाते, जिससे
- अंग फेल होने दिल संबंधी समस्याएं
- मौत का खतरा बढ़ जाता है

समाधान क्या है?

- जलवायु अनुकूल खेती अपनाना
- फसलों और पशुपालन में विविधता बढ़ाना
- खेतों में पेड़ और छाया बढ़ाना
- किसानों को तकनीक और शुरुआती चेतावनी देना
- जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम कर नवीकरणीय ऊर्जा बढ़ाना

समुद्र में भी संकट मछलियां मर रहीं

गर्मी का असर समुद्र पर भी दिख रहा है। पानी में ऑक्सीजन की मात्रा घट रही है। इससे मछलियों की संख्या तेजी से कम हो रही है। मत्स्य पालन पर निर्भर समुदायों की आजीविका खतरे में है।

सबरीमाला मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

हम उनके मंदिर नहीं जा सकते वे हमारे नहीं- यह सोच गलत

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला मंदिर और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हिंदू समाज को संप्रदायों में बंटने के बजाय एकजुट रहना चाहिए, क्योंकि आपसी विभाजन समाज को कमजोर करता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, 'वे हमारे मंदिर नहीं आ सकते, हम उनके मंदिर नहीं जा सकते' यह सोच उचित नहीं है। अगर कोई संप्रदाय अपने मंदिर दूसरों के लिए बंद रखता है, तो वह खुद कमजोर हो जाएगा। यह टिप्पणी त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड की ओर से रखे गए तर्कों के संदर्भ में आई, जिसमें विभिन्न संप्रदायों के बीच पूजा-अधिकार पर सवाल उठाया गया था।

इस मामले की सुनवाई 9 जजों की संविधान पीठ कर रही है। इससे साथ धार्मिक आस्था से जुड़े 66 अन्य मामले भी जुड़े हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर राज्य कब हस्तक्षेप कर सकता है, इस पर कोई एक समान नियम तय करना मुश्किल है। हर मामला अपने तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर तय होगा। संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत राज्य को सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाने का अधिकार है। लेकिन यह तय करना जरूरी होगा कि यह वास्तविक सुधार है या धार्मिक स्वतंत्रता में दखल का मामला है।

संक्षिप्त खबरें

हाईकोर्ट की अन्य बेंच करेगी नर्सिंग फर्जीवाड़ा की सुनवाई

जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने बहुचर्चित नर्सिंग कालेज फर्जीवाड़ा मामले की सुनवाई के लिए दूसरी बेंच का निर्धारण कर दिया है। इसे तहत अब यह मामला न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की अध्यक्षता वाली युगलपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए लगेगा। दरअसल, याचिकाकर्ताओं की ओर से त्वरित सुनवाई की मांग की गई थी। कोर्ट को बताया गया था कि सीबीआई द्वारा अयोग्य घोषित किए गए 117 नर्सिंग कालेजों के छात्रों की परीक्षाएं 27 अप्रैल से प्रस्तावित हैं। यदि समय रहते हाई कोर्ट में सुनवाई नहीं हुई तो हजारों छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्य न्यायाधीश ने नई व्यवस्था दे दी। मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को होगी। दरअसल, 2022 में ला स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने इस मामले में जनहित याचिका दायर की थी। इसमें प्रदेश के निजी नर्सिंग कालेजों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा, मानकों की अनदेखी और अवैध मान्यता का आरोप लगाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट ने पहले सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। बाद में कई कालेजों को अयोग्य घोषित किया गया। नौ अप्रैल को कोर्ट ने वर्ष 2024 में जीएनएम परीक्षा देने वाले करीब 30 हजार छात्रों के परिणाम घोषित करने पर रोक लगा दी थी।

सिंहस्थ-2028, डीजीपी ने जांची सुरक्षा व्यवस्था

मुख्य संवाददाता, भोपाल। आगामी सिंहस्थ-2028 की तैयारी के लिए बुधवार को उज्जैन में डीजीपी कैलाश मकवाणा ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। डीजीपी ने पुलिस ड्यूटी पोर्टल का शुभारंभ करते हुए कहा कि इसके जरिए ड्यूटी के लिए पुलिसकर्मियों का ऑनलाइन पंजीयन, सत्यापन और डेटा प्रबंधन आसानी से हो सकेगा। सिंहस्थ साइबर सुरक्षा योजना के पोस्टर का अनावरण भी किया गया, जिसका मकसद डिजिटल डेटा की सुरक्षा, फेक न्यूज पर नियंत्रण और रियल टाइम साइबर इंटेलिजेंस को मजबूत करना है। बैठक में उज्जैन एसपी ने बताया कि सिंहस्थ-2028 में लगभग 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। प्रबंधन के लिए पुलिस और केंद्रीय बलों का उपयोग किया जाएगा। भीड़ प्रबंधन, घाटों की सुरक्षा और यातायात नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक और रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम का सहारा लिया जाएगा। इस आयोजन के लिए पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए 21 दिवसीय प्रशिक्षण मॉड्यूल का शुभारंभ भी किया गया।

मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब और ऑगर्न ट्रांसप्लांट की मिलेंगी सुविधाएं,अस्पतालों में बनेंगे शेल्टर होम

डॉ. मोहन यादव कैबिनेट ने कई अहम प्रस्तावों पर लगाई मुहर

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार अगले पांच सालों में राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब और ऑगर्न ट्रांसप्लांट जैसी सुविधाएं स्थापित करने की दिशा में काम करेगी। इसके लिए 2 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसी तरह सरकारी अस्पतालों में मरीजों के परिजनों को ठहरने के लिए शेल्टर होम बनाएं जाएंगे। इस निर्णय पर बुधवार को मोहन कैबिनेट ने मुहर लगा दी। यह व्यवस्था निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों पर भी लागू होगी। मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। जिसके बारे में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के सरकारी अस्पतालों में अब भर्ती मरीजों के परिजनों के लिए ठहरने और खाने -पीने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। कैबिनेट ने उस प्रस्ताव पर मुहर लगाई है,जिसमें मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में ठहरने और खाने-पीने की सस्ती व्यवस्था देने की बात कही गई थी। इस प्रस्ताव के तहत यह सुविधा नो प्रॉफिट -नो लॉस आधार पर स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा संचालित की जाएगी। इससे दूर -दराज से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग इसके लिए चरणबद्ध तरीके से वर्तमान में संचालित 20 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए सामाजिक संस्थाओँ से प्रस्ताव आमंत्रित करेगा। इसके लिए सरकार केवल जमीन उपलब्ध कराएगी,जबकि भवन निर्माण से लेकर बिजली-पानी सहित सभी व्यवस्थाएं संबंधित संस्थाओं द्वारा किया जाएगा। इसके एवज में मरीजों के परिजनों से न्यूनतम शुल्क लेने के बारे में समिति द्वारा निर्णय लिया जाएगा। पटेल ने बताया कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत प्रदेश में उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने, चिकित्सा महाविद्यालयों में उन्नयन और मण्डला में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना के लिए 5 हजार 479 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने सीएम केयर योजना 2026 को भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। इस योजना के तहत अगले 5 सालों में 3628 करोड़ की राशि सरकार द्वारा खर्च की जाएगी। इसी तरह सरकार अगले 5 सालों में कक्षा 6वीं और 9 वीं के छात्रों को साइकिल देने के लिए 990 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इस प्रस्ताव पर भी मंत्रिपरिषद ने सहमति जताई है।

सिंचाई परियोजाएं स्वीकृत

कैबिनेट में उज्जैन सहित दूसरे अंचलों के लिए सिंचाई परियोजनाओं के प्रस्तावों पर भी मुहर लगाई गई है।

23 करोड़ 90 लाख किए गए स्वीकृत

मंत्रि-परिषद् द्वारामुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तृतीय चरण को तीन वर्ष के संचालन के लिए 23 करोड़ 90 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही लोक सेवा प्रबंधन विभाग को अग्रिम कार्यवाही तथा प्रक्रिया निर्धारण कर नियमों एवं निर्देशों को जारी कर क्रियान्वयन के लिये अधिकृत किया गया है।

छिंदवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिये स्वीकृत राशि 840 करोड़ 80 लाख रूपये के स्थान पर लगभग 969 करोड़ रूपये का विशेष पुनर्वास पैकेज स्वीकृति किया गया है। यह विशेष पैकेज त्वरित क्रियान्वयन व विस्थापितों के अपेक्षित सहयोग के लिए केन-बेतवा अन्तर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना के समकक्ष प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है।

राजस्थान पुलिस तीनों कांग्रेस कार्यकर्ताओं को 27 को पेश करे: हाईकोर्ट

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के एक कथित पत्र को इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट करने के मामले में मध्य प्रदेश कांग्रेस सेल के तीन कार्यकर्ताओं की अवैध रूप से गिरफ्तारी पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर भोपाल से पूछा है कि बिना ट्रांजिट रिमांड या कानूनी प्रक्रिया का पालन किए, कार्यकर्ताओं को राजस्थान पुलिस को कैसे सौंप दिया। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर भोपाल, एसएचओ साइबर क्राइम ब्रांच भोपाल, राजस्थान के ज्योतिनगर पुलिस थाने के एसएचओ सज्जन सिंह को नोटिस जारी कर इस पूरे मामले में जवाब मांगा है। कोर्ट ने राजस्थान पुलिस को तीनों कार्यकर्ताओं को अगली सुनवाई यानी 27 अप्रैल को पेश करने के निर्देश भी दिए। कोर्ट ने जहांगीराबाद, भोपाल स्थित पुलिस परिवहन व अनुसंधान संस्थान के 20 अप्रैल, 2026 को दोपहर दो बजे से 21 अप्रैल, 2026 को शाम पांच बजे तक सीसीटीवी फुटेज भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। राजधानी भोपाल निवासी खिजर खान सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता एचएस छाबड़ा ने पक्ष रखा।

विधायक लोधी को भाजपा ने थमाया नोटिस

एसडीओपी को धमकी देने के मामले में भाजपा संगठन नाराज,तीन दिन में मांगा जवाब

विशेष संवाददाता भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा ने अपने विधायक प्रीतम लोधी को पुलिस अधिकारी को धमकाने पर नोटिस थमा दिया है और उनसे तीन दिन के अंदर जवाब मांगा हैं। जिसमें साफ तौर पर कहा गया है कि उनका आचरण आपत्तिजनक है। गौरतलब है कि पिछले दिनों विधायक लोधी के पुत्र दिनेश लोधी द्वारा पांच लोगों को टक्कर मारने का मामला सामने आया था। जिससे उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस मामले पर विधायक प्रीतम लोधी का एक वीडियो वायरल हुआ था,जिसमें उनके द्वारा एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ को धमकी देते सुना गया था कि वे समर्थकों के साथ आकर उनके सरकारी आवास में गोबर भर देंगे और उनका बेटा करैरा आएगा और वहां से चुनाव भी लड़ेगा,तेरे डैडी में दम हो तो रोक लेना। लोधी के बयान पर मध्यप्रदेश आईपीएस एसोसिएशन ने भी आपत्ति जताई थी,तो कांग्रेस ने भी इस मामले पर सरकार पर हमला बोला था। इस पर बुधवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रीतम लोधी को नोटिस थमाते हुए 3 दिन के अंदर अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है। नोटिस में कहा गया कि पिछले कुछ दिनों से आपके द्वारा किया गया आचरण अत्यंत आपत्तिजनक है,जो पार्टी के अनुशासन के अनुरूप नहीं है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा के भीतर स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता है,तो उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जानकारों की मानें तो दिल्ली ने भी लोधी के बयान पर एतराज जताया है और प्रदेश नेतृत्व से जवाब मांगा गया है। पार्टी ने लोधी को दिए गए नोटिस की प्रतिलिपि राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश भाजपा प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह के अलावा वरिष्ठ नेताओं और शीर्ष पदाधिकारियों को भी भेजी है।

दिल्ली पहुंचा मामला, केंद्रीय आईपीएस एसो. ने खोला मोर्चा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। शिवपुरी जिले की पिछोर सीट से बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी द्वारा आईपीएस अधिकारी डॉ. आयुष जाखड़ के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणियों और धमकी के खिलाफ एमपी आईपीएस एसोसिएशन के बाद केंद्रीय आईपीएस एसोसिएशन ने भी मोर्चा खोल दिया है। केंद्रीय आईपीएस एसोसिएशन ने विधायक के आचरण पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि यह लोकसेवक की गरिमा पर हमला है और वह मजबूती से एमपी आईपीएस एसोसिएशन के साथ है। बुधवार को केंद्रीय एसोसिएशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सार्वजनिक जीवन में गरिमा, अखंडता और कानून का सम्मान सर्वोपरि है और इस तरह की अभद्र भाषा और व्यक्तिगत हमले न केवल अधिकारी का मनोबल गिराते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को भी कमजोर करते हैं। अब सेंट्रल एसोसिएशन के इस मामले में दखल के बाद प्रीतम लोधी परेशानियों से घिरते नजर आ रहे हैं।

आरक्षण के लिए महिला कांग्रेस सड़क पर

विशेष संवाददाता भोपाल। महिला कांग्रेस ने बुधवार को महिला आरक्षण को लेकर केन्द्र सरकार की नीतियों का विरोध किया और सड़क पर नारेबाजी कर अपना आक्रोश जताया। महिला कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष रीना बोरासी की अगुवाई में हुए प्रदर्शन में पीसीसी के समक्ष कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर बोरासी ने कहा कि केन्द्र सरकार लॉलीपॉप वाले आरक्षण को लेकर उनकी नीयत ठीक नहीं है। अगर उन्हें महिलाओं को आरक्षण देना है,तो वर्तमान स्थिति पर ही आरक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल का कांग्रेस समर्थन कर रही है और इसे तत्काल लागू किया जाना चाहिए। लेकिन केन्द्र सरकार इसकी आड़ में परिसीमन लागू करने का प्रयास कर रही है। जिसका विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। इससे पहले पीसीसी से आगे बढ़ रही महिला कांग्रेस नेत्रियों को पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोक दिया।

आउटसोर्स कर्मचारी हुए लामबंद ठेका प्रथा बंद करने की उठाई मांग

श्रम विभाग के सचिव को सौंपा मांग पत्र

जागरण, भोपाल। प्रदेश के शासकीय विभागों, कार्यालयों में कार्यरत आउटसोर्स अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर लामबंद हो गए हैं। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कर्मचारी नियुक्त करने में उपयोग की जा रही ठेका प्रथा बंद करने व समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों द्वारा मंत्रालय में श्रम विभाग के संचिव को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अनेक आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित थे 7 युवा आउटसोर्सिंग सामाजिक कल्याण समिति द्वारा मंत्रालय में मुख्य सचिव तथा प्रमुख सचिव श्रम को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित मांग पत्र दिया गया। इसमें आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण की मांग की गई। दीपक सिंह तथा आशीष सिंह के नेतृत्व में संगठन पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके पहले कर्मियों ने शांतिपूर्ण रैली निकाल कर प्रदर्शन भी किया। कर्मचारियों ने मानदेय, वेतन में असमानता, समय पर भुगतान न होना, सेवा में स्थायित्व का अभाव, बिना सूचना सेवा समाप्ति, सामाजिक सुरक्षा, काम के अनुरूप वेतन न मिलना तथा सेवा शर्तों में पारदर्शिता की कमी की ओर शासन का ध्यान आकृष्ट कराया है।

विभागों में कार्यरत संविदा कर्मियों को चाहिए स्थायित्व

प्रदेश सरकार के विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को स्थाई किए जाने की दरकार है। जुलाई 2023 में सरकार ने स्पष्ट किया था कि संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों के समकक्ष वेतन और सुविधाएं दी जाएं, लेकिन 3 साल बाद भी 10 बड़े विभागों में इसका पूरा अमल नहीं हो सका। इसका सीधा असर 1 लाख से ज्यादा कर्मचारियों पर पड़ा है। इन्हें हर महीने हजारों रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। गौरतलब है कि संविदा कर्मचारियों के पदों को नियमित पदों से समकक्षता तय करते हुए उनके वेतनमान निर्धारित किए गए थे। यह निर्णय सामान्य प्रशासन विभाग के 22 जुलाई 2023 के दिशा-निर्देशों के पालन में लिया गया है।

प्रमुख मांगें

- बिचौलिया (ठेका प्रथा) समाप्त कर कर्मचारियों को विभाग से सीधे वेतन भुगतान किया जाए।
- 10 से 15 प्रतिशत तक मानदेय में वृद्धि की जाए।
- सेवा में बार-बार रखने एवं पृथक करने की प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए तथा सेवा अवधि 62 वर्ष निर्धारित की जाए।
- आउटसोर्स कर्मचारियों को आकस्मिक अवकाश, मातृत्व एवं पितृत्व अवकाश की पात्रता प्रदान की जाए।
- स्थानांतरण के संबंध में स्पष्ट नीति बनाई जाए, जिससे कर्मचारियों की वरिष्ठता सुरक्षित रह सके ।
- आउटसोर्स कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का लाभ प्रदान किया जाए।
- काम के दौरान दुर्घटना होने की स्थिति में बीमा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।
- आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित/संविदा कर्मचारियों के समकक्ष न्यूनतम वेतन प्रदान किया जाए।
- कार्य के दौरान मृत्यु होने की स्थिति में आश्रित को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की जाए।

द्वारका नगरी योजना से शहर होंगे विकसित

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में शहरीकरण की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार ने विशेष प्रबंध किए हैं। द्वारका नगरी योजना भी उसी दिशा में उठाया गया एक बढ़ा कदम है। द्वारका योजना शहरों के विकास की नई रुपरेखा लिखेगी। सीएम ने यह बात बुधवार को मंत्रालय में द्वारका नगरी योजना के नियमों और प्रकिया के बारे में विभागीय प्रस्तुतिकरण का अवलोकन के उपरांत कही। योजना शहरों को सुनियोजित, सुविधा सम्पन्न और भावी जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बनाने के सरकार के संकल्प की पूर्ति है। योजना से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में नियोजित विकास को नई गति मिलेगी। नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रदेश के हर नागरिक को बेहतर परिवेश, पक्के आवास, मजबूत आधारभूत संरचना और गुणवत्तापूर्ण जीवन मिले। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रदेश के शहरी स्वरूप को आधुनिक और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि योजना में प्रदेश के नगरीय निकायों से प्राप्त किये जाने वाले प्रस्तावों में शहर की प्रमुख सड़कों का विकास एवं मरम्मत, शहर की समुचित सफाई, जन-सुविधा विकास-विस्तार से संबंधित कार्यों को तवज्जो दी जाये।

जनगणना के लिए जिला स्तर पर बनेंगे कंट्रोल रूम, हर वार्डों में होगी हेल्प डेस्क

अधिकारियों से बोले संभागायुक्त- काम पारदर्शी, बिना गलती के समय पर पूरा हो

जागरण संवाददाता, भोपाल। जनगणना की गुणवत्ता और निगरानी के संभाग के हर जिले में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम तत्काल स्थापित करने होंगे। जहां से आम लोगों को टोल फ्री नंबर के जरिए जनगणना के विषय में जानकारी मिल सकेगी। इतना ही नहीं जिलों के हर वार्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित करनी होंगी। जहां प्रगणकों के नंबर साझा किए जाएंगे। यह निर्देश संभाग आयुक्त व संभागीय जनगणना अधिकारी संजीव सिंह ने बुधवार आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान दिए। जनगणना 2027 का कार्य समय सीमा में पूरा हो सके। इसके लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में हर सप्ताह समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। वहीं प्रगणकों को भी काम करने में किसी तरह की परेशानी न हो। इसके लिए स्थानीय स्तर पर संयुक्त दल का गठन किया जाएगा। बैठक में भोपाल, विदिशा और रायसेन के एडीएम सहित संभाग के सभी जिलों के जनगणना अधिकारी और संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में संभाग आयुक्त ने साफ किया कि जनगणना का पहला चरण यानी मकान सूचीकरण का कार्य पूरी तरह पारदर्शी, त्रुटिरहित और समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने साफ किया कि काम में लापरवाही और ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

33 सवालों के जवाब देकर कर सकते हैं स्व-गणना

इस दौरान जनगणना निदेशालय की सहायक निदेशक एंसी रेजी ने तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण (मकान सूचीकरण) एक मई से 30 तक चलेगा। पहली बार पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी। पहली बार नागरिकों को सेल्फ एन्युमरेशन (स्व-गणना) का विकल्प दिया गया है। नागरिक 16 से 30 अप्रैल तक पोर्टल पर जाकर घर बैठे 33 सवालों के जवाब ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद 1 मई से प्रगणक घर-घर जाकर इनका सत्यापन करेंगे। बैठक में आयुक्त सिंह को बताया गया कि हाउस लिस्टिंग का काम लगभग पूरा हो चुका है। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसे 26 अप्रैल तक हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। बता दें कि यह देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना होगी, जिसका प्रबंधन सीएमएमएस पोर्टल के जरिए किया जाएगा।

बदलाव — बड़े विभागों से लेकर पीएमओ में भी संभाल रहे अहम जिम्मेदारी

केंद्र में एमपी कैडर के आईएएस का दबदबा, 8 केंद्रीय मंत्रियों के निज सचिव

मुख्य संवाददाता, भोपाल। दिल्ली के गलियारों में एमपी कैडर के आईएएस अधिकारियों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में की गई नियुक्तियों के बाद केंद्र सरकार में 8 मंत्रियों के निजी सचिव (प्राइवेट सेक्रेटरी) के तौर पर एमपी कैडर के अधिकारी कमान संभाल रहे हैं। यह किसी भी एक राज्य से केंद्र में निजी सचिव के रूप में तैनात आईएएस अफसरों की सबसे बड़ी संख्या है। 2009 बैच के डॉ. तेजस्वी एस. नायक भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी, 2011 बैच के बी. विजय दत्ता शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर, 2012 बैच के नीरज सिंह वाणिच्य एवं उद्योग राच्य मंत्री जितिन प्रसाद, 2012 बैच के डॉ. पंकज जैन कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के निजी सचिव के तौर पर पदस्थ हैं।

आठ में से 5 अफसर 2012 बैच के: 2012 बैच के ही प्रवीण अढ़ायच पूर्व मुख्यमंत्री और फिलहाल केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निजी सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसी बैच के बी कार्तिकेयन खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी के यहां अटैच हैं। इसके अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के निजी सचिव के रूप में 2013 बैच के हर्ष दीक्षित तैनात हैं, जबकि 2012 बैच के डॉ. राहुल फाटिंग हरिदास हाल ही में केंद्रीय मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्री राजीव रंजन सिंह के पीएस नियुक्त किए गए हैं। इन आठ नामों के अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में भी एमपी कैडर के 2012 बैच के आईएएस अधिकारी चंद्रमोहन ठाकुर वर्तमान में उप सचिव के पद पर काम कर रहे हैं। जानकारों के मुताबिक केंद्रीय मंत्रियों के निजी सचिव बनने की प्रक्रिया कठिन होती है, क्योंकि नियुक्ति से पहले अधिकारियों के बैकग्राउंड और उनके कामकाज के रिकॉर्ड की गहराई से पड़ताल की जाती है।

फिलहाल 46 अफसर प्रतिनियुक्ति पर तैनात

एमपी कैडर के 390 आईएएस अफसरों में से इस समय कुल 46 अफसर प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं। इनमें आधे से अधिक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में ही पदस्थ हैं। अगर संख्या के नजरिए से देखें तो इस समय एमपी कैडर के 15 प्रतिशत आईएएस प्रदेश से बाहर हैं। इनमें से कई तो लंबे समय से प्रदेश लौटे ही नहीं हैं। अगर नियमों की बात करें तो अखिल भारतीय सेवाओं के वरिष्ठ स्तर पर 40 फीसदी से अधिक पद डेपुटेशन पर नहीं होने चाहिए, लेकिन एमपी में यह आंकड़ा काफी कम है। हालांकि एमपी के अधिकांश अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर अहम जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

ये सीनियर भी संभाल रहे अहम जिम्मेदारी

अलका उपाध्याय - सचिव अल्पसंख्यक कल्याण, मनोज गोविल - सचिव कैबिनेट सचिवालय, पंकज अग्रवाल - सचिव ऊर्जा, आशीष श्रीवास्तव - सचिव इंटर स्टेट काउंसिल (गृह विभाग), वी.एल. कांता राव - सचिव खनन, नीलम शमी राव - सचिव टेक्सटाइल, दीप्ति गौड़ मुखर्जी - सचिव कॉर्पोरेट अफेयर्स, विवेक अग्रवाल - सचिव संस्कृति, हरि रंजन राव - सचिव खेल, पल्लवी जैन गोविल - सचिव यूथ अफेयर्स, नितेश व्यास - डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर, फैज अहमद किदवई - महानिदेशक डीजीसीए, कौरोलिन खोंगवार देशमुख - अतिरिक्त सचिव ग्रामीण विकास, आकाश त्रिपाठी - अतिरिक्त सचिव ऊर्जा, निकुंज श्रीवास्तव - सीनियर एडवाइजर विश्व बैंक वाशिंगटन, पवन कुमार शर्मा - डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर, अजीत कुमार - संयुक्त सचिव महिला एवं बाल विकास, ज्ञानेश्वर पाटिल - विकास आयुक्त, एक्सपोर्ट एसईजेड सांताक्रूज मुंबई, राहुल जैन - संयुक्त सचिव वित्त, स्वाति मीणा नायक - संयुक्त सचिव जलशक्ति, शशांक मिश्रा - संयुक्त सचिव ऊर्जा, छवि भारद्वाज - संयुक्त सचिव डीओपीटी, जे.पी. आइरिन सिंथिया - एमडी कामराजार पोर्ट लिमिटेड, विकास अग्रवाल - उप प्रमुख कोचीन पोर्ट ट्रस्ट, वी. किरण गोपाल - संयुक्त सचिव नेशनल हेल्थ अथॉरिटी, नंदकुमारम - सीईओ एनईजीडी, एस. विश्वनाथन - उप प्रमुख चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी, प्रियंका दास - डिप्टी डायरेक्टर लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी, अविनाश लवानिया - निदेशक कृषि एवं कृषक कल्याण, तरुण कुमार पिथौड़े - सदस्य सचिव सीएक्यूएम, सूफिया फारूखी वली - महाप्रबंधक एफसीआई।

विधायक सप्रे मामले में स्पीकर के समक्ष सिंघार ने रखा पक्ष

जल्द निर्णय लेने का आग्रह, 29 को हाईकोर्ट में सुनवाई

विशेष संवाददाता, भोपाल। बीना विधायक निर्मला सप्रे के मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात की और उनके समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर उनसे जल्द निर्णय लेने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि इस मामले पर 29 अप्रैल को हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। पक्ष रखने के उपरांत सिंघार ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि बीना की जनता विधानसभा अध्यक्ष की ओर देख रही है। उन्होंने अपेक्षा जताई कि इस मामले में जल्द ही निष्पक्ष निर्णय लिया जाएगा। सिंघार ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बीना में चुनाव कराने से बच रही है,इसी कारण विधायक निर्मला सप्रे के मामले को लगातार लंबित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सभी तथ्यों और साक्ष्यों की जानकारी सार्वजनिक है,तो कार्रवाई में देरी क्यों की जा रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार ऐसे मामलों में 90 दिनों में निर्णय लेना चाहिए, लेकिन ढाई साल बीत जाने के बाद भी कोई फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि यदि विस अध्यक्ष द्वारा शीघ्र निर्णय नहीं लिया इस मामले में हाईकोर्ट निर्णय लेगा।

सप्रे के प्रतिनिधि पहुंचे विधानसभा

जानकारी के अनुसार विधायक निर्मला सप्रे को 22 अप्रैल को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होना था,लेकिन उनकी ओर से केवल प्रतिनिधि ही विधानसभा परिसर पहुंचे। हालांकि इस मामले में किसी ने पुष्टि नहीं की हैं।

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 40.6°c | न्यूनतम 24.0°c

राजधानी में गर्मी शबाब पर है। अगले तीन दिन तापमान गिरेगा।

नगर में आज

अभिनय कार्यशाला
- **स्थान:** कालीबाड़ी, टीटी नगर
- **समय:** शाम 5:30 बजे से 7:30

'थियेट्रिक्स-30'
- **स्थान:** आरुषि इंडिया, भोपाल
- **समय:** शाम 5 बजे से 8:30

'माह का प्रादर्श'
- **निंगला पा-थोई:** एक अनुष्ठानिक परिधान
- **स्थान:** मानव संग्रहालय
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

72 शलाका चित्र प्रर्दशनी
- **स्थान:** लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- **समय:** दोपहर 12 बजे स

पुलिस कमिश्नरेट के थानों में होंगे 2 निरीक्षक, तुरंत सुनी जाएगी शिकायत

थाना प्रभारी की तरह काम संभालेंगे टू आईसी, पायलेट प्रोजेक्ट के तहत तीन चरणों होगी पदस्थापना

फरियादी की सुनवाई पर रहेगा फोकस, अच्छा काम करने पर मिलेगा स्वतंत्र थाने का प्रभार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। फरियादी द्वारा पुलिस की हमेशा शिकायत सामने आती है कि थाने पर थाना प्रभारी नहीं मिले, जिससे उनकी फरियाद नहीं सुनी गई। वह थाने के चक्कर काटते रहे, लेकिन थाना प्रभारी के बारे में बताया गया कि कानून व्यवस्था में लगे हैं। इस बड़ी शिकायत की दूर करने के लिए भोपाल पुलिस कमिश्नरेट ने एक थाने में दो निरीक्षक तैनात करना शुरू किया है। यह थाने के टू आईसी रहेंगे, जोकि थाना प्रभारी की तरह काम संभालेंगे। अच्छा काम करने पर बाद में उन्हें स्वतंत्र थाने का प्रभार दिया जाएगा। अफसरों का मानना है कि इससे पुलिसिंग बेहतर होगी और थाने की पेंडेंसी कम होगी। मामलों का निकाल होने पर पीड़ित को जल्द न्याय मिलेगा।

चारों जोन के थानों में पदस्थ होंगे टू आईसी

जानकारी के अनुसार भोपाल पुलिस कमिश्नरेट ने पायलेट प्रोजेक्ट के तहत इसे शुरू किया है। तीन चरणों में इसे शुरू किया जाएगा। पहले चरण में बुधवार को जोन-फोर के थाना निशातपुरा और जोन-वन के थाना हबीबगंज में इसे शुरू किया गया है। थाना निशातपुरा में कार्यवाहक निरीक्षक अनिल यादव को टू आईसी थाना निशातपुरा बनाया गया है। वहीं थाना हबीबगंज में कार्यवाहक निरीक्षक नीतू कुंसारिया को टू आईसी थाना हबीबगंज पदस्थ किया गया है। दूसरे चरण में थाना कोहेफिजा और पिपलानी तथा तीसरे चरण में थाना शाहजहांनाबाद और छोला मंदिर में टू आईसी तैनात किए जाएंगे। इस तरह पुलिस कमिश्नरेट के चारों जोन के छह थानों में टू आईसी पदस्थ कर पायलेट प्रोजेक्ट का आंकलन किया जाएगा। यदि सबकुछ ठीक रहा तो उसे पूरे भोपाल पुलिस कमिश्नरेट में लागू किया जाएगा।

माइक्रो बीट पर नजर, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें हल करना प्राथमिकता

मुख्य रूप से थाने के यह टू आईसी, थाना प्रभारी की गैर मौजूदगी या लॉ एंड आर्डर ड्यूटी होने पर थाने में बैठकर पीड़ितों की फरियाद सुनेंगे। इसके अलावा माइक्रो बीट के क्रियान्वयन पर नजर रखेंगे। सीएम हेल्प लाइन की शिकायतें देखकर उनका निराकरण करेंगे। पेट्रोलिंग यानी रात्रि गश्त की मॉनीटरिंग करेंगे। साथ ही थाना प्रभारी द्वारा किए कार्य और टास्क को देखेंगे।

जिम्मेदारी से नहीं भाग पाएंगे

इस प्रोजेक्ट में खास बात यह है कि अब थाना प्रभारी या पुलिस अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग पाएंगे। थाना प्रभारी के थाने पर नहीं होने पर टू आईसी उनके कार्य का निर्वहन करेंगे। यदि अच्छे से टू आईसी काम करते हैं तो उन्हें बाद में स्वतंत्र थाने का प्रभार दिया जाएगा। इससे उनके कार्य का आंकलन भी होगा।

संक्षिप्त खबरें

मां की साड़ी से फंदा लगा कर किशोरी ने खुदकुशी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हबीबगंज इलाके में एक किशोरी ने मां की साड़ी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। हबीबगंज पुलिस के मुताबिक 17 वर्षीय मोनिका रायकवार पिता रामकिशन रायकवार 6 नंबर स्टाप अंकुर स्कूल के पास झुग्गी बस्ती में रहती थी। दसवीं में एक साल पहले फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। उसके पिता बंगलों पर कुक का काम करते हैं, जबकि मां घरों में काम करती हैं। चार बहनों में मोनिका तीसरे नंबर की थी। दो दिन पहले पिता छोटी बच्ची को लेकर गांव एक शादी में शामिल होने चले गए थे। मंगलवार शाम पांच बजे मां काम पर चली गई। मोनिका घर में अकेली थी तभी उसने लोहे के एंगल से साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। रात आठ बजे मां लौटी तो बेटी फांसी के फंदे पर लटकी मिली। आसपास के लोगों की मदद से फंदा काटकर उसे नीचे उतारा। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

चित्रगुप्त जी के प्राकटोत्सव पर निकलेगी शोभायात्रा

जागरण, भोपाल। गंगा सप्तमी के दिन चित्रांश समाज के आराध्यदेव भगवान चित्रगुप्त का प्रकट उत्सव मनाया जाएगा। बुधवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मप्र युवा कायस्थ संगठन, चित्रगुप्त समाज भोपाल, कायस्थ संसद भोपाल, इरावती चित्रगुप्त सांस्कृतिक एवं सामाजिक न्यास कोटरा, चित्रगुप्त कल्याण मंडल 1100 क्वार्टर, कायस्थ मंडल नगरीय क्षेत्र होशंगाबाद रोड, कायस्थ वेलफेयर सोसाइटी भेल, राजा किशनराम पार्वती बाई ट्रस्ट नेवरी, जिला चित्रगुप्त संगठन कोटरा, सामाजिक समिति संस्था, सार्वदेशिक कायस्थ युवा प्रतिनिधि संस्था सहित अनेक संगठनों के संयुक्त बैठक हुई। इसमें तय किया गया कि चित्रगुप्तजी की शोभायात्रा शाम को 5:30 बजे जवाहर चौक स्थित चित्रगुप्त मंदिर से आरंभ होगी, जो रंगमहल होकर रोशनपुरा तक जाएगी एवं इसी रास्ते वापस भी आएगी। शोभायात्रा का नेतृत्व मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग करेंगे। विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे पूर्व सांसद आलोक संजर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रजमोहन श्रीवास्तव, सेवानिवृत मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव, कांग्रेस के महासचिव श्री संजीव सक्सेना एवं प्रवक्ता श्री रवि सक्सेना, पार्षद वीनू मोनू सक्सेना एवं प्रवीण सक्सेना।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत, दूसरा घायल

जागरण, भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक चालक की मौत हो गई। जबकि दूसरा घायल है। घटना पुरानी जेल के पास की है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय राजा यादव पिता नारायण वल्लभ नगर में रहता था। वह मजदूरी करता था। मंगलवार साढ़े 9 वह अपने घर जा रहा था। जहां पुरानी जेल रोड के पास उसकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। दोनों बाइक की आमने-सामने हुई यह भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि इस हादसे में बाइक चला रहा राजा गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दूसरे चालक को मामूली चोटें आई। राहगीरों ने दोनों घायलों को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान राजा ने दम तोड़ दिया। वहीं अन्य बाइक सवार युवक अस्पताल से बिना बताए फरार हो गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

आरा मशीन शिफ्टिंग: छोटा रातीबड़ में सड़क ड्रेनेज, बिजली और पानी सप्लाई का काम पूरा

मेट्रो प्रोजेक्ट: फर्नीचर हब के रूप में विकसित होगा क्षेत्र, यहां दो हफ्ते में राजधानी से शिफ्ट की जानी हैं 40 से ज्यादा आरा मशीनें

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन से ऐशबाग तक चल रहे अंडर ग्राउंड मेट्रो लाइन बिछाने के लिए टनल बोरिंग मशीन दुर्गावती इन दिनों खुदाई का काम कर रही है। इस लाइन के निर्माण में पुल पातरा के बीच मौजूद 40 से ज्यादा आरा मशीनें बाधा बन रही हैं, जबकि इन आरा मशीनों को शिफ्ट करने के लिए 34 माह पहले परवलिया सड़क स्थित ग्राम छोटा रातीबड़ में जगह चिन्हित कर दी गई थी, लेकिन यहां पर विकास कार्य न होने की वजह से आरा मशीनों की शिफ्टिंग टल रही थी, लेकिन हाल ही में यहां पर एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने सड़क, ड्रेनेज, पेयजल सप्लाई और बिजली सप्लाई का काम पूरा करवा दिया है, जिसके चलते कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने अगले दो सप्ताह के भीतर सभी पुल पातरा की सभी आरा मशीनों की शिफ्टिंग छोटा रातीबड़ में करवाने के निर्देश दिए हैं। हालांकि वर्तमान में परवलिया सड़क से नए इंडस्ट्रिलय एरिया तक आने वाली डामर सड़क जर्जर अवस्था में है। जिसके चलते भारी वाहनों और सहित अन्य वाहनों को यहां तक पहुंचने में कठिनाई होगी। इसके अलावा मार्ग पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था भी नहीं है। जिसके कारण रात के समय यहां से मुख्य मार्ग तक लौटने में लोगों को परेशानी हो सकती है। बता दें कि प्रशासन ने 13 जून 2023 को आरा मशीनों को परवलिया सड़क रातीबड़ ग्राम में शिफ्ट करने की योजना बनाई थी, लेकिन योजना को मूर्त रूप लेने में 34 माह का समय लग गया।

मई के पहले सप्ताह में शिफ्ट होना शुरू होंगी आरा मशीनें

30 माह पहले यह क्षेत्र पूरी तरह से उबड़ खाबड़ था, जिसके कारण गडडों में फिलिंग कर पूरे इलाके को समतल किया गया है। इसके अलावा भारी वाहनों की आवाजाही के लिए पूरे परिसर में सीसी रोड डेवलप की गई हैं। पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज सिस्टम भी बना दिया गया है। पानी की व्यवस्था के लिए एक अंडर ग्राउंड और एक ओवर हेड टैंक बनाया गया है। साथ ही मुख्य मार्ग पर सूचना देने के लिए बोर्ड भी लगा दिया गया है। इलाके में बाकी विकास कार्य भी जारी है। संभावना है कि प्रशासन मई के पहले सप्ताह में आरा मशीनों की शिफ्टिंग शुरू करवा सकता है।

भोपाल में बनने वाले फर्नीचर की डिमांड कई देशों में, बढ़ेगा व्यवसाय

इस इलाके में आरा मशीनें शुरू हो जाने से भविष्य में यह इलाका फर्नीचर हब के रूप में विकसित हो जाएगा। इसके अलावा भोपाल में बनने वाले फर्नीचर की डिमांड कई देशों में है। ऐसे में अब फर्नीचर का काम बड़े पैमाने पर हो सकेगा। इसके अलावा तारा सेवनिया, परवलिया सड़क, छोटा रातीबड़, गांधी नगर, आशाराम तिराहे तक का क्षेत्र भविष्य में फर्नीचर हब के रूप में विकसित हो सकेगा, क्योंकि आरा मशीनें शिफ्ट होने से फर्नीचर मालिक इस इलाके में अपने शोरूम डेवलप करेंगे, जिससे भविष्य में यह क्षेत्र फर्नीचर हब के रूप में डेवलप हो जाएगा।

आरा मशीन संचालकों की मांग पर छोटा रातीबड़ में की जा रही शिफ्टिंग

आरा मशीन संचालक प्रशासन से शहर से 15 किमी की दूरी पर जमीन देने की मांग कर रहे थे। परवलिया सड़क स्थित यह जगह शहर से 18 किमी दूर है और राजमार्ग के पास होने के कारण बड़े वाहनों को यहां तक पहुंचने में आसानी होगी। यह मार्ग सीधे राजगढ़ होते हुए गुना, ग्वालियर, इंदौर से कनेक्ट है। इसके अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जाने के लिए भी इसी मार्ग का उपयोग किया जा सकता है। जिसके कारण शहर के बाहर फर्नीचर की सप्लाई करना भी आसान होगा। इसके अलावा प्रशासन को यहां सुविधाएं जुटाने में भी किसी तरह की समस्या का सामना करना नहीं पड़ा।

अब पॉलिटेक्निक चौराहा और आसपास नहीं कर सकेंगे धरना- प्रदर्शन

जागरण, भोपाल। सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल पॉलिटेक्निक चौराहा और आसपास के इलाके में अब धरना-प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं। भोपाल पुलिस कमिश्नरेट ने धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं। पॉलिटेक्निक चौराहा, आकाशवाणी चौराहा, किलोल पार्क चौराहा के बीच आने वाले इलाके में किसी भी तरह की हड़ताल धरना, प्रदर्शन, आंदोलन, पुतला दहन करने पर रोक लगा दी गई है। यह आदेश 22 अप्रैल से अगले दो महीनों तक लागू रहेगा। अब कोई भी संगठन, राजनीतिक दल या समूह इस क्षेत्र में विरोध-प्रदर्शन नहीं कर सकेगा। पुलिस के अनुसार पॉलिटेक्निक चौराहा शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है, जहां से एयरपोर्ट, हमीदिया अस्पताल और गांधी मेडिकल कॉलेज आदि जगहों पर आने-जाने के लिए एकमात्र मार्ग है, इसका कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं है। ऐसे में पॉलिटेक्निक चौराहे पर आए दिन किए जाने वाले हड़ताल धरना, प्रदर्शन, आंदोलन, पुतला दहन आदि से लोगों को यातायात करने के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, आकस्मिक सेवाओं आदि को परिवहन करने में बांधा उत्पन्न होती है। इससे मरीजों की जान को खतरा होने की आशंका बनी रहती है। परेशानियों को देखते हुए पॉलिटेक्निक और इसके पास स्थित आकाशवाणी चौराहा, किलोल पार्क चौराहा और इनके बीच किसी भी स्थान पर हड़ताल धरना,प्रदर्शन, आंदोलन, पुतला दहन आदि आयोजन किए जाने से रोकने हेतु उक्त क्षेत्र को प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित गया है।

पांच नंबर मद्रासी कॉलानी स्थित राम मंदिर से तमिल समाज ने बुधवार को रथ रैली निकाली।

एसआई की बुजुर्ग पत्नी से मारपीट कर लूट करने वाला बदमाश पुलिस गिरफ्त से दूर

आरोपी की पहचान, 10 दिन पहले काम करने आया था युवक, 3 टीमें तलाश में जुटी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एसआई की बुजुर्ग पत्नी से मारपीट कर लूट करने वाले आरोपी का सुराग नहीं लगा है। पुलिस ने उसकी शिनाख्त कर ली है। आरोपी नरसिंहगढ़ निवासी मंगल विश्वकर्मा है, जो यहां छोला मंदिर के शिव नगर में किराए से रहता है। 10 दिन पहले वह पीड़िता के घर के बगल में बन रहे मकान में काम करने आया था। पुलिस ने तीन टीमें उसकी तलाश में जुटी हैं। पुलिस उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है, लेकिन वह नहीं मिल रहा। परिचितों से पूछताछ में सामने आया है कि वह मोबाइल नहीं रखता और पैदल चलता है। शराब पीने का आदी है। काम करने के दौरान उसने बुजुर्ग महिला को अकेला देख लिया था। मंगलवार सुबह वह गिट्टी उठाने के बहाने महिला की छत पर गया था। जहां उसकी नीयत बदल गई और महिला से मारपीट कर लूट कर दी। निशातपुरा पुलिस ने आरोपी मंगल के खिलाफ घर में घुसकर

मारपीट, लूट की धाराओं में केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, करीब 65 वर्षीय शैल कुमारी पति स्व. देवेंद्र मिश्रा राजीव कालोनी निशातपुरा में अकेली रहती हैं। उनके पति की मौत के बाद बेटे को अनुकंपा नियुक्ति मिली। वह एसएएफ है और इन दिनों पश्चिम बंगाल चुनाव ड्यूटी में गया है। दूसरा बेटा बैंगलोर में जॉब करता है। घटना की जानकारी लगने पर दोनों बेटे भोपाल के लिए निकल चुके हैं। मंगलवार सुबह करीब साढ़े सात बजे महिला घर में अकेली थी। तभी बगल वाले मकान में काम करने वाला आरोपी मंगल उनकी छत पर रखी गिट्टी उठाने के बहाने घर के अंदर दाखिल हुआ था। यहां आकर उनकी नीयत पलट गई।

महिला को होश आया, बयान देने की हालत नहीं

बुजुर्ग महिला को पास स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद परिजनों ने उन्हें नर्मदा अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज जारी है। महिला को होश आ गया है। वह खतरे से बाहर हैं। हालांकि अभी उनके बयान दर्ज नहीं हो सके हैं। इधर, पुलिस आरोपी मंगल की तलाश में जुटी है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह शिव नगर छोला मंदिर में किराए से इअकेला रहता है। करीब 5 महीने से रह रहा है। वह मोबाइल नहीं रखता। दूसरे के मोबाइल से बात कर काम चलाता है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

पहल | आयुर्वेदिक, होम्यो. सहित अन्य अस्पतालों में बनेंगे तंबाकू त्याग केंद्र, इलाज के साथ देंगे बेहतर संदेश

तंबाकू मुक्त होंगे आयुष अस्पताल परिसर

जागरण, भोपाल। आयुष विभाग के अधीन संचालित मेडिकल कॉलेजों में अच्छी स्वास्थ्य वर्धक पहल की गई है। भोपाल सहित मध्यप्रदेश के किसी भी आयुर्वेद, होम्योपैथिक, यूनानी जैसे कॉलेजों में तंबाकू, गुटखा का सेवन नहीं हो पाएगा। इसके लिए भारत सरकार के नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत के साथ प्रचार प्रसार किया जाएगा और तंबाकू त्याग केंद्र बनाए जाएंगे। केंद्र सरकार के आदेश के अनुसार वाराणसी उत्तरप्रदेश, रायपुर छत्तीसगढ़, आयुष केम्पस भोपाल, देहरादून उत्तराखंड, नई दिल्ली, पटना बिहार, समेत देशभर के आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा, सोवा- रिग्पा आयुष मेडिकल संस्थानों में तम्बाकू त्याग केंद्र (टीसीसी) सेंटर्स स्थापित होंगे। उक्त निर्देश बोर्ड ऑफ आयुर्वेद नेशनल कमीशन फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन आयुष मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के सदस्य डॉ अतुल बी वार्ष्णेय ने सर्कुलर जारी कर दिये हैं। संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि इसके लिये आवश्यक संसाधन, बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षित जनशक्ति सुदृढ़ता के साथ उपलब्ध कराया जाये। चिकित्सकीय रूप में ओपीडी में भी विस्तृत रूप में तंबाकू छोड़ने संबंधित विचारों-गतिविधियों को जनमानस के लिए प्रचारित कर समझाया जाये। इसके लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता, दीवार लेखन, नुक्कड़ नाटक आदि का सहारा लिया जाए।

तंबाकू मुक्त बनाने के लिए बेहतर कदम

आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने इसे छात्र, जूनियर डॉक्टर्स, चिकित्सक, टीचिंग, नॉन टीचिंग व हॉस्पिटल स्टॉफ के हितार्थ तथा जनहितैषी बताते हुये आयुष संस्थानों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। डॉ पांडेय के अनुसार एनसीआईएसएम का उद्देश्य है कि तंबाकू मुक्त समाज बने ताकि कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों व मृत्यु दर में भी कमी आए।

संस्थाओं को भेजना होगी रिपोर्ट

एनसीआईएसएम (भारतीय चिकित्सा पद्वति राष्ट्रीय आयोग) नई दिल्ली की तरफ से डॉ अतुल बी. वार्ष्णेय ने यह भी स्पष्ट किया कि आयुष संस्थानों ने इस दिशा में जो भी कार्य किये हों तथा अभी तक की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट आयोग को भेजना होगा। डॉ वार्ष्णेय ने कहा है कि तंबाकू त्याग सेंटरों के संबंध में जो आदेश जारी किया गया है। उसका सभी को पालन करना होगा। इस प्रक्रिया की विस्तृत निगरानी भी कराई जाएगी।

200 मिलियन लोग खाते हैं तंबाकू

एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश समेत देशभर में लगभग 200 मिलियन लोग विभिन्न रूपों में तंबाकू सेवन करते हैं। इनमें 42.4 प्रतिशत पुरुष व 14.2 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। जानकारी के अनुसार प्रतिवर्ष 1.2 से 1.35 मिलियन डेथ भी इसके कारण होती हैं। आयुष संस्थानों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाए रखने से स्वस्थ समाज का निर्माण होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। जिससे लोग तंबाकू उत्पादों के त्याग के लिए प्रेरित होंगे।

10वीं के बाद ही प्रवेश लेकर बन सकेंगे आयुर्वेद डॉक्टर

संस्कृत विश्वविद्यालय ने तैयार किया नया कोर्स

जागरण, भोपाल। संस्कृत विवि को रोजगार परक शिक्षा से जोड़ने नई पहल की गई है। अभा स्तर पर नया एकीकृत कोर्स तैयार किया गया है, जिसमें कक्षा 10वीं पास विद्यार्थी आयुर्वेद चिकित्सक कोर्स में प्रवेश लेकर डाक्टर बन सकेंगे। 10वीं के विद्यार्थी सीधे साढ़े सात वर्षीय आयुर्वेद पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर चिकित्सक बनकर रोजगार पा सकेंगे। पहले चरण में यह कोर्स केंद्रीय संस्कृत विवि नई दिल्ली द्वारा शुरू किया जा रहा है, जिसमें संबद्धता प्राप्त संस्थान के जरिए भी प्रवेश दिया जाएगा। बाद में अगले शैक्षणिक सत्र से केंद्रीय संस्कृत संस्थानम् (डीम्ड विवि) भोपाल सहित देश भर के लगभग दस से अधिक विवि में भी यह कोर्स शुरू किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य संस्कृत पृष्ठभूमि वाले छात्रों को पहले 2 वर्ष का प्री-आयुर्वेद पाठ्यक्रम पढ़ाया जायेगा। फिर साढ़े पांच वर्षीय बीएएमएस डिग्री अध्यापन कार्य होगा, इसमें एक वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप भी शामिल रहेगी। इस प्रकार साढ़े सात वर्ष में वे आयुर्वेदिक डॉक्टर बन सकेंगे।

नीट के समकक्ष प्रवेश परीक्षा: प्रवेश के लिए 10वीं के बाद नीट के समकक्ष पीएपी नीट परीक्षा होगी। सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी ने संबद्धता के लिए पोर्टल के माध्यम से व्यवस्था की है। आगामी सत्र से यह कोर्स प्रारंभ होने जा रहा है।

संबद्धता के लिए पोर्टल सुविधा

सेंट्रल संस्कृत विवि ने कोर्स के लिये एक संबद्धता पोर्टल भी प्रारंभ किया है। इससे देशभर के अन्य संस्थान भी जुड़ सकेंगे। आयुर्वेद चिकित्सक के एकीकृत कोर्स को नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन ने ही बनाया है। एनसीआईएसएम, देशभर के आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा, सोवा- रिग्पा चिकित्सा पद्धतियों के लिये मापदंड बनाने से लेकर पाठ्यक्रम, मान्यतायें प्रदान करना व विभिन्न व्यवस्थाओं का पालन कराती है।

ईश्वरीय गुण है प्रेम करना

क्रिया योग

स्वामी चिदानन्द गिरि
योगदा सत्संग सोसाइटी आफ इंडिया

ध्यान हमें सब लोगों के साथ जो? देता है, क्योंकि हम अपने अंदर ईश्वर की विद्यमानता का अनुभव करते हैं। तत्पश्चात जब हमारी चेतना विस्तृत हो जाती है, तो हम पहले अवचेतन या सूक्ष्म स्तर पर और बाद में अधिक प्रत्यक्ष और चेतन स्तर पर, दूसरे

व्यक्तियों में ईश्वर की विद्यमानता के प्रति सचेतनता का अनुभव करने लगते हैं। संपूर्ण ब्रह्मांड में ईश्वर सबसे अधिक प्रेम करने योग्य हैं। ईश्वर सौंदर्य हैं, आनंद हैं और सुख हैं, सेवाशीलता हैं, और वे उन सब अद्भुत गुणों को अभिव्यक्त करते हैं, जिनके प्रति हमारे हृदय में सहज ही आदर और स्नेह उत्पन्न होता है।

इसलिए, जैसा कि दया माताजी ने बारंबार कहा है, प्रेम के स्रोत के पास जाना ही उस प्रेम को अपने हृदय में अनुभव करने की कुंजी है। यही उनके संपूर्ण जीवन का संदेश था। उन्होंने कहा, 'मैं प्रेम की खोज कर रही थी।

मैं ऐसे प्रेम का अनुभव करना चाहती थी, जिसमें मानवीय अपूर्णताओं के दोष नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने प्रारंभ में ही यह निश्चय कर लिया था कि मैं उस प्रेम की खोज करने के लिए ईश्वर के पास जाऊंगी।' और कोई ईश्वर के पास कैसे जाता है?

प्रेम के द्वारा हम सांप्रदायिक हिंसा और घृणा का विरोध कर सकते है। सर्वप्रथम हमें सार्वभौमिकता, सद्भावना तथा अन्य धार्मिक परंपराओं के प्रति सम्मान का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए, जो हमारे गुरुदेव (परमहंस योगानन्दजी) की परंपराओं एवं शिक्षाओं में देखने को मिलता है। सांप्रदायिक हिंसा को रोक पाना एक क्रमिक विकास प्रक्रिया है, परंतु हममें से प्रत्येक व्यक्ति इसके प्रति अपना योगदान दे सकता है।

सर्वप्रथम, प्रेम, आदर और सद्भावना का आदर्श प्रस्तुत करके। और, जितने लोगों के साथ संभव हो, हमारे गुरुदेव के उन विभिन्न लेखों और पुस्तकों को साझा करके, जिनमें पृथक-पृथक धर्मों की आधारभूत समानता पर बल दिया गया है। उदाहरण के लिए, गुरुजी की पुस्तक- धर्म विज्ञान, मानव की निरंतर खोज या इस प्रकार की किसी अन्य पुस्तक के कुछ प्रकरण। ऐसा करने से हमारे समाज में इन विचारों का अधिक से अधिक संचार होगा।

आदरपूर्वक विरोध करें : जब कोई व्यक्ति किसी ऐसी परिस्थिति में है, जहां कोई अन्य व्यक्ति किसी अन्य मार्ग के अनुयायियों के बारे में कुछ अपमानजनक या अनादरपूर्ण शब्द कह रहा है और यदि आदरपूर्वक और शिष्टतापूर्वक उसका विरोध करने का अवसर उपलब्ध है, तो केवल इतना कहना चाहिए कि इस संसार में पहले से ही अत्यधिक घृणा व्याप्त है, यदि इससे परिस्थिति को सुधारने में कुछ सहायता मिलने वाली है तो कुछ और भी कहा जा सकता है।

सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात : ऐसा नहीं है कि हमें अन्य लोगों के लिए सुधारक या अनुशासक का कार्य करना है, परंतु यदि आपके आसपास कोई इस प्रकार का व्यवहार कर रहा है तो आप उसका विरोध कर सकते हैं। परंतु, सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि अधिक से अधिक भक्त योगदा सत्संग पाठमाला की शिक्षाओं के अनुसार जीवन व्यतीत करें और उसमें सिखाए गए सार्वभौमिक दृष्टिकोण को अपने जीवन में अपनाएं। समय आने पर क्रमिक विकास के द्वारा समाज में एक परिवर्तन आएगा।

जीवन दर्शन

ब्रह्मा कुमारी शिवानी
प्रेरक वक्ता

अगर हम दूसरों के अनुचित बोल व व्यवहार से अशांत होते हैं और उसके साथ गलत व्यवहार करते हैं, तो समझिए कि हमारी सकारात्मक शक्ति हार गई है। अपने मन तथा अपनी भावनाओं पर संयम रखने से हम नकारात्मकता पर जीत पा सकते हैं।

मन को बनाएं सुमन

मन को सुमन और जीवन को सफल बनाने के लिए सबके प्रति सदा शुभ भावना व शुभकामना रखना ही भावनाओं का उत्तम प्रबंधन करना है। चाहे कोई कैसी भी भावना रखे, हमें उसके प्रति शुभ भूत भावना से ही व्यवहार करना चाहिए।

मनुष्य की आत्मा की तीन मुख्य शक्तियां हैं- मन, बुद्धि और संस्कार। सोचने या संकल्प करने की शक्ति को मन कहते हैं। सोच को कर्म में लाने की निर्णय-शक्ति को बुद्धि तथा उस निर्णय को कार्यरूप में परिणत करने वाली शक्ति को संस्कार कहते हैं। अच्छे या बुरे संस्कार के अनुरूप इंसान कर्म का बीज बोता है और उसके अनुसार सुख-दुःख की फसल पाता है। %मन-बुद्धि-संस्कार% का चक्र चलता रहता है। जीवन को सुख-शांतिमय बनाने के लिए इस चक्र को सुचारु बनाने की आवश्यकता है।

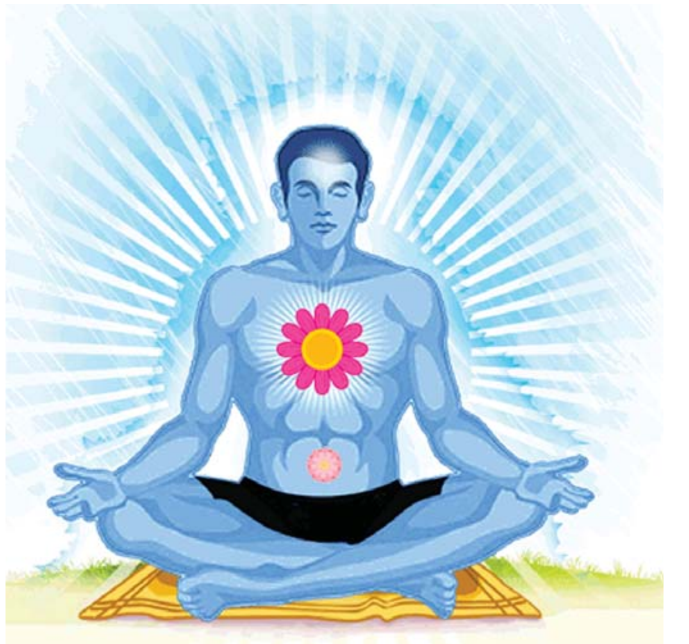

मानव संस्कार के परिवर्तन से संसार परिवर्तित होता है। पर, प्रत्येक संस्कार निर्माण के मूल में मनुष्य का मन है। अर्थात, सुखमय जीवन या संसार के लिए मानव के मन और बुद्धि को सकारात्मक, समर्थ, संयमित और संतुलित बनाना आवश्यक है।

मनुष्य के मन में चार प्रक्रियाएं चलती हैं- संकल्प, भावना, दृष्टिकोण व स्मृति, जो एक-दूसरे को प्रेरित और प्रभावित करते हैं। तभी हमारे संकल्प के अनुसार भावना, दृष्टिकोण एवं स्मृतियां बनते हैं। इन तीनों को सुखदायी बनाने के लिए हमें अपने सोच व संकल्पों को शुभ, सकारात्मक तथा कल्याणकारी बनाना होगा। परमात्मा भी श्रेष्ठ व शिव संकल्पों से सृष्टि रचते हैं। वे मनुष्यों के मन में आत्मोत्थान व स्व-कल्याण से विश्व-कल्याण करने की भावना व दृष्टिकोण विकसित करते हैं। जिससे, अच्छे संस्कार और सभ्य संसार का निर्माण होता है।

अगर अपने जीवन और समाज को बेहतर बनाना है, तो सबसे पहले हमें अपने सोच और भावनाओं का नियंत्रण व प्रबंधन करना होगा। उन्हें नकारात्मकता से हटाकर शुभ, श्रेष्ठ, समर्थ और सकारात्मक बनाना होगा। इसे भावना प्रबंधन कहते हैं, जिससे उत्तम जीवन व समाज का प्रबंधन संभव है। अब सवाल है, मन में चल रहे अच्छे-बुरे संकल्प व भावनाओं का नियंत्रण कैसे करें?

शुभ भावना व शुभ कामना रखें

यह सच है कि हमारे सोच से ही भावनाएं उत्पन्न होती हैं। यह भी सत्य है कि हमारी भावनाएं हमारे सोच व संकल्पों से अधिक गहरी और प्रभावी होती हैं। इसलिए, मन को सुमन और जीवन को सफल बनाने के लिए, सबके प्रति और सदा शुभ भावना व शुभ कामना रखना ही भावनाओं का उत्तम प्रबंधन करना है। व्यावहारिक रूप में, चाहे कोई कैसी भी भावना रखे, हमें उसके प्रति शुभ भावना से ही व्यवहार करना चाहिए। उसका गलत व्यवहार या वार्ता हमें प्रभावित न कर पाए, बल्कि हम उसके साथ ऐसा व्यवहार करें कि हमारा अच्छा आचरण उस पर प्रभावी हो जाए। संभव है कि उसका व्यवहार बदल जाए।

क्योंकि सकारात्मक ऊर्जा अधिक शक्तिशाली है नकारात्मक ऊर्जा से। नकारात्मक ऊर्जा की जकड़न से बचने के लिए हमें अपने संकल्पों को दृढ़ करना होगा और भावनाओं को शुभ व सकारात्मक बनाना होगा। दूसरों की दुर्भावनाओं से स्वयं को दूर रखने के लिए अपनी भावनाओं का नियंत्रण करना होगा।

भावनाओं पर संयम रखें

अगर हम दूसरों के अनुचित बोल व व्यवहार से अशांत होते हैं और उसके साथ गलत व्यवहार करते हैं, तो समझिए कि हमारी सकारात्मक शक्ति हार गई है। अपने मन तथा अपनी भावनाओं पर संयम रखने से हम नकारात्मकता पर जीत पा सकते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण व चिंतन से हम अपनी भावना और मन के मालिक बन सकते हैं।

इसके लिए हमे अपनी मन को मनाना होगा कि, अगर दूसरा कोई हमारे साथ गलत व्यवहार करता है तो वह ईर्ष्या, घृणा व गुस्सा रूपी विकारों से पीड़ित है, बीमार है। वह दया, करुणा व मदद का पात्र है, न कि घृणा व क्रोध का। हम उसके मनोरोग से प्रभावित होकर उसकी बीमारी ठीक नहीं कर सकते हैं। अपनी मानसिकता को स्वस्थ व सकारात्मक रख कर ही शुभ भावना व शुभ कामना से उसका उपचार कर उसे बदल सकते हैं।उसके दिल को सहज जीत सकते हैं। यही सच्ची जीत व सेवा है।इसलिए, संकल्प लें कि यदि कोई व्यक्ति हमारे साथ कैसा भी व्यवहार करें, मुझे उसके साथ शांति, स्नेह और सम्मान का व्यवहार करना है। दो-तीन दिन मन को ऐसे समझाने से हमारा मन मान जाएगा।

मन एक बच्चे के समान है

मन एक बच्चे के समान है, उसे हम जैसे समझाएंगे, वह वैसा ही करने लगेगा। दूसरे, हमें यह नहीं सोचना है कि हमने उस व्यक्ति के साथ इतने बार अच्छा व्यवहार किया, फिर भी वह हमारे साथ बुरा व्यवहार करता है। अच्छाई की कभी गिनती नहीं की जाती, उससे अच्छाई की शक्ति कम हो जाती है। प्रसन्नता, शुभकामना, मृदु बोली और व्यवहार सबको बांटिए, गिनती मत कीजिए। अच्छाई करने से हमारा मनोबल, आत्मविश्वास व आंतरिक शक्ति बढ़ती जाएगी।

20वीं सदी के महान संत थे सीतारामदास ओंकारनाथ जी

युगावतार अनंत श्री ठाकुर सीतारामदास ओंकारनाथ जी 20वी सदी के महान संत थे। उन्होंने अनेक बार ईश्वर की विभिन्न रूपों में प्रत्यक्षानुभूति की थी। वे निर्विकल्प समाधि में चले जाते थे। वे योग विज्ञान की समस्त विधाओं ज्ञान योग, भक्तियोग, राजयोग, लययोग, क्रियायोग, कीर्तनयोग व कर्मयोग के साधक थे। नर्मदा के किनारे स्थित ओंकार मठ ओंकारेश्वर (मध्यप्रदेश) में की गई उनकी 22 माह की मौन साधना अद्भुत है। 'हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे। हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे' का नाम संकीर्तन आपके साथ अखंड रूप में होता रहता था। संपूर्ण विश्व को आध्यात्मिक संदेश देने हेतु श्रीबाबा ने 161 पुस्तकों की रचना की, जिनमें प्रमुख हैं गुरु महिमामृत, नामामृत लहरी, भगवाननाम महिमा, ओंकार सहस्त्रगिति, मिलनगाथा, विरक्तपूजा, चोखेर जाले मायर पूजा, तुलसी चंदन, सेवा, युगवाणी, जयमां, जगतगुरु रामानंद, ओंकारनाथ रचनावली।

श्री सीताराम बाबा कहते है कि 'वे शिष्य, जिन्होंने अपने जीवन के समूचे भार को श्रीगुरुचरणों में समर्पित कर दिया है, उन्हें चिंता की आवश्यकता नहीं है। 'मैं' और 'मेरे' का बोध एक बहुत बड़ा बोझ है, श्रीगुरु ही इसका दायित्व ले सकते हैं।'

जीवन दर्शन

सद्गुरु
आध्यात्मिक गुरु

योग से मन को करें वश में

सुख या दुख मन की अवस्था पर निर्भर करता है। चंचल मन हमारी भावनाओं को नियंत्रित करने लगता है। मन को शांत करके ही हम अपने जीवन में ऐसी स्थिति ला सकते हैं, जहां सुख-दुख का प्रभाव कम से कम हो। यह योग से संभव है। पतंजलि ने योग को चित्तवृत्ति निरोध कहा है। इसका मतलब है। कि अगर आप मन की चंचलता या गतिविधियों को स्थिर कर सकते हैं, तो आप योग को प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी चेतनता में सब कुछ एक हो जाता है। योग में मन को स्थिर करने के अनेक उपाय हैं। हम अपने जीवन में ऐसे बहुत सारे कार्य करते हैं, ऐसी प्रक्रियाओं से गुजरते हैं, जिन्हें हम अपनी उपलब्धियां कहते हैं, मगर मन की चंचलता से परे जाना सबसे मूलभूत और सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। अधिकांश लोगों का लक्ष्य अपने जीवन में प्रसन्नता और शांति प्राप्त करना होता है। हम अपने जीवन में जो प्रसन्नता और शांति जानते हैं, वह मुख्यतः बड़ी कोमल और क्षणिक होती है। वह हमेशा बाहरी स्थितियों के अधीन होती है। इसलिए ज्यादातर लोग एक सटीक बाहरी स्थिति बनाए रखने की कोशिश में पूरा जीवन बिता देते हैं। योग आंतरिक स्थिति पर जोर देता। अगर आप एक सटीक आंतरिक है।

स्थिति पैदा कर सकते हैं, तो बाहरी स्थिति चाहे जैसी भी हो, आप पूर्ण आनंद व शांति में मगन हो सकते हैं। मुझे दक्षिण भारतीय योग परंपरा की एक कहानी की याद आ रही है। एक बार तत्वार्य नामक एक शिष्य था। उसे एक महान गुरु का सान्निध्य मिला था, जिनका नाम स्वरूपानंद था। यह गुरु मौन रहते थे एक गुरु के रूप उन्होंने कभी कुछ नहीं बोला था। तत्वार्य को गुरु के साथ अपार आनंद और प्रसन्नता मिलती थी। उसने अपने गुरु के लिए एक भरणी (विरुदावली) रची भरणी तमिल में एक प्रकार की काव्य रचना होती है, जिसे महान नायकों के लिए रचा जाता है। समाज में विरोध हुआ और कहा गया कि ऐसे व्यक्ति के लिए भरणी नहीं लिखी जा सकती, जिसने कभी अपना मुंह तक न खोला हो यह किसी विजेता या महानायक के लिए ही रची जा सकती है, जैसे किसी ने एक हजार हाथियों को मारा हो तत्वार्य उन्हें गुरु के पास ले गया। तत्वार्य ने गुरु से कहा, मैंने आपके सम्मान में भरणी रची है, जिसका लोग विरोध कर रहे हैं। इनका कहना है कि भरणी सिर्फ महान नायकों के लिए ही रची जा सकती है। गुरु चुपचाप बैठे रहे।

आठ दिनों तक गुरु के साथ सभी मौन बैठे रहे। तब जाकर उन्हें प्रतीत हुआ कि असली नायक तो यह है, जिसने मन और अहं नाम के मतवाले हाथियों को वश में कर लिया है।

संक्षिप्त खबरें

ऑनलाइन फ्रॉड का पैसा आ रहे खाताधारक पर एफआईआर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। ऑनलाइन फ्रॉड का पैसा आ रहे खाताधारक के खिलाफ ऐशबाग पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। आरोपी के खाते में तीन धोखाधड़ी के मामलों का पैसा आया था। एनसीआरबी पोर्टल से मिली जानकारी के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सायबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस मुख्यालय में निर्देश दिए थे। देशभर में यह मुहिम शुरू हुई है। ऐशबाग पुलिस के मुताबिक, रईस रफीक काजी समेत तीन लोगों के ऑनलाइन फ्रॉड हुआ था। इसमें दो पीड़ित महाराष्ट्र और एक तेलंगाना से हैं। लालच में फंसकर इनके साथ पैसों की ठगी की गई थी। एनसीआरबी पोर्टल पर इनकी शिकायत पड़ी थी। जांच में सामने आया है कि इन तीनों से ठगी की गई की कुछ राशि ऐशबाग के पुष्पा नगर स्थित महामाई बाग निवासी दीपक जैन के खाते में आई थी। इस आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

गोस्वामी समाज इकाई ने मनाई आदि शंकराचार्य की जयंती

जागरण, भोपाल। गोस्वामी समाज इकाई, मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा बुधवार को आदि गुरु शंकराचार्य जयंती का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 1250 अर्जुन नगर स्थित मंदिर प्रांगण में आयोजित इस समारोह में समाज के सैकड़ों लोगों ने एकत्रित होकर अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रेम नारायण गिरी और प्रदेश अध्यक्ष रूप नारायण गिरी द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जिला अध्यक्ष चंदन भारती एवं युवा अध्यक्ष छोटे लाल गिरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में आदि गुरु के सिद्धांतों और उनके द्वारा स्थापित सांस्कृतिक एकता पर प्रकाश डाला गया। समारोह के दौरान विशेष महाआरती एवं पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' का किया आयोजन

जागरण, भोपाल। ब्रह्माकुमारीज के ब्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 'धरती माता' नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके डॉ. रीना दीदी ने कहा कि पृथ्वी को हरा-भरा बनाए रखने के लिए संतुलन, देखभाल और जागरूकता जरूरी है। उन्होंने आह्वान किया कि 'हम पृथ्वी से उतना ही ग्रहण करें, जितनी हमें आवश्यकता है' और अनावश्यक उपभोग से बचें। उन्होंने कहा कि स्व-परिवर्तन और आध्यात्मिक जागरूकता से ही प्रकृति की रक्षा संभव है।

छात्रों की अध्यापन व्यवस्था बेहतर करने अटैचमेंट समाप्त कर स्कूल भेजें शिक्षक

जिपं की बैठक में उठी मांग: ग्रामीण क्षेत्र के टॉपर बच्चों को किया जाएगा सम्मानित

जागरण, भोपाल। भोपाल जिला पंचायत शिक्षा समिति की बैठक बुधवार दोपहर 12 बजे कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में हुई। सभापति मोहन सिंह जाट उपाध्यक्ष जिला पंचायत भोपाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में शिक्षकों का अटैचमेंट समाप्त कर स्कूल भेजने की मांग प्रमुखता से उठी। शिक्षा समिति के सचिव जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार ने बैठक का एजेंडा रखते हुए बिंदुवार एजेंडा पर चर्चा शुरू की। जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के परिणाम के बारे में बताया। सभापति मोहन सिंह ने प्रस्ताव रखा की ग्रामीण क्षेत्र में मेरिट में आने वाले हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र छात्राओं को जिला पंचायत की तरफ से सम्मानित किया जाएगा। जाट ने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा कि शिक्षक जहां भी अटैच हैं, उनका तत्काल अटैचमेंट समाप्त कर शालाओं में भेजा जाए। जिससे छात्र छात्राओं की अच्छे से पढ़ाई हो सके। अगले वर्ष अच्छे परिणाम आ सकें। नए शैक्षणिक सत्र में एडमिशन के समय जुलाई माह में हर बच्चे से एक पेड़ मां के नाम से शाला परिसर में लगवाया जाए, इस प्रस्ताव का सभी सदस्यों एवं अधिकारियों ने स्वागत किया। जाट ने माध्यमिक शाला निपानिया सूखा में पेड़ के नीचे लग रही बच्चों की कक्षाओं पर चिंता करते हुए नए भवन बनाने की मांग की, उन्होंने सदस्यों को पेड़ के नीचे पढ़ रहे बच्चों की फोटो भी दिखाई। जिपं सदस्य विनय मेहर ने ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय स्कूलों में शौचालयों एवं पुराने जंजर भवनों का मुद्दा उठाते हुए जिला शिक्षा अधिकारी से बरसात के पहले उन्हें तुरंत रिपेयरिंग कर ठीक करने की मांग की। मेहर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षकों का समय पर स्कूल जाना तय हो, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा मिल सके कुछ शिक्षक स्कूल के नाम से गोल रहते हैं और उनका आवेदन पहले से ही लिख रखा रहता है।

स्कूलों का करें निरीक्षण

समय-समय पर अधिकारियों द्वारा स्कूलों का निरीक्षण किया जाए जिससे लापरवाह शिक्षकों पर अंकुश लग सके और कार्रवाई हो सके। भोपाल डीपीसी प्रभारी रवि श्रीवास्तव व एसडीएम ने कहा कि लापरवाह शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पिछली बैठक की कार्रवाई विवरण का पालन प्रतिवेदन, प्रदेश शासन के द्वारा संचालित शिक्षा विभाग की समस्त योजनाओं कि लक्ष्य एवं पूर्ति व आवंटन पर चर्चा, सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत परिपाटी मध्य स्टेट प्लान अंतर्गत भवनों का जीर्णोद्धार एवं बाउंड्री वॉल निर्माण, वित्तीय वर्ष 2025 - 26 पर चर्चा की गई।

सेवा पुस्तिका का समय पर पूरा नहीं हो सका सत्यापन

तबादलों में शिक्षकों को हो सकती है परेशानी

भोपाल। संकुल प्राचार्य, शिक्षकों की सेवा संबंधी जानकारी सत्यापन सहित अन्य बिंदुओं की रिपोर्ट समय पर पोर्टल पर अपडेट नहीं कर पाए हैं। जिससे शिक्षकों के मई - जून में होने वाले तबादलों में परिवीक्षा अवधि को लेकर शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस लापरवाही पर लोक शिक्षण संचालनालय ने प्राचार्यों सहित शिक्षा अधिकारियों पर गहरी नाराजगी जताई है। लापरवाही को लेकर संचालक लोक शिक्षण केके द्विवेदी ने संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों को नोटिस भी जारी किए हैं। उल्लेख किया गया है कि संचालनालय के विगत 14 अक्टूबर को लिखे गए पत्र के अनुसार एजुकेशन पोर्टल 3.0 के अंतर्गत एम्प्लोयी डायरेक्टरी में शिक्षकों की सेवा संबंधी जानकारी और पदस्थी संस्था, पदनाम, एवं विषय के सत्यापन की कार्यवाही संकुल प्राचार्य- बीईओ द्वारा उनकी सेवा पुस्तिका से मिलान उपरांत करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके पश्चात् भी संकुल-विकासखण्ड स्तर पर उक्त कार्य समय सीमा के भीतर पूर्ण नहीं किया गया।

पोर्टल अपडेशन में विलंब: अभी तक केवल 68.16 प्रतिशत लोकसेवकों का सत्यापन हुआ है। जिसकी जिलेवार सूची भी भेजी गई है। डेटा अपडेशन में बिलंब होने से सीधे तौर पर वे शिक्षक प्रभावित होंगे, जिनकी परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के बावजूद पोर्टल पर अभी तक परिवीक्षाधीन ही दर्शाया जा रहा है। जिससे उन्हें नवीन शिक्षक की श्रेणी में रखा गया है। नवीन माने जाने से आगामी तबादलों के दौरान ऐसे शिक्षकों को सिर्फ सीमित तौर पर सीएम राइज स्कूल का विकल्प मिलता है। कई मामलों में शासन के पूर्व में जारी पत्र के अनुसार संकुल स्तर पर लोकसेवकों की जानकारी का सत्यापन सेवा पुस्तिका से मिलान किये बिना ही किया जा रहा है।

5वां समर्थ भारत कॉन्क्लेव संपन्न, एआई और कौशल विकास पर जोर

'विकसित भारत' के लिए शिक्षा, उद्यमिता और तकनीकी साक्षरता जरूरी : राज्यपाल

जागरण, भोपाल। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में आयोजित 5वें समर्थ भारत कॉन्क्लेव 2026 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। 'रीइमेजिनिंग इम्पैक्ट- एआई-ड्रिवन स्किलिंग, फाइनेंशियल इंक्लूजन एवं सोशल एंटरप्राइज' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में मंगूभाई पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राच्यपाल ने आईसेक्ट समूह के 40 वर्षों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि एआई आधारित पहलें, विशेषकर 'कौशल रथ', युवाओं में तकनीकी साक्षरता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कौशल, उद्यमिता और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास जरूरी हैं। कॉन्क्लेव में एआई, स्किलिंग और सामाजिक उद्यमिता पर केंद्रित विभिन्न सत्र आयोजित हुए। नॉलेज सेशन में विशेषज्ञों ने एआई को रोजगार बढ़ाने वाला बताते हुए युवाओं से इसे अपनाने का आह्वान किया। इस दौरान कई एमओयू साइन हुए और उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभागियों व उद्यमियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, उद्योग और कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधियों ने सहभागिता कर सहयोगात्मक प्रयासों के जरिए सामाजिक-आर्थिक बदलाव की दिशा में काम करने पर जोर दिया।

विज्ञान केंद्र में मना 'पृथ्वी उत्सव'

चित्रकला और वैज्ञानिक प्रयोगों से बच्चों ने जाना पर्यावरण का महत्व

'लाइव साइंस शो' और 'ट्रेजर हंट' ने जगाई वैज्ञानिक जिज्ञासा

जागरण, भोपाल। आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल में बुधवार को 'विश्व पृथ्वी दिवस' और 'स्वच्छता पखवाड़ा' के उपलक्ष्य में वैज्ञानिक जागरूकता का अनूठा संगम देखने को मिला। 16 से 30 अप्रैल तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़े के तहत आयोजित इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। दिन की शुरुआत विद्यार्थियों के लिए आयोजित एक वृहद चित्रकला प्रतियोगिता से हुई, जिसे कक्षा 3 से 5 और 6 से 10 की दो श्रेणियों में बांटा गया था। बड़ी संख्या में जुटे छात्र-छात्राओं ने अपनी तूलिका से स्वच्छता और प्रकृति संरक्षण के सुंदर संदेश उकेरे। इसके साथ ही, केंद्र में आयोजित 'लाइव साइंस शो' के जरिए बच्चों ने विज्ञान के गूढ़ रहस्यों को बेहद रोचक और इंटरैक्टिव तरीके से समझा। पृथ्वी दिवस को यादगार बनाने के लिए केंद्र ने कई नवाचारी गतिविधियां आयोजित कीं। इसमें 'एटमॉस्फियरः द अम्ब्रेला गैलरी' में आयोजित इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने वायुमंडल से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों को खेल-खेल में सीखा। विद्यार्थियों ने सायनोटाइप प्रक्रिया के जरिए कला और रसायनों के वैज्ञानिक समन्वय का अनुभव लिया। विशाल पृथ्वी के मॉडल के साथ सेल्फी लेने और 'ग्रीन प्लेज वॉल' पर पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेने के लिए युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। आंचलिक विज्ञान केन्द्र ने इस अवसर पर संदेश दिया कि पृथ्वी इस ब्रह्मांड में हमारा इकलौता घर है और इसका संरक्षण स्वयं की रक्षा करने के समान है। केंद्र ने नागरिकों से अपील की है कि स्वच्छता और पर्यावरण की देखभाल को अपनी दैनिक आदतों में शामिल करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित भविष्य का निर्माण हो सके।

नरवाई जलाने पर तीन माह रोक, लेकिन राजधानी के पास गांवों में सुलग रहे खेत

प्रशासन से बचने किसान सुबह 3 से 4 बजे के बीच जला रहे नरवाई, अगले दिन शाम तक भभक रही जमीन

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में 21 जून तक पराली जलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है, लेकिन इसके बाद भी किसान खेतों में खड़ी गेहूं की नरवाई को नष्ट करने के लिए इसमें आग लगा रहे हैं। जबकि मैदान में मौजूद पटवारी सहित अन्य अमले को तीन माह तक अपने आसपास के इलाकों की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद भी खुलेआम नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। मुख्य रूप से गांधी नगर के खजूरी जोड़, भौरी, एयरोसिटी, तारासेवनिया, परवलिया सड़क और ग्राम छोटा रातीबड़ में किसानों ने बड़े पैमाने पर खेतों में आग नरवाई जला दी है। बुधवार को परवलिया सड़क और छोटा रातीबड़ सहित आसपास के सभी इलाकों में नरवाई जलते हुए मिली। इसके अलावा बैरागढ़ के आगे भैंसाखेड़ी, खजूरी सड़क, ईंटखेड़ी छाप, तूमड़ा व आसपास के ग्रामों में भी नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जबकि पराली जलाने पर जुर्माने सहित कैद का प्रावधान है। इसके बाद भी कार्रवाई न होने से नियमों को तोड़ने वालों के हौसलें बुलंद हैं। आसपास के लोगों के अनुसार नरवाई को जलाने के लिए किसान तड़के 3 से 4 बजे के बीच खेतों में आग लगा रहे हैं। जिसके चलते आग कई बार शाम तक धधकती रहती है, जिससे आसपास के रहवासी इलाकों में जले हुए अवशेषों के कार्बन व कण गिरते हैं, जिनसे लोगों को खांसी सहित अन्य समस्याएं हो रही हैं। मामले में अधिकारियों का तर्क है कि प्रशासन का अमला लगातार निगरानी कर रहा है, जो लोग भी नरवाई जला रहे हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हाल ही में लग गई थी खेतों में आग

27 मार्च को भोपाल के कुठार गांव में 15 एकड़ क्षेत्रफल में गेहूं की खड़ी फसल नरवाई जलाने के चलते जलकर खाक हो गई थी। इस दौरान सैकड़ों एकड़ क्षेत्र में खड़ी गेहूं की फसल को 50 से ज्यादा किसानों से सामूहिक प्रयासों के बाद बचा लिया। किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली में पानी भरकर और अन्य संसाधनों के साथ आग बुझाने में जुट गए। 5 गांवों के किसानों की फसल इस इलाके में खड़ी हुई थी। प्रशासन ने 22 मार्च से अगले तीन माह तक पराली जलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया हुआ है। नियमों का उल्लंघन करने वाले किसानों के खिलाफ मामला तक दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने यह रोक नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश का पालन करते हुए लगाई है।

किसानों को भी होता है नुकसान

नरवाई जलाने से न केवल आसपास का पर्यावरण प्रदूषित होता है और रहवासियों को परेशानी होती है। बल्कि इससे खेतों की उर्वरता कम होती है। जिसके कारण खेतों में अधिक मात्रा में रासायनिक खाद डालनी पड़ती है। नरवाई जलाने से खेतों में मौजूद घोंघे सहित केंचुए व अन्य जीव नष्ट हो जाते हैं। साथ ही खेतों में मौजूद टिटहरी व अन्य पक्षी भी जल जाते हैं। नरवाई को यदि खेतों में ही मिला दिया जाए तो यह खाद के रूप में काम करती है। इसके अलावा नरवाई को कई कंपनियां खरीदती भी हैं, ताकि इनसे ऐथेनॉल या अन्य ईको फ्रेंडली उत्पाद बनाए जा सकें। इसके बाद भी खेतों में बड़े पैमाने पर नरवाई जलाई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

तनु शर्मा ने जीता मिसेज इंडिया अर्थ का खिताब

भोपाल। शहर के प्रतिष्ठित जलसा रिट्रीट में 18 अप्रैल को आयोजित भव्य मिस एवं मिसेज इंडिया प्रतियोगिता में तनु शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिसेज इंडिया अर्थ का खिताब अपने नाम किया। यह कार्यक्रम वीनस ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया, जो तीन दिनों तक चला और 18 अप्रैल को इसका भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में मिस, मिसेज इंडिया (क्लासिक कैटेगरी - प्रीमियम) के तहत विभिन्न राउंड आयोजित किए गए, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने व्यक्तित्व, प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से तनु शर्मा ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से जजों को प्रभावित करते हुए दो अंतरराष्ट्रीय खिताब - मिसेज इंडिया अर्थ और मिसेज इंडिया ग्रैंड्यूर - अपने नाम किए। इसके साथ ही उन्हें मिसेज इंडिया रनर-अप के खिताब से भी नवाजा गया।

बिजली कंपनी के कर्मियों व पेंशनरों को एक मई से कैशलेस स्वास्थ्य योजना

जागरण संवाददाता, भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के नियमित कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके आश्रितों को 1 मई से कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश के बाद प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग के मार्गदर्शन में तैयार इस योजना का एमओयू मेडसेव हेल्थ इंश्योरेंस (टी.पी.ए.) केसाथ संपन्न हुआ। जिससे बिजली कर्मियों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधाएं मिलना शुरू हो जाएंगी। योजना के तहत तीन स्तरीय प्रीमियम व्यवस्था की गई है, जिसमें 500 रुपए मासिक प्रीमियम पर 5 लाख का कैशलेस कवर, 1,000 रुपए मासिक प्रीमियम पर 10 लाख का कैशलेस कवर और 2,000 रुपए मासिक प्रीमियम पर 25 लाख का कैशलेस कवर प्राप्त होगा। मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. राकेश शर्मा के अनुसार कर्मचारी व उनके परिजन निर्धारित शर्तों के तहत इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

पार्क में टहल रही बुजुर्ग महिला से लूट

जागरण,भोपाल। चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में पार्क में टहल रही बुजुर्ग महिला के गले से बदमाश ने चेन झपट ली। घटना सुबह 10 बजे की है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 68 वर्षीय शशि आचार्य पति नरेंद्र शाहपुरा इलाके में रहती है। वह गृहणी है। उसके पति बैंक से रिटायर्ड है। मंगलवार सुबह बजे वह घर के पास स्थित पार्क में टहल रही थी। इस दौरान बुजुर्ग महिला को अकेला पाकर किसी व्यक्ति ने उसके गले से सोने की चेन झपट ली। महिला कुछ समझ पाती इससे पहले ही पैदल आया लूटेरा मौके से फरार हो गया। बाद में महिला ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। लूटी गई सोने की चेन की कीमत 17 हजार रुपए आंकी जा रही है। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पुराने विवाद पर युवती से मारपीट

जागरण,भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र में बहन के ससुराल वालों ने युवती से पुराने विवाद को लेकर मारपीट की। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय मंजू विश्वकर्मा पति दीपक निशातपुरा इलाके में रहती है। उसकी बहन अंजू ने चांदबाड़ी निवासी राजेश कुशवाहा से लव मैरिज की थी। दो दिन पहले अंजू अपनी बहन के घर मेकअप करवाने गई थी। जहां उसका अंजू के पति से किसी बात को लेकर विवाद हुआ। बाद में वह वहां से चली गई। मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे वह अपने पति और चचेरी बहन रजनी के साथ कुछ सामान देने के लिए उसके घर गई थी। जहां पुरानी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इस दौरान अंजू के ससुराल वालों ने गाली गलौज कर डंडे से मारपीट की। जिससे उसके पति के सिर,हाथ सीने में गंभीर चोटे आई। जबकि उसकी चचेरी बहन को मामूली घायल है। शिकायत पर पुलिस ने मंजू के पति राजेश उसकी सास आशा ससुर मोहन और ननद राजकुमारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

8 साल से फरार वारंटी गिरफ्तार

जागरण,भोपाल। निशातपुरा पुलिस ने 8 साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी इलाके का लिस्टेड बदमाश है। उसके खिलाफ मारपीट, अवैध हथियार रखने, पाक्सो एक्ट समेत कई स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी थे। पुलिस के अनुसार मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर टीम ने नेशनल शादी हाल के पास स्थित अरवलिया झुग्गी में दबिश देकर आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया। जिसकी पहचान 26 वर्षीय इरफान खान उर्फ चपाती निवासी फिजा कालोनी करोंद के रूप में हुई। जो साल 2018 से लगातार फरार चल रहा था। जिसके खिलाफ कोर्ट से 6 वारंट जारी किए गए थे। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एसपी देहात का ड्रायवर से गाली-गलौच का ऑडियो वायरल, बताया एआई निर्मित

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एसपी देहात रामशरण प्रजापति का अपने ड्रायवर संजीव चौधरी से गाली-गलौच का ऑडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। शाम होते ही चालक ने अपना बयान जारी कहा कि यह एआई से निर्मित ऑडियो है, मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। जानकारी के मुताबिक वायरल ऑडियो में ड्रायवर में अपना नाम संजीव चौधरी बताया। बोला कि सर आपने मेरी कल की गैरहाजिरी डलवा दी। इस पर एसपी ने कहा कि क्या करूं तुम्हारी पूजा करूं। ड्रायवर ने बोला कि सर पूजा वाली बात नहीं है। मैं आपका ड्रायवर हूं, 24-24 घंटे नौकरी करता हूं। क्या एक-दो दिन की छुट्टी मांग ली तो क्या हो गया? इस पर एसपी ने कहा कि फालतू बात नहीं, आरआई से बात करो। चालक बोला- सर आरआई-वारआई क्या होता है। सर मैं आपके अंडर में हूं, सर क्या मैं आपसे बात नहीं कर सकता। इस पर एसपी गुस्से में आ गए और- गाली देते हुए बोले कि फालतू बकवास करता है। दारू पीकर बात करता है। चालक ने बोला कि नहीं सर मैं दारू नहीं पिए हूं। मेरा मेडिकल करवा लो। इसके बाद एसपी ने गाली दी और फोन रखने का बोलकर फोन काट दिया।

आवाज निकालने की कोशिश की, मैं खंडन करता हूं

सोशल मीडिया पर यह वीडियो बुधवार दोपहर बाद वायरल हुआ। इससे हड़कंप मच गया। कुछ देर बाद शाम को ड्रायवर चालक संजीव चौधरी का वीडियो आया, जिसमें उसने कहा कि कुछ लोगों ने मेरा ऑडियो एआई के माध्यम से बनाकर मेरी आवाज निकालने की कोशिश की है। इस बात का मैं खंडन करता हूं, इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। बता दें कि इससे पहले भी एसपी देहात का एसआई से बदसलूकी की बात सामने आई थी। एसआई ने एसपी के खिलाफ रोजनामचा में रिपोर्ट डाल दी थी। किसी डायरी के लेटलतीफी को लेकर इस मामला सामने आया था।

प्लाट का अनुबंध कर किसान से 9 लाख हड़पे, नहीं कराई रजिस्ट्री

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हबीबगंज इलाके में एक किसान के साथ 9 लाख रुपए की ठगी हो गई। प्लाट का अनुबंध कर आरोपी ने रकम ली, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं की। इस पर पीड़ित ने थाने में शिकायत की थी। आवेदन जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, 40 वर्षीय हेमराज चौकसे पिता नारायण सिंह बिलखिरिया में रहते हैं। वह खेती किसानी करते हैं। तीन साल पहले किसान ने प्रापर्टी डीलर सुमित कुम्हरे की मदद से चौकसे नगर स्थित एक प्लाट का सौदा सहदेव साहू से किया था। सौदा करवाने के एवज में सुमित ने 50 हजार रुपए लिए थे। वर्ष 2023 में दोनों पक्षों के बीच अनुबंध हुआ। इस समय किसान ने 9 लाख रुपए सहदेव को दिए। आरोपी सहदेव ने कहा कि कुछ दिन में प्लाट की रजिस्ट्री कर देगा। इसके बाद वह टालमटोल करने लगा। इस तरह महीने और साल बीत गए। तीन साल बाद भी जब प्लाट की रजिस्ट्री नहीं हुई और न ही आरोपी ने पैसे लौटाए तो उन्होंने इसकी शिकायत थाने में की। आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

ओएलएक्स पर जालसाज ने ऐड देकर की 98 हजार की ठगी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। सोशल मीडिया ओएलएक्स पर सस्ते में कूलर बेचने का ऐड डालकर जालसाज ने 98 हजार रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शाहपुरा पुलिस के मुताबिक, 40 वर्षीय चंदन श्रीवास्तव पिता सीएल श्रीवास्तव प्रियदर्शनी रोहित नगर में रहते हैं। वह निजी काम करते हैं।

उन्होंने पुलिस को बताया कि 19 अप्रैल को उन्होंने ओएलएक्स पर एक ऐड देखा, जिसमें कूलर बेचने की बात कही गई। संबंधित नंबर पर उन्होंने कॉल किया। सामने वाले अपना नाम गौरव निवासी कोलार रोड बताया। सौदा तय होने के बाद जालसाज ने उन्हें उनके यूपीआई पर 500 डाले और बोला कि इस पर आप पैसे डाल देना। साथ में उसने अपना क्यूआर कोड भेजा। जैसे ही चंदन ने क्यूआर कोड खोला, उनके खाते से जालसाज ने 98 हजार रुपए निकाल लिए। इसके बाद मोबाइल बंद कर लिया। पैसे कटने का मैसेज आने के बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। उन्होंने इसकी शिकायत थाने में की थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्वच्छता सर्वे तक नोडल अधिकारी अनुमति बिना नहीं ले सकेंगे अवकाश

सभी अधिकारियों को भरना होगा स्वगणना का फार्म

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में चल रहे स्वच्छता सर्वेक्षण के कार्य के बीच आयुक्त संस्कृति जैन ने सभी अधिकारी और कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। आयुक्त ने सब को स्पष्ट कर दिया है कि बिना उनकी स्वीकृति के कोई भी अधिकारी फिलहाल अवकाश पर नहीं जा सकेगा और अन्य कर्मचारी भी अपने वरिष्ठ अधिकारियों की स्वीकृति के बाद ही अवकाश पर जा सकेंगे। बुधवार को आयोजित समय सीमा पत्रों की बैठक में आयुक्त ने सख्त लहजे में सबको चेताते हुए कहा कि किसी भी काम में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में स्वच्छता, प्रशासनिक अनुशासन और आगामी जनगणना कार्यों को लेकर समय सीमा में काम पूरा करने को कहा गया। बैठक का आयोजन आईएसबीटी स्थित नगर निगम कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। इस दौरान शहर की स्वच्छता व्यवस्था में बरती जा रही ढिलाई पर आयुक्त नाराज हुई और

स्वच्छता अमले को काम सुधारने को कहा। इसके अलावा निगम के सभी अधिकारियों को जनगणना 2027 के तहत स्व-गणना फार्म भरने और सड़क पर मौजूद सीएंडडी वेस्ट को तेजी से हटवाने के निर्देश दिए।

खाली करवाएं फुटपाथ : शहर में जगह जगह पर मौजूद निजी व शासकीय संस्थाओं का सीएंडडी वेस्ट हटवाकर निष्पादन स्थल पर पहुंचाना होगा। समय पर नाले-नालियों की सफाई, फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के साथ ही समग्र केवॉयसी के लिए प्रत्येक वार्ड में एक कर्मचारी को समग्र प्रभारी के रूप में तैनात करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पोर्टल से समग्र आईडी डिलीट करने की जिम्मेदारी वार्ड प्रभारियों की होगी। बैठक में सभी अधिकारी-कर्मचारियों को जनगणना के पहले चरण के तहत अपना ऑनलाइन स्वगणना फॉर्म अनिवार्य रूप से भरने के निर्देश दिए।

नोडल अधिकारी समय पर पहुंचे फील्ड पर और सर्वे करें

बैठक में स्वच्छता सर्वेक्षण कार्य में लगे सभी नोडल अधिकारियों को कहा कि वे रोजाना समय पर अपनी फील्ड पर पहुंचे और सफाई को बेहतर तरीके से करवाने के लिए लगातार सर्वे करते रहें। स्वच्छता कार्य से जुड़े सभी कर्मचारी समय पर फील्ड पर पहुंचे और ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता कार्यों से अलग किया जाए, जिनके पास पहले से ही अन्य शाखाओं का अतिरिक्त कार्यभार है।

चौक बाजार और आजाद मार्केट से फिर हटाया अतिक्रमण, 1 ट्रक सामान जब्त

जागरण संवाददाता, भोपाल। पुराने शहर के बाजार को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए नगर निगम के अमले ने बुधवार को एक बार फिर बड़ा अभियान चलाते हुए चौक बाजार व आजाद मार्केट सहित अन्य इलाकों मे सड़क किनारे अतिक्रमण कर खड़े किए ठेले व गुमटी सहित एक ट्रक से ज्यादा सामान जब्त किया। इसी के साथ सलैया में अवैध रूप से बनाए गए छप्पर तोड़ा गया और व्यस्त बाजारों के बाहर मौजूद गन्ने की चरखी, पान पार्लर, आईसक्रीम का ठेला, दुकानों के बाहर रखा सामान जब्त करने के साथ ही कंडम दो पहिया व चार पहिया वाहनों को बाजार से बाहर करवाया। नगर निगम अमले ने पुराने भोपाल के चौक बाजार, आजाद मार्केट, मंगलवारा, जहांगीराबाद, पुराना कबाड़खाना, बाबुल शादी हॉल सहित आसपास के इलाकों से अतिक्रमण हटाया। इसके अलावा अशोका गार्डन दशहरा मैदान, प्रभात चौराहा, परिक्रमा पार्क, रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-1, पुष्पा नगर, बाग फरहत अफजा, हमीदिया रोड, रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-6 के पास से भी अतिक्रमण हटाए। कटारा हिल्स स्थित कटारा अटलांस, कटारा अमलतास, कटारा स्प्रिंग वैली, गौरीशंकर परिसर, कोलार तिराहा, चूना भट्टी, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, 1100 क्वार्टर, शाहपुरा, न्यू मार्केट नो-व्हीकल जोन, न्यू मार्केट नागरिक सहकारी बैंक, रंगमहल, लिंक रोड नंबर-3, मिसरोद, आकृति ईको सिटी, अमराई पार्क व आसपास के इलाकों में कार्रवाई की गई।

जब्त किया गया यह सामान
चौक बाजार और आजाद मार्केट इलाके में दुकानों के बाहर रखा सामान, शेड, बोर्ड सहित अन्य सामान जब्त किया। आकृति इकोसिटी के पास अवैध रूप से बनें 1 छप्पर को तोड़ा। न्यू मार्केट, 1100 क्वाटर्स, अशोका गार्डन, कबाड़खाना से कंडम दो पहिया, चार पहिया वाहन हटवाए गए। इसके अलावा हाथ ठेले, गन्ने की चरखियां, पान पार्लर, आईसक्रीम की गाड़ी तथा दुकानों के बाहर रखा सामान जब्त किया गया।

राजधानी में 'श्री बाबा नीब करोरी महाराज' पर बनी फिल्म का प्रमोशन

भक्ति और चमत्कारों पर आधारित फिल्म का ट्रेलर लॉन्च

जागरण, भोपाल। मुझे इस फिल्म के लिए कोई विशेष तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि, मेरा रोल काफी पेचीदा था। क्योंकि शूटिंग के दौरान लोकेशन पर एक अलग ही आध्यात्मिक माहौल था। जिसे सब बाबा का रूप मान रहे थे, उन्हे अपशब्द कहना काफी कठिन था। जब हम शूट करते थे तो जहां कमरा था और बाबा जी आया करते थे, वहीं हम बैठते थे। हमें वहां बाबा जी की उपस्थिति का एहसास होता था। यह कहना था फिल्म के प्रमोशन के लिए भोपाल आए अनिरुद्ध दवे का। उन्होंने कहा कि व्यक्ति विपत्ति में फसने पर भगवान को ही करता है याद अक्सर व्यक्ति भगवान को नहीं मानता, लेकिन जब उस पर कोई विपत्ति आती है तो वही भगवान से प्रार्थना करता है।

युवा पीढ़ी पर कहा कि युवाओं में देश में बदलाव दिखाई दे रहे हैं। पहले पार्टी का समय होता था, लेकिन अब युवा खुद कहते हैं कि हम मिलकर मंदिर जाकर बाबा के दर्शन करेंगे।

मानवता के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया : दिव्य संत बाबा नीब करोरी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म 'श्री बाबा नीब करोरी महाराज' जल्द ही सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। फिल्म में उनके आध्यात्मिक जीवन, तप, चमत्कारों और मानवता के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म के प्रचार-प्रसार इससे पहले उत्तराखंड में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया है।

ये रहे मौजूद : जिसमें फिल्म का निर्माण बलबीर सिंह, बलराम गर्ग, के. एस. गौर और नीलम सिंह ने किया है, जबकि निर्देशन शरद सिंह ठाकुर ने संभाला है। कलाकारों में सुबोध भावे, हितेन तेजवानी, मिलिंद गुणाजी, राजेश शर्मा, अनिरुद्ध दवे और समीक्षा भटनागर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। निर्माताओं के अनुसार यह फिल्म केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आस्था और भक्ति का एक दिव्य अनुभव प्रस्तुत करेगी।

रेल यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे के द्वारा **रीवा–छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन** को दिनांक 23.04.2026 से रेगुलर गाड़ी में परिवर्तित कर चलाया जाएगा, जिसका विवरण निम्न है:–

गाड़ी संख्या 20154/20153 रीवा–सीएसएमटी साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस

परिचालन का दिन एवं दिनांक: गाड़ी सं. 20154 रीवा से **(प्रत्येक गुरूवार)**–दिनांक 23.04.2026 से एवं वापसी में गाड़ी सं. 20153 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस से **(प्रत्येक शुक्रवार)** दिनांक 24.04.2026 से:–

गाड़ी सं. 20154 रीवा–छत्रपति शिवाजी टर्मिनस		गाड़ी सं. 20153 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस–रीवा
आगमन–प्रस्थान	स्टेशन	आगमन–प्रस्थान
D.15.50 (Thu)	रीवा	A.09.45(Sat)
16.55-17.00	सतना	07.40-07.45
17.25-17.27	मैहर	07.03-07.05
18.05-18.10	कटनी	06.10-06.15
19.40-19.50	जबलपुर	04.55-05.05
20.48-20.50	नरसिंहपुर	03.23-03.25
21.18-21.20	गाडरवारा	02.48-02.50
21.53-21.55	पिपरिया	02.13-02.15
23.20-23.30	इटारसी	01.15-01.25
00.22-00.24	हरदा	00.03-00.05
02.02-02.05	खंडवा	22.43-22.45
04.05-04.10	भुसावल	20.15-20.20
04.35-04.37	जलगांव	19.38-19.40
06.38-06.40	मनमाड	17.53-17.55
07.42-07.45	नासिक रोड	16.58-17.00
10.57-11.00	कल्याण	14.22-14.25
11.52-11.55	दादर	13.42-13.45
A.12.20(Fri)	सीएसएमटी	D.13.30(Fri)

ठहराव: सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, जलगांव, मनमाड, नासिक रोड, कल्याण, दादर

कोच संरचना: वातानुकूलित प्रथम श्रेणी–01, वातानुकुलित द्वितीय श्रेणी–01 वातानुकुलित तृतीय श्रेणी–04, द्वितीय श्रेणी शयनयान–12 सामान्य कोच–04, एसएलआर–02

पश्चिम मध्य रेल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

FOLLOW US @wc_railway West Central Railway West Central Railway Official

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

इंसानियत की खातिर अब युद्ध से तौबा जरूरी

यदि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के भीतर कोई 'इनसान' मौजूद है, तो उसे उत्प्रेरक की भूमिका अदा करनी चाहिए और ट्रंप के मानस में इनसानियत के प्रति सोचने का एहसास पैदा करना चाहिए। ईरान युद्ध अब बिल्कुल खत्म होना चाहिए। बहुत विनाश और विध्वंस हो चुका है। बेशक ईरान सार्वजनिक तौर पर कबूल न करे, लेकिन वह कब्रिस्तान-सा हो चुका है। घोर आर्थिक संकट की स्थिति है। दूसरी तरफ अमरीकी कांग्रेस (संसद) का एक मजबूत पक्ष और अमरीका की बहुतायत जनता राष्ट्रपति ट्रंप पर युद्ध खत्म करने का चौतरफा दबाव डाल रहे हैं। ईरान का परिष्कृत यूरेनियम कब्जाने की नाकामी के कारण दुनिया को 'फिरौती' के लिए विवश नहीं किया जा सकता।

गौरतलब यह है कि बीते साल वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 3.4 फीसदी थी। ट्रंप के टैरिफवाद के बावजूद यह बढ़ोतरी साधारण थी। जनवरी में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आकलन दिया था कि 2026 में भी कमोबेश विकास-दर 3.4 फीसदी ही रहेगी। अब उसने अपना आकलन संशोधित कर कहा है कि अर्थव्यवस्था घट कर 3.1 फीसदी हो सकती है, लेकिन आईएमएफ के ही मुख्य अर्थशास्त्री का आकलन 2.5 फीसदी तक लुढ़कने का है। आखिर यह गिरावट क्यों है? क्योंकि ईरान युद्ध बुनियादी तौर पर अब भी जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग की तालाबंदी, नाकाबंदी की गई है। नतीजतन सैकड़ों देशों के तेल-गैस, खाद, अन्य उपयोगी सामानों की आवाजाही ठप है। होर्मुज बंद होने के कारण और तेल-गैस ठिकानों के, ईरानी हमलों में, क्षतिग्रस्त होने के कारण खाड़ी देशों ने उत्पादन ही कम कर दिया है। एक अनुमान है कि 50 करोड़ बैरल तेल का उत्पादन कम किया गया है, जिसकी कीमत 50 अरब डॉलर बताई जा रही है। कोई भी देश एलएनजी होर्मुज के पार नहीं भेज पा रहा है, नतीजतन उर्वरक, अल्युमीनियम, हीलियम, सल्फर आदि की घोर कमी सामने आई है। खाद 300 डॉलर प्रति टन महंगी हो गई है। तांबा और निकल (सफेद चांदी जैसी धातु) के उत्पादन भी प्रभावित हुए हैं। निकल का इस्तेमाल स्टेनलेस स्टील और सिक्के बनाने में होता है।

बहरहाल यदि जंग जारी रही, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर मात्र 2 फीसदी हो सकती है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप के भीतर दुनिया के प्रति चिंताएं और सरोकार हैं, तो उन्हें ईरान के साथ सार्थक, ईमानदाराना बातचीत करनी चाहिए। अपने प्रतिनिधिमंडल को ऐसे ही निर्देश देने चाहिए, जिससे समझौता हो सके। ट्रंप को बार-बार ईरान के सभी बिजली संयंत्र, पुल, रेल नेटवर्क को तबाह, बर्बाद करने के बयानों से बचना चाहिए। राष्ट्रपति स्तर का कोई भी व्यक्ति ऐसी भाषा नहीं बोलता। यह साम्राज्यवाद की भाषा है। ट्रंप को शेष दुनिया के विशेषज्ञ और नेतागण 'सनकी', 'मानसिक विक्षिप्त', 'बेवकूफ' मान रहे हैं, तो उसकी बुनियादी वजह यही है कि वह दुनिया को अपना 'गुलाम' बना लेना चाहते हैं। अमरीका और इजरायल ईरान के करीब 90,000 घर मिट्टी-मलबा कर चुके हैं। सैकड़ों अस्पताल और स्कूल जमींदोज कर दिए गए हैं। इजरायल का प्रधानमंत्री तो 'आदमहंता' है। न जाने विनाश और विध्वंस में उसे क्या सुकून मिलता है या कौनसी सुरक्षा निहित है! ईरान कुल 25 लाख करोड़ रुपए का नुकसान आंक रहा है, लिहाजा अमरीका समेत सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर आदि खाड़ी देशों से भी ईरान मुआवजा मांग रहा है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अनुसार युद्ध से करीब 25 लाख लोग गरीबी की चपेट में आ चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि 51 दिन के बाद अब भी युद्ध समाप्त कर दिया जाए, तो भी तेल-गैस के दाम 2030 से पहले सामान्य स्तर पर लौटना मुश्किल हैं। होर्मुज के सामान्य होने में ही तीन माह लगेंगे। वहां अब भी 128 टैंकर फंसे हैं, जिनमें 16 करोड़ बैरल तेल है। भारत के भी 13-14 जहाज, टैंकर होर्मुज में फंसे हैं। दो जहाजों पर तो गोलीबारी भी हो चुकी है। युद्ध से चौतरफा संकट पैदा हुए हैं। विश्व इतिहास का सबसे घोर ऊर्जा-संकट झेल रहा है। ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप चाहें, तो जंग खत्म हो सकती है।

प्रसंगवश

नागरिकों के लिए प्रभावी बीमा कवर जरूरी

किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व बनता है कि वो अपने नागरिकों के लिए सस्ती व प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये। दुनिया के तमाम देशों में सरकारों के स्तर पर ऐसी नीतियां बनी हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संकट आने पर उपचार खर्च के तनाव का रोग अलग से नहीं लेना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्ग आबादी का विशेष ख्याल रखा जाता है। जिस उम्र में उनका शरीर क्षीण हो रहा होता है और आय के साधन न के बराबर होते हैं, सरकारी चिकित्सा का सुरक्षा कवच बड़ा संबल होता है। विडंबना यह है कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है।

देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा

कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं।

यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है। आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया? हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। निस्संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है। वैसे चिकित्सा सेवा में मुनाफा बढ़ते देख निजी स्वास्थ्य सेवाओं का दबदबा भी बढ़ा है। हाल के वर्षों में सरकारी अस्पतालों की बदहाली के चलते ज्यादातर भारतीय निजी अस्पतालों की ओर ही रुख कर रहे हैं। लेकिन वहां सरकारी अस्पतालों से कई गुना अधिक उपचार लागत होती है। कोरोना संकट में हमने देखा कि महंगे उपचार के चलते तमाम लोग गरीबी के दलदल में चले गए। दरअसल, आज हालातवश सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं वाले अस्पतालों में भर्ती होने की हिस्सेदारी घटने के साथ ही मरीजों को अनिवार्य रूप से अधिक महंगे विकल्पों की ओर धकेला जा रहा है, जिससे बीमा सुरक्षा के लाभ कम हो रहे हैं।

आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख योजनाओं का त्रुटिपूर्ण कार्यान्वयन भी एक और बाधा बनी है। वहीं देर से मिलने वाली सरकारी चिकित्सा बीमा राशि भी मरीजों के लिए किफायती सेवाओं को बाधित कर रही है। यदि इन सरकारी योजनाओं में सूचीबद्ध अस्पताल मरीजों के उपचार से पीछे हट जाते हैं तो सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित बीमा की अवधारणा खतरे में पड़ जाती है, जिससे वंचित होने से नागरिकों का उपचार अधर में लटक जाएगा। निस्संदेह, बीमा कवरेज ही काफी नहीं है, देश को अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को भी मजबूत करना होगा। साथ ही सरकारी योजनाओं के तहत समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा। अन्यथा अस्पताल के बिल मजबूर लोगों की आय व बचत को पलीता लगाते रहेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

आपसी रिश्तों को एक नई दिशा दे सकती है ली जे म्युंग की यात्रा

'दूसरी लहर' का फायदा उठाने का समय

शिव सिद्धांत कौल

भारत के विशाल, कुशल मानव संसाधन और बड़े घरेलू बाजार को इस समय ऐसी वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओ से जुड़ने की आवश्यकता है जो किसी भी भू-राजनीतिक झटके का मजबूती से मुकाबला करने में सक्षम हों। हाल ही मे कोरिया गणराज्य के राष्ट्रपति ली जे म्युंग भारत पहुंचे। यह करीब आठ वर्षों के बाद किसी दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की पहली राजकीय यात्रा है। कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण यह यात्रा ऐसे समय में हुई, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अहम मोड़ से गुजर रही है। भारत और कोरिया, दोनों देशों के व्यावसायिक जगत को उम्मीद है कि यह यात्रा आपसी रिश्तों को एक नई दिशा देगी, जहां साझेदारी रणनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक सहयोग के मजबूत स्तंभों पर आधारित होगी।

भारत और कोरिया के रिश्ते बेहद प्राचीन हैं। मान्यता है कि 48 ईस्वी में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना समुद्र पार कर कोरिया गईं और राजा सुरो से विवाह किया, जिससे 'गाया साम्राज्य' की स्थापना हुई। आधुनिक इतिहास में भी कोरियाई युद्ध के दौरान भारत की '60वीं पैराशूट फील्ड एंबुलेंस' इकाई ने वहां तैनात होकर सैनिकों और आम नागरिकों को महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता प्रदान की थी। हालांकि, दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग की असली नींव 1990 के दशक में भारत के आर्थिक उदारीकरण के दौरान पड़ी। उस दौर में कोरियाई कंपनियों ने भारत में निवेश करने का साहसिक फैसला लिया। हुंडई मोटर, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी बड़ी कंपनियों ने न सिर्फ अपने उत्पाद भारत में बेचे, बल्कि यहां फैक्टरियां लगाकर रोजगार के अवसर भी पैदा किए। साथ ही, उपभोक्ताओं के बीच विश्वास का एक ऐसा पुल तैयार किया, जिसकी आज भी कोई बराबरी नहीं कर सकता। 2015 में इस रिश्ते को औपचारिक रूप से 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया गया। अब यह साझेदारी रक्षा, सुरक्षा और उन्नत तकनीक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैल चुकी है।

पिछले वित्त वर्ष में 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' (सीईपीए) के दम पर भारत और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुंच गया। दोनों देशों के रिश्तों की मजबूती का सबसे बड़ा संकेत यह है कि अब कोरियाई कंपनियां महज विदेशी कंपनियां नहीं रहीं, बल्कि भारतीय कॉरपोरेट ढांचे का एक अहम हिस्सा बन चुकी हैं। 2024 के अंत में हुंडई मोटर इंडिया का 3.3 अरब डॉलर का आईपीओ और फिर अक्तूबर 2025 में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की 1.4 अरब डॉलर की पब्लिक लिस्टिंग इसका साफ संकेत है कि ये कंपनियां अब अपनी आर्थिक सफलता और बाजार की उपलब्धियों में भारतीय निवेशकों को भी साझेदार बना रही हैं। अगर आर्थिक रिश्ते इस साझेदारी की 'ईंटें' हैं, तो सांस्कृतिक जुड़ाव वह 'गारा' है, जो इन ईंटों को मजबूती से जोड़ता है। आज भारत में कोरियाई संस्कृति की लहर तेजी से फैल चुकी है। कोरियाई पॉप संगीत, ड्रामा, सौंदर्य प्रसाधन और खान-पान भारतीय युवा संस्कृति में व्यापक रूप से फैल गए हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या, छात्रों का आदान-प्रदान, और सियोल में भारतीय स्टार्टअप संस्थापकों तथा भारत में कोरियाई प्रवासियों के गतिशील समुदाय लोगों के बीच ऐसा जुड़ाव पैदा कर रहे हैं, जो व्यावसायिक एकजुटता से कहीं अधिक व्यापक और गहरा होगा।

अब समय आ गया है कि हम इस साझेदारी की 'दूसरी लहर' का लाभ उठाएं। हमारे सामने अवसरों का अंबार है, लेकिन इन्हें भुनाने के लिए हमें एक आधुनिक और उन्नत कार्यप्रणाली की आवश्यकता है। अपने व्यापार की वास्तविक क्षमता को उजागर करने और भारत के संरचनात्मक व्यापार घाटे को दूर करने के लिए, हमें सबसे पहले ऐसे उन्नत सीईपीए की आवश्यकता है, जो संतुलित और न्यायसंगत व्यापार तथा निवेश को बढ़ावा दे। हमें रक्षा उत्पादन, प्रौद्योगिकी आपूर्ति शृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों और हरित ऊर्जा जैसे अहम क्षेत्रों में रणनीतिक जुड़ाव स्थापित करने होंगे।

दूसरा, भारत कोरियाई उद्योगों को अपने विनिर्माण क्षेत्रों में चल रही नई क्रांति का पूरा फायदा उठाने के लिए आमंत्रित कर सकता है। संरचनात्मक सुधारों, बेहतर नीतियों और 'विकसित भारत' के संकल्प से प्रेरित 'मेक इन इंडिया' पहल

आज ऐतिहासिक अवसर बन चुकी है। दक्षिण कोरिया की सटीक इंजीनियरिंग और हार्डवेयर में विशेषज्ञता, जब भारत के विशाल, कुशल मानव संसाधन और बड़े घरेलू बाजार से जुड़ेगी, तो ऐसी वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएं तैयार हो सकती हैं, जो किसी भी भू-राजनीतिक झटके का मजबूती से मुकाबला कर सकती हैं।

तीसरा, अब समय है कि हम ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की ताकत का भी पूरा उपयोग करें। भारत की सॉफ्टवेयर क्षमताएं व दक्षिण कोरिया की हार्डवेयर में पकड़ एक-दूसरे की पूरक हैं। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का विस्तार और एआई तकनीकों का इस्तेमाल विकास की रफ्तार को तेज कर सकता है। इससे भाषा जैसी बाधाएं भी कम होंगी, जिन्होंने अब तक, खासकर एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग को धीमा किया है। जैसे-जैसे कंपनियां इस महत्वपूर्ण सम्मिलन की तैयारी कर रही हैं, उम्मीद है कि एक उन्नत और संतुलित सीईपीए समझौता जल्द ही अंतिम रूप लेगा, जिससे 2030 तक 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य हासिल किया जा सके। यह उद्योगों की अगुवाई में एक साझा प्रौद्योगिकी और विनिर्माण कार्यबल का गठन, रक्षा, सेमीकंडक्टर, उन्नत सामग्री व ऊर्जा जैसे अहम क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को गति देगा। इसी दिशा में भारतीय उद्योग परिसंघ और उसके कोरियाई साझेदार पहले ही ऐसा मंच तैयार कर चुके हैं, जो एमएसएमई स्तर पर दोनों देशों के व्यवसायों को जोड़ने का काम कर रहा है।

दोनों देश 15 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। यह संकेत है कि किस तरह दोनों ने 20वीं सदी के उपनिवेशवाद के आघात से बचकर खुद को एशिया के मजबूत लोकतंत्रों और उभरती आर्थिक ताकतों के रूप में स्थापित किया है। 1929 में, जब कोरिया औपनिवेशिक शासन के तहत सबसे बुरे दौर से गुजर रहा था, तब गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने ये पंक्तियां लिखी थीं: 'एशिया के स्वर्णिम युग में, कोरिया इसकी मशाल थामने वालों में से एक था, और वह मशाल अब पूरब को रोशन करने के लिए एक बार फिर जलाए जाने का इंतजार कर रही है।' आज, वह मशाल पूरी दीप्ति के साथ जल रही है। अब वक्त भारत के आगे बढ़ने का है, और इस सफर में कोरिया की सफलता एक मजबूत प्रेरणा बनकर सामने आती है। दोनों देशों के 'साझेदारी 2.0' की मजबूत नींव रखने का इससे बेहतर वक्त और क्या हो सकता है। इसलिए, जरूरी है कि दोनों देश यह सुनिश्चित करें कि आने वाला 'एशियाई युग' हमारी साझा समृद्धि और अटूट मित्रता के प्रकाश से जगमगा उठे।

(लेखक कोलकाता में कोरिया गणराज्य के मानद महावाणिज्य दूत हैं)

खुला मंच

बातें तो बहुत हैं आज मगर बातचीत नहीं

शमीम शर्मा

पहले जब बात निकलती थी तो चौपाल तक जाती थी, रास्ते में दो-चार दिलों को छूती थी, किसी का दर्द हल्का करती थी, किसी की हंसी बढ़ा देती थी पर अब बात निकलते ही ग्रुप में गिरती है और वहां से सीन बॉय 72 होकर मर जाती है।

जगजीत सिंह की गाई एक ग़ज़ल है—बात निकलेगी तो दूर तलक जायेगी। पर अब बातचीत और गपबाजी तो दूर की चीज है। गपोड़संखी तो अब रहे ही नहीं। वह भी समय था जब मिलते ही कहा करते और सुना भाई। इन दिनों बातचीत ऐसी गायब है जैसे गांव से पुराना कुआं। और फिर आजकल आपस में बातें नहीं होती बल्कि सीधे फारवर्ड हो जाती हैं। पहले जब बात निकलती थी तो चौपाल तक जाती थी, रास्ते में दो-चार दिलों को छूती थी, किसी का दर्द हल्का करती थी, किसी की हंसी बढ़ा देती थी पर अब बात निकलते ही ग्रुप में गिरती है और वहां से सीन बॉय 72 होकर मर जाती है।

पहले बात में वजन होता था। कुछ बातें मन हल्का-फुल्का करतीं तो कुछ इतनी भारी कि आदमी रातभर करवट बदलता रहता था। क्या बातों का भी कोई तराजू होता है? अब तो इंसान इतना हल्का हो गया है कि उसकी बात का वजन ही खत्म हो गया है। बातों में न ठहराव रहा, न असर न जिम्मेदारी। डोनाल्ड ट्रम्प की बयानबाजी देख लो। बातें ऐसी जैसे पटाखे, तेज आवाज, बड़ा धमाका पर धुआं छंटते ही कुछ हाथ नहीं आता। एक निकट संबंधी की मौत पर हम शोक प्रकट करने गये तो उनकी पत्नी बोली- चुपचाप चले गये और कोई बात भी नहीं की। मुझे लगा कि अब तो सबने चुपचाप ही जाना है। बातचीत तो रही ही नहीं। सबके मुंह पर ताले हैं। और गांठ बांधने लायक बात यह है कि चाहे घर हो या दुनिया, बात बंद तो रिश्ते बंद।

पहले रोटी के साथ बात भी परोसी जाती थी। अब प्लेट में खाना है और साथ में मोबाइल। जैसे बिना मोबाइल के खाना हजम ही न होगा। रोटी ठंडी हो जाए तो गर्म कर ली जाती है पर रिश्ते ठंडे हो जाएं तो कौन गर्म करेगा? पहले के दिन याद करो। चार आदमी बैठते थे तो हंसी की आवाज़ गली पार सुनाई दे जाती थी। अब चार आदमी बैठें हों तो चारों के मुंह नीचे, जैसे कोई मातम चल रहा हो। एक दोस्त ने पूछा बीवी से झगड़ा खत्म हुआ क्या? दूसरा दोस्त सीना चौड़ा करते हुए बोला, हां, हो गया, वो ही घुटनों के बल चलकर आई थी मेरे पास। दोस्त ने पूछा वो क्या बोली? जवाब मिला कि पलंग के नीचे से निकल जाओ, अब नहीं मारूंगी। यही हालत ईरान-अमेरिका की बातचीत की है।

महिला आरक्षण

महिलाओं के लिए अधिक प्रतिनिधित्व और प्रभावी लोकतंत्र की दिशा में एक जरुरी कदम

महिलाओं के हाथ में होना चाहिए देश के भविष्य का नेतृत्व

डॉ. पी टी ऊषा

मैंने अपना पूरा जीवन भागदौड़ में ही बिताया है, पहले केरल की कच्ची सड़कों पर, फिर वैश्विक मंचों पर और अब सार्वजनिक जीवन के गलियारों में। हर कदम पर मुझे कई मुश्किलो का सामना करना पड़ा है, कुछ प्रत्यक्ष और कुछ अनकही बाधाओं का भी, जिन्होंने महिलाओं को यह बताया कि उनका यहाँ कोई स्थान नहीं है। मैंने यह भी देखा है कि जब ये बाधाएं टूटने लगती हैं तो क्या होता है। अवसर परिणामों को बदल देता है और इससे भी ज़रुरी बात यह है कि यह लोगों की सोच को बदल देता है।

यही कारण है कि संविधान (एक सौ अट्ठाईसवाँ संशोधन) विधेयक, 2023—नारी शक्ति वंदन अधिनियम—केवल एक विधायी उपलब्धि नहीं है। यह एक लंबे समय से प्रतीक्षित संरचनात्मक सुधार है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना न तो कोई रियायत है और न ही दिखावा। यह अधिक प्रतिनिधि और प्रभावी लोकतंत्र की दिशा में एक ज़रुरी कदम है।

खेलों ने हमें क्या सिखाया है : जब मैंने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में हिस्सा लिया और कुछ ही सेकंड के अंतर से पदक से चूक गई, तब बहुत कम भारतीय लड़कियां थीं, जो वैश्विक मंच पर खुद को देख पाती थीं। लेकिन पिछले कई दशकों में यह स्थिति बदली है। प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और पहचान तक पहुंच में सुधार के साथ, भारतीय महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता हासिल करने लगीं है। पी.वी. सिंधु, मीराबाई चानू, विनेश फोगाट और मैरी कॉम जैसी एथलीटें अकेले नहीं उभरीं। प्रतिनिधित्व आकांक्षाएं पैदा करता है और आकांक्षा, जब समर्थित होती है, तो उपलब्धि दिलाती है।

सबक साफ है। जब महिलाओं को स्थान दिया जाता है, तो वे व्यवस्था में केवल भाग नहीं लेतीं, वे शानदार प्रदर्शन भी कर दिखाती हैं।

हर भारतीय के लिए बेहतर शासन : भारत में जमीनी स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व का प्रभाव पहले ही देखा जा चुका है। 73वें संवैधानिक संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किए जाने के बाद से, विभिन्न राज्यों में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व वाले क्षेत्रों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हुआ है।

ये महज़ 'महिलाओं के मुद्दे' नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं। महिला नेता अक्सर सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, सुचारू रूप से चलने वाले स्कूल, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी शासन से जुड़ी उन रोजमर्रा की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो परिवारों और समुदायों को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं।

प्रतिनिधित्व का आर्थिक महत्व : भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी विश्व में सबसे कम है, जो लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है। यह केवल एक सामाजिक चिंता नहीं, बल्कि एक आर्थिक समस्या भी है। विधानसभाओं में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व उन नीतियों को प्राथमिकता देने में मदद कर सकता है, जो इस अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करती हैं, जैसे किफायती बाल देखभाल, सुरक्षित कार्यस्थल, ऋण तक पहुंच और महिला उद्यमियों के लिए समर्थन। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने से भारत की जीडीपी में 700 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है।

सुरक्षा, गरिमा और भागीदारी : भारत भर में लाखों महिलाओं के लिए, सार्वजनिक जीवन में भागीदारी अभी भी सुरक्षा, भेदभाव और असमान पहुंच की चिंताओं से प्रभावित है। चाहे खेल हो, शिक्षा हो या कार्यस्थल, ये समस्याएं हमारे समाज में गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं।

संसद में अधिक महिलाओं का मतलब है कि कानून और नीतियां महज़ समझ से नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन की हकीकत से आकार लेती हैं। इसका मतलब है प्रवर्तन के लिए मजबूत वकालत, सहायता प्रणालियों के लिए संसाधनों का बेहतर आवंटन और एक न्याय ढांचा, जो उत्तरदायी और सुलभ हो। शासन तभी अधिक प्रभावी होता है, जब वह उन लोगों के अनुभवों को दर्शाता है, जिनकी वह सेवा करता है।

प्रतिनिधित्व और आकांक्षाओं की शक्ति : भारत में सत्ता की छवि लंबे समय से मुख्य रूप से पुरुष प्रधान रही है। उस छवि को बदलना केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह एक बदलावकारी प्रक्रिया है। जब मणिपुर, झारखंड, राजस्थान या भारत के किसी भी हिस्से की कोई युवती अपने जैसी दिखने वाली, अपने जैसी बोलने वाली और समान पृष्ठभूमि से आने वाली किसी महिला को देश के कानूनों को आकार देते हुए देखती है, तो यह सिर्फ प्रेरणा ही नहीं देता, बल्कि यह संभावनाओं के प्रति उसके विश्वास को भी बदल देती है। आकांक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का आधार है। विधानसभाओं में आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि अवसरों का दायरा बढ़ता है।

अब है कार्यवाही का वक्त : राज्यसभा में सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त करने के बाद, मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि कैसे विविध दृष्टिकोण बहस और निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाते हैं। फिर भी, आज लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल लगभग 15 प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो चुका है। अब बस इसे पूरी तरह, निष्ठापूर्वक और बिना देर किए लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की ज़रुरत है।राजनीति भारत अपनी आधी आबादी को सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकायों में कम प्रतिनिधित्व देते हुए, विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा नहीं रख सकता। आधी प्रतिभा को दरकिनार करके विकसित भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता, न ही आधी आवाज़ पर सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है। आगे का रास्ता साफ है। सवाल यह है कि क्या हम उस पर चलने का दृढ़ संकल्प रखते हैं।

(लेखक राज्यसभा सांसद, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और राष्ट्रमंडल खेल संघ, भारत की अध्यक्ष हैं।)

जीवन दर्शन

खुद से ही शुरू होती है सत्य की खोज

सत्य को खुद अनुभव करना पड़ता है। अनुभव मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान की ओर, बंधन से मुक्ति की ओर तथा सीमितता से अनंतता की ओर ले जाता है। समस्त ज्ञान और शक्ति हमारे भीतर ही निहित है, किंतु मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यह है कि वह अपने भीतर छिपी इस अनंत शक्ति पर विश्वास नहीं करता। जब व्यक्ति यह कहने का साहस करता है कि वह शक्तिशाली है, तभी आत्मविश्वास का उदय होता है। जब यह विश्वास जागृत होता है, तब मनुष्य यह समझने लगता है कि उसका मन ही उसके बंधन और मुक्ति, दोनों का कारण है। मन, जो अस्थिर प्रतीत होता है, वास्तव में एक व्यापक और सार्वभौमिक चेतना का अंश है। इस सत्य का बोध होते ही साधक के भीतर यह प्रेरणा जन्म लेती है कि वह मन को नियंत्रित करे,क्योंकि यही नियंत्रण जीवन को दिशा देने की वास्तविक कुंजी है। इस प्रक्रिया में एकाग्रता का महत्वपूर्ण स्थान है। जब मनुष्य विचारों को एक बिंदु पर केंद्रित करना सीख जाता है, तब वह एकाग्रता की राह पर अग्रसर होने लगता है।

एकाग्रता ही वह शक्ति है, जो बाहरी संसार के रहस्यों को समझने के साथ-साथ आंतरिक सत्य से भी पर्दा उठाती है। किंतु, यह एकाग्रता तभी संभव है, जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं और विकारों पर विजय प्राप्त कर सके। इच्छाएं असीमित होती हैं, और जब वे पूरी नहीं होतीं, तो दुख का कारण भी बनती हैं। इसलिए, जरूरी है कि इन्सान इच्छाओं के इस अंतहीन चक्र से ऊपर उठकर अपने भीतर स्थिरता व संतुलन का विकास करे, क्योंकि यही उसे वास्तविक शांति प्रदान करती है। जब व्यक्ति अपने ज्ञान को व्यवहार में उतारता है, तभी वह उसे अनुभव कर पाता है, और यही अनुभव उसके आत्मविश्वास को दृढ़ बनाता है। जीवन के विभिन्न स्तरों पर संयम, संतुलन और सजगता अपनाते हुए मनुष्य धीरे-धीरे अपने भीतर के विकारों को शांत करता है और आत्मिक जागरण की ओर अग्रसर होता है। यह यात्रा बाहरी नियंत्रण से शुरू होकर अंततः आंतरिक शांति और एकाग्रता की अवस्था तक पहुंचती है, जहां मन पूर्णतः स्थिर हो जाता है। जब मनुष्य इस स्थिति को प्राप्त करता है, तब उसे यह अनुभव होने लगता है कि उसके भीतर एक दिव्य शक्ति विद्यमान है। यह दिव्यता कोई बाहरी वस्तु नहीं, बल्कि उसकी अपनी ही चेतना का उच्चतम स्वरूप है। अंततः यह स्पष्ट हो जाता है कि सत्य किसी बाहरी स्रोत में सीमित नहीं है। उसे न तो केवल पुस्तकों में पाया जा सकता है और न ही केवल विचारों में, बल्कि उसे स्वयं अनुभव करना पड़ता है। यही अनुभव मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान की ओर, बंधन से मुक्ति की ओर और सीमितता से अनंतता की ओर ले जाता है।

इस प्रकार इन्सान एकाग्रता और अभ्यास के माध्यम से अगर ?अपनी चेतना को जागृत करे, और निरंतर आत्म-अनुशासन बनाए रखे, तो वह न केवल अपने जीवन को रूपांतरित कर सकता है, बल्कि उस परम सत्य का साक्षात्कार भी कर सकता है, जो उसके अस्तित्व का वास्तविक आधार है। इच्छाओं और विकारों से ऊपर उठकर संतुलन व स्थिरता विकसित करना ही प्रगति का मार्ग है। अनुभव से प्राप्त ज्ञान आत्मविश्वास को दृढ़ बनाता है और हमें आत्मिक जागरण की ओर ले जाता है। जो अपने भीतर की दिव्यता को पहचान लेता है, वही अज्ञान से ज्ञान और बंधन से मुक्ति की ओर अग्रसर होता है।

स्वामी विवेकानंद

॥ गीता ज्ञान ॥

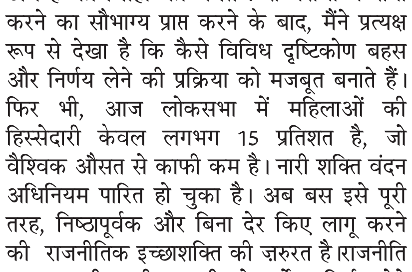

श्लोक

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम् !
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् !!

भावार्थ

यह मेरा है और यह तेरा है, ऐसी सोच छोटे विचारो वाले लोगो की होती है. इसके विपरीत उदार रहने वाले व्यक्ति के लिए यह पूरी धरती एक परिवार की तरह होता है।

प्रस्ताव बनने के सालभर बाद भी नाले की मरम्मत नहीं, लोगों में आक्रोश

अतिक्रमण के कारण सफाई हो रही प्रभावित आसपास के रहवासी परेशान

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। अगर किसी शहर की महापौर किसी अधिकारी को निर्देशित करे, तो आम जनता यह मानती है, कि उस पर शत-प्रतिशत अमल होगा ही, लेकिन इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि नगर निगम के अधिकारी इतने लापरवाह हैं कि महापौर के निर्देशों का पालन भी नहीं करते। चाहे अतिक्रमण अधिकारी को लाइन खींचकर लगातार 15 दिन तक मानीटरिंग करने ताकि कारोबारी दुकानों के बाहर सामान फैलाकर न रखने पाएं, जिससे आम जनता परेशान होती हो, निर्देश देने का मामला हो या नालों की मरम्मत का। अतिक्रमण अधिकारी ने सालभर पूर्व महापौर द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन दूसरे दिन ही नहीं किया, इसी तरह नाले की मरम्मत का प्रस्ताव तो बना परंतु सालभर बाद भी मरम्मत नहीं हो पाई है। महापौर मालती राय ने एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी एवं स्वच्छता प्रभारी तथा गणमान्य नागरिकों के साथ साधु वासवानी स्कूल से प्रेम रामचंदानी मार्ग, पुलिस चौकी के सामने एफ वार्ड से होता हुआ जैन धर्मशाला के नीचे से गुजरते हुए तालाब में जाने वाले गंदे पानी के नाले की न केवल नियमित रूप से सफाई करने बल्कि उसकी मरम्मत किए जाने के भी यांत्रिकी शाखा के सहायक यंत्री को निर्देश दिए थे।

पार्षद नहीं दे रहे ध्यान: हालांकि नाले के अतिक्रमण से शिकार, उसकी जर्जर हालत एवं पुलिया के घंसकर नाले में गिरने की जानकारी वार्ड 4 के कांग्रेसी पार्षद एवं वार्ड 5 के भाजपा पार्षद व एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी को दी जा चुकी है, लेकिन सालभर पूर्व नाले के निरीक्षण के दौरान खुद राजेश हिंगोरानी महापौर के साथ थे, उसके बाद भी मरम्मत काम नहीं होने से नहीं लगता कि नाले की तस्वीर या तकदीर बदल पाएगी।

बरसात में होगी परेशानी: मानसून में अभी लगभग दो माह का समय है, ऐसा माना जाता है कि 15 से 20 जून तक मानसून दस्तक दे देता है, अगर इससे पहले नाले की मरम्मत एवं घंस चुकी पुलिया का निर्माण नहीं किया गया तो आने वाले मानसून में यह नाला इसके आस पास निवास करने वालों के लिए मुसीबत पैदा करेगा।

जर्जर हो गया नाला

वर्तमान में नाला अत्यंत ही दयनीय स्थिति में है। इस नाले के आस पास वार्ड 4 एवं 5 की लगभग 40 हजार आबादी निवास करती है। समय के साथ नाला अतिक्रमण का शिकार होता गया, जिसे अतिक्रमणकारियों से बचाने का नगर निगम ने कोई प्रयास नहीं किया। अतिक्रमण होने पर नगर निगम के कर्मचारी व अधिकारी आते, अपनी जेबें भरते और चले जाते फलस्वरूप आज 80 फीसदी नाला अतिक्रमण का शिकार हो गया है लेकिन जो 20 प्रतिशत नाला बचा है, उसकी नियमित रूप से सफाई होती है। दूसरे नाला जहां-जहां से खुला हुआ है, वह पूरी तरह से जर्जर हो चुका है उसके पत्थर नाले में गिर गए हैं, जिससे पानी निकासी अवरुद्ध हो रही है। शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल के सामने नाले पर बने क्रास (पुलिया) भीतर से घंस गई है, ऐसे में कचरा आस पास ही नाले में अटका हुआ है जबकि तक क्रास को तोड़कर फिर से नहीं बनाया जाता तब तक सफाई होना संभव नहीं है।

1977 में बना नाला

संत हिरदाराम नगर का सबसे लंबा डेढ़ किलो मीटर नाले का निर्माण जब लक्ष्मीनारायण शर्मा यहां के विधायक थे, और वर्ष 1977 में पहली बार मंत्री बने तब उनके प्रयासों से साधु वासवानी स्कूल से इस नाले का निर्माण करवाया गया था, इससे पूर्व प्रेम रामचंदानी मार्ग, एफ वार्ड रोड के आस पास निवास करने वाले नागरिकों के घरों में बरसात का पानी घुस जाता था, परंतु नाले के निर्माण के बाद घरों में पानी घुसना बंद हो गया, लेकिन 1977 के बाद फिर कभी नगर निगम ने मुड़कर इस नाले की तरफ नहीं देखा।

महंत स्वामी तुलसीदास महाराज की अनूठी पहल

नव विवाहित जोड़े को लिफाफा नहीं रामचरित मानस का उपहार

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। नव विवाहित जोड़े को स्टेज पर अक्सर अतिथि अपनी हैसियत अनुसार नोट डालकर लिफाफा या अन्य कोई प्रजेंट देकर आशीर्वाद लेते एवं फोटो खिंचवाते हैं और आज कल खासतौर पर नेता लोग अक्सर इस फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल करते हैं, लेकिन अभा सिंधी साधु समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं गंगाधाम आश्रम के गद्दीनशीन महंत स्वामी तुलसीदास महाराज ने नव विवाहित जोड़े को लिफाफा नहीं बल्कि श्री रामचरित मानस उपहार के रूप में भेंट करने की नई परंपरा प्रारंभ की है। इस विचार के पीछे उनका उद्देश्य क्या है इस बावत इस प्रतिनिधि को उन्होंने बताया कि लोग तरह-तरह के उपहार देते हैं लेकिन एक संत तो वही उपहार देगा, जिससे नवविवाहित जोड़े को वैवाहिक जीवन में सुख शांति एवं प्रेम स्थापित हो। महंत स्वामी तुलसीदास महाराज का कहना है कि रामचरित मानस पारिवारिक आदर्श को स्थापित करने का ग्रंथ है। नव विवाहित वर-वधु इसका पाठ करेंगे तो निश्चित ही उनमें भारतीय संस्कार सुदृढ़ होंगे, साथ ही उनकी आने वाली संतान भी संस्कारी होगी तथा सनातन धर्म से जुड़ी रहेगी।

सनातनी धर्म की शिक्षा

महंत स्वामी तुलसीदास महाराज का कहना है कि जहां युवाओं का रुझान अन्य गैर सनातनी धर्मों की ओर देखा जा रहा है, ऐसे में आवश्यक है कि उन्हें हमारे सनातन धर्म की शिक्षा दी जाए। उसके लिए श्री रामचरित मानस एवं भगवद् गीता उपहार में देकर युवक-युवतियों को अपने सनातन धर्म की मूल शिक्षा से जोड़ा जा सकता है। महंत ने कहा कि पहले भी सनातन धर्म चिर नूतन था आगे भविष्य में भी सनातन का परचम फहराएगा, हमें अपने सनातन सदग्रंथों का पठन-पाठन एवं आदर करना चाहिए। जो पारिवारिक क्लेश, वैमनस्य और मन-मुटाव बढ़ रहा है इसका कारण यही है कि हिंदू समाज अपने सनातन ग्रंथों से एवं अपने संतों से दूर होकर पंथों में भटक गया है, अतः संबंधों में स्थाई शांति, प्रेम एवं सुंदर, सशक्त परिवार स्थापित करने के लिए सनातन धर्म ग्रंथ एवं सनातन संतों की शरण में आना होगा।

गेहूं तुलाई में आ रही समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

जागरण, औबेदुल्लागंज। गेहूं तुलाई में लगातार आ रही समस्याओं को लेकर बुधवार को कांग्रेस नेता परेश नागर के नेतृत्व में दर्जनों किसानों ने एसडीएम के नाम गौहरगंज तहसील मुख्यालय पर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों की मांग है कि स्लॉट बुकिंग सुचारू रूप से की जाए। सेटेलाइट सर्वे में जिन किसान साथियों का पंजीयन गलत कर दिया है, उसको जल्द सुधारा जाए। एक एकड़ पर 13 क्विंटल गेहूं के आसपास तौला जा रहा है, उसे बढ़ाकर 18 क्विंटल किया जाए। ज्ञापन में बताया कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द निराकरण नहीं होता है तो समस्त किसान साथियों द्वारा जल्द चक्काजाम कर आंदोलन किया जाएगा।

नारायणा अस्पताल बैंगलुरु के सहयोग से होगा अल्पकालिक प्रशिक्षण

समय पूर्व जन्में शिशुओं की रेटिना जांच सुदढ़ हो: छतलानी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में समय से पूर्व जन्में शिशुओं के रेटिना की जांच और उपचार प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए बैंगलुरू के एक व्यवसाई और उद्योगपति मनोहर छतलानी ने सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की है। वे विगत् आठ वर्षों से सेवा सदन को इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए मदद दे रहे हैं। मनोहर छतलानी बाल हृदय रोगियों के साथ ही समय पूर्व जन्में शिशुओं के रेटिना की जांच और उपचार कराने के कार्यों में एनजीओ व अस्पतालों को सहयोग करते हैं। मनोहर छतलानी अपने भोपाल प्रवास के दौरान सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित अस्पताल का अवलोकन भी किया।

7200 शिशुओं की जांच: इस अवसर पर मनोहर छतलानी को

बताया कि विगत् पांच वर्ष में अस्पताल में 7200 शिशुओं की आंखों की जांच की गई है इनमें से 180 शिशुओं की आंखों का लेजर प्रणाली से उपचार किया गया, लेकिन निर्धन परिवार के शिशुओं के अभिभावकों को इलाज का खर्च वहन करने में कठिनाई होती है। अस्पताल निदेशक कुषल धर्मानी ने बताया कि सरकारी अस्पतालों और प्रायवेट एनजीओ अस्पतालों में तैनात ऑप्टोमेट्रिस्ट की दक्षता वृद्धि के लिए रेटिना जांच के अल्पकालिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। मनोहर छतलानी ने कहा कि इस कार्य के लिए वे सेवा सदन के वरिष्ठ ऑप्टोमेट्रिस्ट को नारायणा नेत्रालय, बैंगलुरू के विशेषज्ञों से ट्रेनिंग दिलवा सकते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे सेवा सदन द्वारा आरओपी स्क्रीनिंग कार्यों के प्रभावी अमल पर होने वाले व्यय की आंशिक प्रतिपूर्ति कर सकते हैं।

एलन के कबीर छिल्लर को ऑल इंडिया रैंक-1

टॉप-10 में 4 स्थानों पर क्लासरूम स्टूडेंट रहे

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने बताया कि अभी तक देखे गए परिणामों में एलन क्लासरूम स्टूडेंट कबीर छिल्लर ने ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की है। इसके साथ ही टॉप-10 में 4 स्थानों पर एलन क्लासरूम स्टूडेंट रहे हैं। इनमें अर्णव गौतम रैंक-5, शुभम कुमार रैंक-6 और ऋषि प्रेमनाथ ने आल इंडिया रैंक-8 प्राप्त की है। टॉप-20 में 9 स्टूडेंट्स एलन क्लासरूम से तथा टॉप-100 में 42 स्टूडेंट्स एलन से शामिल हैं। इसके साथ ही 21 स्टेट टॉपर्स एलन से हैं। उन्होंने कहा कि रिजल्ट्स की ऑथेंटिसिटी एवं पारदर्शिता को बरकरार रखते हुए एलन ने अपने रिजल्ट्स को देश की बड़ी ऑडिट फर्म ई-वाई इंडिया से वैलिडेट करवाया है। पिछले दो वर्षों के रिजल्ट्स में आईआईटी में प्रवेश लेने वाला हर चौथा स्टूडेंट एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट से है। जेईई मेन व एडवांस्ड में एलन क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। जेईई मेन व एडवांस्ड के रिजल्ट्स में पिछले दो वर्षों से लगातार एलन से आल इंडिया रैंक-1 के साथ टॉप-100 और ओवरआल बड़ी संख्या में स्ट ूडेंट्स क्वालीफाई कर रहे हैं।

SUDOKU 14

		3			2	9		8
	1		5		6			
2	4		8					7
					5			2
	2	6	9		7	1	8	
		8	3					6
5		2		3			6	
	8							3
4				6		5		9

SOLUTIONS 13

8	5	1	7	3	9	2	6	4
3	4	2	8	5	6	1	7	9
6	7	9	4	1	2	5	8	3
1	2	8	3	4	7	9	5	6
9	6	7	5	2	1	4	3	8
4	3	5	6	9	8	7	2	1
7	8	4	9	6	5	3	1	2
2	9	6	1	7	3	8	4	5
5	1	3	2	8	4	6	9	7

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बेहद खास है। आपको कोई जिम्मेदारी भरा पद मिल सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याएं सुलझने के संकेत हैं। उन्नति की राह पर तेजी से आगे बढ़ेंगे।

वृषभ : नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बेहद खास है। आपको कोई जिम्मेदारी भरा पद मिल सकता है, जिससे आपकी पहचान और बढ़ेगी।

मिथुन : आज का दिन थोड़ा संतुलन मांगता है। नए संपर्क लाभ देंगे, लेकिन सेहत में उतार-चढ़ाव आपको परेशान कर सकता है।

कर्क : आज बेवजह का तनाव छोड़कर सुकून की राह अपनाएं। आपका झुकाव आध्यात्म की ओर रहेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। घर-परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

सिंह : आज मेहनत आपका सबसे बड़ा हथियार बनेगी। बिजनेस में किए गए बदलाव आपके लिए लाभकारी साबित होंगे। विदेश यात्रा की योजना बन सकती है। प्रेम संबंधों में गहराई आएगी।

कन्या : आज करियर में सफलता आपका इंतजार कर रही है। जिस काम में हाथ डालेंगे, सफलता मिलेगी। व्यापार में आर्थिक उन्नति योग हैं।

तुला : आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने वाली है। नए निवेश के अवसर मिलेंगे और बिजनेस में पार्टनरशिप भी फायदेमंद रहेगी। प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक : आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। करियर में नए अवसर सामने आएंगे। कोर्ट-कचहरी के मामलों में भागदौड़ रहेगी, लेकिन धीरे-धीरे रास्ता साफ होगा।

धनु : आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। इस ऊर्जा को सही दिशा में लगाकर आप बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

मकर : आज प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में सफलता के योग हैं। भागदौड़ जरूर रहेगी, लेकिन उसका फल भी मिलेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए नई शुरुआत का संकेत दे रहा है। आप अपनी योजनाओं को पूरा करने में जुटे रहेंगे और सफलता भी मिलेगी।

मीन : आज का दिन मिला-जुला रहेगा, लेकिन सीख देने वाला होगा। कुछ कामों में रुकावट आ सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। बिजनेस में पार्टनर से अच्छी खबर मिल सकती है।

आज का पंचांग: 23 अप्रैल गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण में। **पर्व एवं त्योहार :** श्री गंगा सप्तमी (मां गंगा प्राकट्य महोत्सव)। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु वैशाख मास शुक्ल पक्ष की सप्तमी 20 घंटे 50 मिनट तक तत्पश्चात अष्टमी, पुनर्वसु नक्षत्र 20 घंटे 58 मिनट तक तत्पश्चात पुष्य नक्षत्र, सुकर्मा योग 06 घंटे 08 मिनट तक तत्पश्चात धृति योग, मिथुन में चंद्रमा 15 घंटे 14 मिनट तक तत्पश्चात कर्क में

जनगणना प्रक्रिया को लेकर नप कार्यालय में बैठक

जागरण, औबेदुल्लागंज। नगर परिषद कार्यालय में एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव के निर्देशन में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के पूर्व स्व-गणना को लेकर बैठक हुई। बैठक में नपाध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे, उपाध्यक्ष नमिता बागेश अग्रवाल एवं सीएमओ व प्रभारी जनगणना अधिकारी किरण रहांगडाले, उपयंत्री मुकेश कुमार जैन द्वारा स्व-गणना किस प्रकार की जाती है, उसके प्रत्येक चरण का वर्णन किया। इस मौके पर राजेश खटीक, सुजीत यादव, सुनील सेरिया, मनोज चौरसिया मौजूद रहे। जनगणना के पूर्व ही नागरिकों द्वारा अपनी जानकारी ऑनलाइन वेबसाइट se.census.gov.in के जरिए पांच चरणों में पूर्ण की जा सकती है।

सतलापुर हत्याकांड

मामूली रंजिश ने ली जान, कुछ ही घंटों में आरोपी गिरफ्तार

जागरण, मंडीदीप। नगर के सतलापुर इलाके में मंगलवार रात हुई एक दिल दहला देने वाली हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। मामा-भांजे ढाबे के पीछे स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास एक युवक पर चाकू से कई वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद इलाके में भय का माहौल बन गया, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज कुछ घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया। 21 अप्रैल की रात करीब साढ़े 9 बजे झगड़े की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। भागवत सिंह चौहान के किराए के कमरे में सुमित कुशवाह गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला, उसके शरीर पर गहरे जख्म थे और वह खून से लथपथ पड़ा था। पुलिस ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच के दौरान सामने आया कि हत्या के पीछे कोई बड़ी साजिश नहीं, बल्कि आपसी रंजिश मुख्य कारण थी। एसडीओपी औबेदुल्लागंज शीला सुराणा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीमों का गठन कर जांच तेज कर दी। चश्मदीदों के बयान, तकनीकी साक्ष्य और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने तेजी से आरोपी तक पहुंच बनाई। कुछ ही घंटों में आरोपी मुकेश कुमार गौड़ (33) को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि मृतक उसे लगातार चिढ़ाता था, जिससे आक्रोशित होकर उसने सबक सिखाने के इरादे से चाकू से हमला किया। इस दौरान बीच-बचाव करने आए एक व्यक्ति और मृतक की मां भी घायल हो गईं। इस कार्रवाई में निरीक्षक रंजीत सराठे, भरत प्रताप सिंह, तेजपाल सिंह, विनोद परमार तथा उपनिरीक्षक प्रेमलाल कुडापे सहित मंडीदीप, औबेदुल्लागंज, नूरगंज, गौहरगंज और सतलापुर पुलिस की संयुक्त टीम ने अहम भूमिका निभाई। आरोपी के खिलाफ बीएनएस की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायालय गौहरगंज में पेश किया गया है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं धीरज कुमार झा निवासी एमजीएच कॉलोनी, इंदिरा नगर कॉलोनी बैरागढ़ भोपाल (मध्य प्रदेश) घोषणा करता हूं कि मेरी पुत्री तनीशा झा की 10वीं की अंक सूची में पिता का नाम धीरज झा व स्पेलिंग (DHEERAJ JHA) अंकित है जो कि मेरा पूर्व का नाम है अब मेरा नाम बदलकर पूरा एवं सही नाम व स्पेलिंग धीरज कुमार झा (DHIRAJ KUMAR JHA) हो गया है अब मेरी पुत्री को तनीशा झा पुत्री धीरज कुमार झा (TANISHA JHA D/O DHIRAJ KUMAR JHA) से जाना व पहचाना जाए।

क्षेत्रीय कार्यालय, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल

लोक सुनवाई के संबंध में आम सूचना

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के तहत् सर्व संबंधितों को सूचित किया जाता है मेसर्स रिलायबल कंसट्रक्शन प्रो. श्रीमती शिबा सलीम चांदबड़ कदीम स्टोन क्वारी माईनिंग ऑफ मिनरल्स 4.00 हेक्टेयर (क्षमता 20,000 क्यूबिक मीटर) खसरा नं. 364 ग्राम चांदबड़ कदीम तहसील बैरसिया जिला भोपाल में प्रस्तावित स्टोन क्वारी की स्थापना हेतु पर्यावरण स्वीकृति संबंध में लोक सुनवाई हेतु आवेदन किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं कार्यपालक-सार का अवलोकन कार्यालय कलेक्टर भोपाल, कार्यालय जिला पंचायत भोपाल, ग्राम चांदवड कदीम, तहसील बैरसिया जिला भोपाल, कार्यालय महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र भोपाल, कार्यालय जनपद जिला भोपाल, क्षेत्रीय कार्यालय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक-3, राजयोग भवन के पास, ई-5, अरेरा कालोनी भोपाल मुख्यालय / क्षेत्रीय कार्यालय मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर्यावरण परिसर, भोपाल में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है। उक्त परियोजना के कार्यपालक - सार की जानकारी मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के बेवसाइट www.mppcb.mp.gov.in पर भी उपलब्ध है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त परियोजना के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव विचार, टीका टिप्पणी अथवा आपत्ति प्रस्तुत करना हो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अंदर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों (Concerned Regulatory Authority) / क्षेत्रीय अधिकारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल, के कार्यालय में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। उक्त परियोजना के संबंध में लोक सुनवाई दिनांक 28.05.2026 दिन गुरूवार को 12:00 बजे से परियोजना स्थल ग्राम चांदबड़ कदीम तहसील बैरसिया जिला भोपाल में आयोजित की गई है, जिसमें भी सुझाव विचार, टीका टिप्पणी अथवा आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी
म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल

नाम परिवर्तन सूचना

मैं श्रीमति रेखा दांगी पत्नि दिनेश दांगी निवासी 52 दांगी मोहल्ला ग्राम पानबिहार तहसील श्यामपुर जिला सीहोर म.प्र. मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम **नर्बदीबाई** है जो कि गलत है। जबकि मेरा सही नाम मेरी अंकसूची मे **रेखा दांगी** दर्ज है। मैं **रेखा दांगी** के नाम से जानी-पहचानी जाती हूं जो कि सही है। अत: प्रकाशन के उपरांत मुझे **रेखा दांगी** के नाम से जाना पहचाना एवं लिखा-पढ़ा दर्ज किया जावे।

पुराना नाम :-(नर्बदीबाई)
नया नाम :- (रेखा दांगी)

श्रीमति रेखा दांगी पत्नि दिनेश
निवासी 52 दांगी मोहल्ला ग्राम पानबिहार तहसील श्यामपुर जिला सीहोर म.प्र.

आम सूचना

भूखण्ड क्रं. - 528, सेक्टर- ई, एयरोसिटी चरण- 1, ग्राम गोंदरमउ, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के संबंध में :-

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि श्री हरेन्द्र नाथ तिवारी पुत्र श्री त्रिगुना तिवारी, वयस्क, निवासी- बी- 113, आकृति गार्डन, अपोसिट आई. आई. एफ. एम., नेहरू नगर, भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता भूखण्ड क्रं. - 528, सेक्टर-ई जो कि भो.वि.प्रा. की नगर विकास स्कीम ग्राम नरसिंहगढ़ रोड से बढ़वई पहुंच मार्ग 'एयरोसिटी चरण- 1, ग्राम गोंदरमउ, तहसील हुजूर, जिला भोपाल नगर निगम सीमाओं के अंदर वार्ड क्रं. - 01 में स्थित हैं, उक्त भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 9.00×15.00 = 135 वर्गमीटर अर्थात् 1452.60 वर्गफिट हैं, जिसे क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार नें बयाना राशि अदा कर सौदा पक्का किया है, उक्त संपत्ति पर यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, समिति, बैंक, वित्तीय संस्थान, शासकीय / अशासकीय विभाग का हित व अधिकार, गिरवी या बंधक हो तो वह इस प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे उल्लेखित पते पर अपनी आपत्ति दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ स्वयं या अपने अभिभाषक के साथ प्रस्तुत करें अन्यथा मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष में करवाने हेतु स्वतंत्र रहेगा व समयावधि पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी, इति ।

भवदीय **सुनील कुमार जैन,** अधिवक्ता
कार्यालय- 'आर. के. जैन लॉ चेम्बर' 67, आदर्श हॉस्पिटल के पास, थाना रोड, शाहजहॉनाबाद, भोपाल
मो. 9131859720

कार्यालय ग्राम पंचायत कालापानी जनपद पंचायत फंदा भोपाल

क्र. 267/पंचा./26 **विज्ञप्ति** दिनांक 16/04/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कालापानी हाट बाजार वर्ष 2026 के लिये नीलाम द्वारा ठेके पर दिया जाना है। इच्छुक व्यक्ति दिनांक 08.05.2026 दिन शुक्रवार को आयोजित नीलामी में निम्न शर्तों पर भाग ले सकते हैं।

1. हाट बाजार की आपसेट प्राईज रूपये 100000/- नियत की गई है।
2. नियत आपसेट से बोली प्रति स्पर्धा हेतु प्रारंभ कराई जावेगी।
3. बोली में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को आपसेट मूल्य की 5 प्रतिशत निक्षेप राशि 5000/- नगद जमा कराना अनिवार्य होगा।
4. प्रतिस्पर्धा में अंतिम बोली स्वीकृत होने पर स्वीकृत बोली की 25 प्रतिशत राशि तत्काल मौके पर ही जमा कराना होगी अन्यथा की दशा में 5 प्रतिशत जमा निक्षेप समपहृत हो जावेगी तथा पुन: बोली प्रारम्भ कराई जावेगी।
5. स्वीकृत बोली की शेष राशि 30 दिवस के भीतर जमा कराकर ठेका अनुबंध निष्पादित करा कर बाजार का अधिपत्य लेना होगा अन्यथा की दशा में जमा 5 प्रतिशत निक्षेप तथा 25 प्रतिशत की राशियां समपहृत कर बाजार की पुन: नीलामी कार्यवाही की जावेगी।

सरपंच/ सचिव
ग्राम पंचायत कालापानी
जनपद पंचायत फन्दा भोपाल

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार सुश्री पवित्रा गुप्ता ने मेसर्स एजी8 वेंचर्स लिमिटेड द्वारा विकसित कालोनी आकृति हाईलैंड, स्थित खसरा क्र. 346/1, 348, 365/1/2, 369, 379, 358, 378/1, 378/2, 368/1, 378/1, 378/2, 368/1, 363/2, 363/3, 353, 355, 352, 350/, 359, 369/2, 361, 362/1/1 के अंश भाग पर ग्राम फंदा कलां सीहोर रोड भोपाल (म.प्र.) में कुल 7 आवासीय भूखंड खरीदे हैं जिनका क्र. बी-90, बी-91, बी-92, बी-93, बी-94, बी-95, बी-96 है। उक्त क्रय किये गए भूखंड के एवज में मेरे पक्षकार ने उपरोक्त विक्रेता को समस्त भुगतान कर अपने नाम से विक्रय पत्र उप पंजीयक कार्यालय भोपाल में निष्पादित करवा लिया है एवं राजस्व रिकार्ड में भी अपना नाम नामांतरण के माध्यम से समायोजित कर लिया है। उक्त सभी आवासीय भूखंडों पर मेरे पक्षकार का वर्तमान समय में कब्जा दखल स्थापित है। इस सूचना पत्र के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त वर्णित सम्पत्ति की खरीद बिक्री, गिरवी, लीज, ऋण आदि के संबंध में कोई भी संव्यवहार न किया जाये। यदि कोई भी व्यक्ति/संस्था ऐसा करता है तो वह विधि विरूद्ध मानी जायेगी।

भवदीय **(आशुतोष कुमार)** अधिवक्ता
4, सिमरन अपार्टमेंट, त्रिलंगा,
भोपाल (म. प्र.) - 462039
(मो.) 9425018571

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
जोन क्रमांक -01

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल संपत्ति अंतरण नियम 2016 एवं संशोधन नियम 04.05.2021 के प्रावधानो अंतर्गत निम्न विवरण अनुसार नामांतरण आवेदन प्रचलन में है। जिसका विवरण अनुसार है-

क्रमांक	वार्ड क्र./ जोन क्र.	संपत्ति का विवरण/ पता	आवंटी का नाम	नामांतरण का आधार	नामांतरण हेतु प्रस्तावित आवंटी का नाम	नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
01	05/01	पता- दुकान बैरागढ़ मुख्य मार्ग, फायर स्टेशन के पास, बैरागढ़ आकार 10 गुणा 16 कुल 160 वर्गफीट	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल पिता लक्ष्मीनारायण अग्रवाल एवं चंद्रप्रकाश अग्रवाल पिता लक्ष्मी नारायण अग्रवाल	मृतक सह आवंटी श्री चंद्रप्रकाश अग्रवाल पिता लक्ष्मी नारायण के अंश के लिए उनके समस्त वैधानिक उत्तराधिकारी के पक्ष में फौती नामांतरण	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल पिता लक्ष्मीनारायण (50 प्रतिशत अंश) एवं श्री मनीष गोयल, श्रीमती अनीता अग्रवाल एवं श्रीमती सुनीता अग्रवाल तीनों पिता स्व. श्री चंद्रप्रकाश अग्रवाल (सभी तीनो उत्तराधिकारी के पक्ष में शेष 50 प्रतिशत अंश)	आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, पंचनामा, प्राधिकार समिति की बैठक दिनांक 22.02.2020 की छायाप्रति

उक्तानुसार विवरण अनुसार कार्यालय को नामांतरण हेतु आवेदन प्राप्त हुआ है। जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो सार्वजनिक सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति लिखित सुसंगत दस्तावेजो के साथ प्रस्तुत करे। निर्धारित समायावधि पश्चात् कार्यालय के द्वारा उक्त आवेदन को अचल संपत्ति अंतरण नियम 2016 एवं संशोधन नियम 04.05.2021 के तहत निराकरण किया जावेगा।

सू.क्र.105/026/027

जोनल अधिकारी
जोन क्रमांक -01
नगर निगम, भोपाल

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

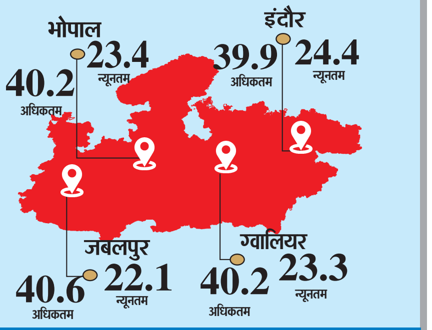

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली 38.8 अधिकतम 20.5 न्यूनतम	मुंबई 34.9 अधिकतम 25.2 न्यूनतम
चेन्नई 40.4 अधिकतम 25.0 न्यूनतम	कोलकाता 35.6 अधिकतम 26.0 न्यूनतम

सूर्यास्त 6:44 PM
सूर्योदय 5:55 AM
चन्द्रोदय 8:54 AM
चन्द्रास्त 11:16 PM

कबाड़ गोदाम में भीषण आग से 2 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

जागरण, शिवपुरी। जिले के दिनारा कस्बे में कृष्णा चौराहे के सामने कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग ने ऐसा विकराल रूप ले लिया कि हालात काबू से बाहर होते नजर आए। आग बुझाने के लिए एक नहीं, बल्कि चार जिले—झांसी, दतिया, गुना और शिवपुरी से कुल 8 फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाना पड़ा। महेश बेडर के कबाड़ गोदाम में लगी इस आग ने देखते ही देखते आसपास के कई घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। कई मकानों में दरारें आ गईं और लोगों का सामान जलकर राख हो गया। आगजनी में 2 करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। सुबह करीब साढ़े 9 बजे भड़की इस आग पर कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार शाम तक काबू पाया जा सका। राहत की बात यह रही कि इस भीषण हादसे में कोई जनहानि या घायल नहीं हुआ, लेकिन नुकसान बेहद भारी बताया जा रहा है। आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

12 घंटे बाद काबू में आई कंपनी में लगी आग

जागरण, पीथमपुर। प्रदेश के इंदौर के समीप स्थित औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर के सेक्टर-3 स्थित हजारगो इंडस्ट्रियल वेस्ट डिस्पोजल कंपनी में लगी भीषण आग पर 12 घंटे बाद काबू पाया जा सका। आग पर काबू पाने धामनोद, धरमपुरी, धार, पीथमपुर और इंदौर की 12 दमकल की गाड़ियां और दो रोबोट लगातार काम पर लगे रहे। हालांकि, अब तक नुकसान का आकलन नहीं हो सका है। कंपनी में मंगलवार रात आग लग गई थी। वेस्ट मैनेजमेंट और केमिकल कचरे के निस्तारण का काम करने वाली इस यूनिट में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और लपटें आसपास की अन्य फैक्ट्रियों तक पहुंच गईं, जिसके बाद कई यूनिटों को खाली कराना पड़ा। कुछ ही मिनटों में हालात बेकाबू हो गए। केमिकल ड्रमों में लगातार धमाके होने लगे। दुर्घटना में जेसीबी-हाइड्रा क्रेन जलकर राख हो गई, जिससे पूरा औद्योगिक क्षेत्र दहशत में आ गया। जिस समय आग लगी, उस वक्त करीब 10 मजदूर काम कर रहे थे, जिन्हें समय रहते बाहर निकाल लिया।

शिवपुरी में वृद्धा की हत्या, सांची में बेटे ने पिता को और सागर में पिता ने बेटे को मौत के घाट उतारा

शादी का कार्ड देने के बहाने घर में घुसे महिला के पैर छूकर सिर में मारी गोली

जागरण, शिवपुरी/ सागर/ सांची। प्रदेश में हत्या के तीन मामले सामने आए हैं। शिवपुरी में एक वृद्ध महिला को सिर में गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। वहीं सांची में बेटा ही पिता का हत्यारा निकला। सागर में पिता ने परिजनों के साथ मिलकर अपने ही बेटे को मौत की नींद सुला दिया। शिवपुरी जिले के तेंदुआ थाना क्षेत्र के डेहरवारा गांव में बुधवार दोपहर तीन अज्ञात हमलावर शादी का कार्ड देने के बहाने घर में घुसे। हमलावरों ने गेट खुलवाते ही बुजुर्ग महिला के पैर छुए फिर सिर में गोली मारकर फरार हो गए। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की वारदात का संदेह वृद्धा के सौतेले बेटों पर जताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मृतका रामसखी धाकड़ के पति लक्ष्मी नारायण लोधी ने अपनी पहली पत्नी की मौत के बाद करीब 35 साल पहले रामसखी धाकड़ से दूसरी शादी की थी। पहली पत्नी से उनके तीन बेटे और दो बेटियां थीं, जबकि रामसखी अपने पहले पति से जन्मे बेटे मुनेश को बाल अवस्था में अपने साथ लाई थीं। इसके बाद रामसखी मां नहीं बन सकीं। वर्तमान में मुनेश धाकड़ इंदौर में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता है और पिछले महीने अपनी मां के इलाज के लिए गांव आया था। घटना के समय रामसखी धाकड़ अपनी नातिन राधिका धाकड़ के साथ घर में थीं। राधिका के अनुसार, तीन युवक बाइक पर सवार होकर आए और शादी का कार्ड देने के बहाने दरवाजा खुलवाया। जैसे ही दादी ने दरवाजा खोला, एक युवक ने पहले उनके पैर छुए और तुरंत सिर में गोली मार दी। इसके बाद तीनों आरोपी बाइक पर सवार होकर फरार हो गए।

जमीन विवाद की आशंका

गोली की आवाज सुन राधिका की मां शांति धाकड़ मौके पर पहुंचीं, जहां रामसखी खून से लथपथ पड़ी थीं। रामसखी के भाई महेश धाकड़ ने हत्या के पीछे जमीन विवाद की आशंका जताई है। उन्होंने बताया कि बहनोई लक्ष्मी नारायण के नाम करीब 35 बीघा जमीन थी, जो पहली पत्नी के पांच बच्चों और रामसखी के बीच बंट गई थी। रामसखी अपने हिस्से की जमीन अपने बेटे मुनेश धाकड़ के नाम करना चाहती थीं और नामांतरण की प्रक्रिया भी चल रही थी। लेकिन लक्ष्मी नारायण के बेटे शिवराज, साहब सिंह और राम कृष्ण इसका विरोध कर रहे थे। आरोप है कि नामांतरण से पहले ही साजिश रचकर रामसखी की हत्या करा दी गई।

सागर : पिता ने परिजनों के साथ मिलकर की सगे बेटे की हत्या

सागर जिले के सानौधा थाना के ग्राम पामाखेड़ी में रिश्तों को शर्मसार करने वाली जघन्य घटना सामने आई है। एक पिता ने सगे बेटे की हत्या की साजिश रची और अन्य परिजनों के साथ मिलकर उसे बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। मुख्य आरोपी पिता सहित तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं और एक विधि विरुद्ध बालक पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस ने बताया कि 19 अप्रैल की शाम करीब 4.30 बजे आरोपी हिरदे अहिरवार का अपने पुत्र हल्ले से विवाद हुआ। आवेश में आकर पिता ने अपने दूसरे बेटे पप्पू और नातियों को हल्ले को जान से खत्म करने के लिए उकसाया। पिता के कहने पर आरोपी पप्पू उर्फ शिवराम, संदेश अहिरवार और एक नाबालिग ने मिलकर हल्ले पर डंडों और पत्थरों से प्राणघातक हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आई मृतक की पत्नी सीमा के साथ भी मारपीट की गई। गंभीर रूप से घायल हल्ले को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना में प्रकरण दर्ज करने के उपरांत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सानौधा भरत सिंह ठाकुर ने टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। सुरागों और आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर हत्या में प्रयुक्त डंडा और पत्थर की लुड़िया उनके निवास स्थान से विधिवत जब्त की।

सांची : बेटे ने मार-मार कर ली पिता की जान,गिरफ्तार

सागर जिले के सानौधा थाना के ग्राम पामाखेड़ी में रिश्तों को शर्मसार करने वाली जघन्य घटना सामने आई है। एक पिता ने सगे बेटे की हत्या की साजिश रची और अन्य परिजनों के साथ मिलकर उसे बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। मुख्य आरोपी पिता सहित तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं और एक विधि विरुद्ध बालक पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस ने बताया कि 19 अप्रैल की शाम करीब 4.30 बजे आरोपी हिरदे अहिरवार का अपने पुत्र हल्ले से विवाद हुआ। आवेश में आकर पिता ने अपने दूसरे बेटे पप्पू और नातियों को हल्ले को जान से खत्म करने के लिए उकसाया। पिता के कहने पर आरोपी पप्पू उर्फ शिवराम, संदेश अहिरवार और एक नाबालिग ने मिलकर हल्ले पर डंडों और पत्थरों से प्राणघातक हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आई मृतक की पत्नी सीमा के साथ भी मारपीट की गई। गंभीर रूप से घायल हल्ले को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना में प्रकरण दर्ज करने के उपरांत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सानौधा भरत सिंह ठाकुर ने टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। सुरागों और आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर हत्या में प्रयुक्त डंडा और पत्थर की लुड़िया उनके निवास स्थान से विधिवत जब्त की। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

भाजपा सांसद के छोटे भाई ने कुएं में कूदकर दी जान

जागरण, बुरहानपुर। प्रदेश के खंडवा से भाजपा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के छोटे भाई विश्वनाथ उर्फ बाडू पाटिल (58) ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने बुधवार अलसुबह अपने गृह ग्राम बोहरडा में खेत के कुएं में कूदकर जान दे दी। घटना के बाद प्रशासन ने गोताखोरों की मदद से तीन घंटे की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली में मौजूद सांसद पाटिल घटना की जानकारी मिलते ही बुरहानपुर रवाना हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही जिले के कलेक्टर हर्ष सिंह और बुरहानपुर एसपी देवेंद्र पाटीदार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। बुरहानपुर एसपी देवेंद्र पाटीदार ने बताया, यह आत्महत्या का मामला है और आगे की विस्तृत जांच जारी है। इस घटना की सूचना फैलते ही सांसद के गृह ग्राम बोहरडा में शोक की लहर है, उनके निवास पर बड़ी संख्या में समर्थक और रिश्तेदार पहुंच गए। घटना की खबर सुनकर नेपानगर विधायक मंजू दादू सहित कई भाजपा और कांग्रेस नेता भी सांसद के निवास पहुंचे। सांसद निवास पर लोगों की भारी भीड़ और सुरक्षा के मद्देनजर मौके पर पुलिस बल भी तैनात किया है। गुरुवार को गृह ग्राम में सांसद के छोटे भाई का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

गोताखोरों की मदद से निकाला शव

सिंगरौली बैंक डकैती मामले की पुलिस जांच में खुलासा

नेपाल में बैठा शख्स वारदात के दौरान पांचों आरोपियों को कर रहा था हैंडल

आरोपियों को तलाश रही पुलिस की 10 टीमें

जागरण, सिंगरौली। प्रदेश के सिंगरौली में बीती 17 अप्रैल को बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 15 करोड़ की डकैती के मामले में नेपाल कनेक्शन मिला है। पुलिस जांच में पता चला है कि नेपाल में बैठा शख्स पांचों आरोपियों को हैंडल कर रहा था। वह इंटरनेट कॉलिंग के जरिए वारदात के वक्त आरोपियों के संपर्क में था। मामले में एक आरोपी कमलेश कुमार पुलिस रिमांड पर है। वारदात का मुख्य आरोपी फंटूश उर्फ ननकी बिहार के नालंदा जिले का निवासी है। तीसरा आरोपी राजेश कुमार झारखंड के गिरिडीह और चौथा आरोपी पंकज शर्मा पश्चिमी सिंहभूम जिले का रहने वाला है। पांचवें आरोपी छोटू (19) का स्थायी पता स्पष्ट नहीं हो पाया है। चारों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 10 विशेष टीमें छापेमारी कर रही हैं। कमलेश ने पुलिस पूछताछ में बताया कि करीब एक महीने पहले तीन लोगों ने

जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर मोरवा थाना क्षेत्र के बड़ी मस्जिद के पास कमरा किराए से लिया था। यहां से रोज बैढ़न आते थे। सुबह से शाम तक बैंक की रेकी के बाद वापस चले जाते थे। कमलेश ने पुलिस को बताया कि फरवरी से मार्च महीने के बीच अलग-अलग समय पर तीन लोग कमरे में ठहरते रहे। प्लान के तहत डकैती डालने की तारीख 17 अप्रैल तय की। घटना में शामिल दो अन्य लोग तीन दिन पहले ही सिंगरौली पहुंचे थे।

एक-दूसरे को करीब से नहीं जानते आरोपी

पुलिस की जांच में सामने आया है कि सभी आरोपी एक-दूसरे को बहुत करीब से नहीं जानते थे। उन्हें सिर्फ इतना बताया गया था कि नेपाल में बैठा हैंडलर ही नेटवर्क कंट्रोल कर रहा है। आरोपी सिर्फ इंटरनेट कॉलिंग के जरिए ही उसके संपर्क में रहते थे। बताया जाता है कि वारदात से पहले और उस वक्त भी हैंडलर इन पांचों के संपर्क में था। मैसेज या सोशल मीडिया के जरिए कोई बातचीत नहीं होती थी। यही वजह है कि पुलिस को आरोपी कमलेश से डिटेल पता करने में कठिनाई हो रही है।

सभी पेशेवर अपराधी, उम्र 18 से 22 साल

जांच में पता चला है कि आरोपी अपने घरों में ज्यादा समय नहीं बिताते थे। देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार वारदात को अंजाम देते रहते हैं। सभी पेशेवर अपराधी हैं। सभी आरोपियों की उम्र 18 से 22 साल है। पकड़ा गया आरोपी कमलेश भी हाल में बिहार में एक मामले में जेल से छूटकर आया था। इसके तुरंत बाद सिंगरौली में वारदात को अंजाम दे दिया। बैंक के अंदर कमलेश ही हेलमेट पहनकर घुसा था।

आत्महत्या मामले में एसआई और सिपाही नपे टीआई पर कार्रवाई नहीं

जागरण, इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां भागीरथपुरा पुलिस चौकी पर हिरासत में एक 45 वर्षीय व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। दरअसल पुलिसकर्मियों ने रामजी झा के साथ मारपीट की थी। परिवार पर दबाव बनाने उसको घर भी ले गए थे। इसी वजह से रामजी तनाव में आ गया और चौकी में रखा एसिड गटक गया। इस मामले में अफसरों ने गंभीरता दिखाते हुए एसआई (चौकी प्रभारी) संजय धुर्वे और सिपाही योगेंद्र को हटा दिया लेकिन टीआई सियारामसिंह गुर्जर पर कार्रवाई नहीं की, जबकि उन पर भी गड़बड़ी का शक है। रामजी के परिजन का आरोप है कि सिपाही योगेंद्र कोरव बाइक चुराने का आरोप लगाकर उनके साथ मारपीट कर रहा था। उनके हाथ में चोट लगी थी। योगेंद्र दोपहर को ही रामजी को उसके घर ले गया और स्वजन की मौजूदगी में धमकाया। उनसे आधार कार्ड मांगा और कहा कि रामजी को जेल भेजेंगे। इससे आहत होकर शीतल नगर (कुशवाह नगर) निवासी रामजी रमेशचंद्र झा ने विगत दिवस एसिड पीकर आत्महत्या कर ली। परिजन के अनुसार एसआई (चौकी प्रभारी) संजय धुर्वे और सिपाही योगेंद्र को ही हटाया है।

'मोटे मुनाफे' का सपना दिखा 40 रिश्तेदारों से दो करोड़ की ठगी

दंपति ने बनाया शिकार, फर्जी कंपनी में कराया निवेश

जागरण, ग्वालियर। निवेश के नाम पर ग्वालियर में बड़े फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि फरियादी सभी 40 लोग आपस में रिश्तेदार है। जिन्हें एक दंपति ने 'मोटे मुनाफे' का सपना दिखाकर करीब 2 करोड़ रुपए की ठगी कर डाली। इस मामले में शिकायती आवेदन दिया गया है। पीड़ितों को जब तक शक हुआ तब तक ठग अजय राठौर और उसकी पत्नी नीतू राठौर फरार हो चुके थे, उनके मोबाइल फोन भी बंद आ रहे हैं, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है। अजय और नीतू मूल रूप से भिंड के रहने वाले हैं। पत्नी नीतू चंडीगढ़ में रह रही थी, जबकि पति अजय नोएडा में रह रहा था। पीड़ित गुरुदयाल सिंह राठौर ने बताया कि अजय राठौर और उसकी पत्नी नीतू राठौर ने मानसी इंटरप्राइजेज टू नाम से कंपनी बनाकर निवेश पर हर महीने मोटे मुनाफे का लालच दिया। इसके साथ ही नए निवेशक जोड़ने पर 4-5 प्रतिशत कमीशन का झांसा भी दिया गया। रिश्तेदार होने से लोगों ने बिना ज्यादा जांच-पड़ताल के उन पर भरोसा कर लिया। गुरु दयाल राठौर ने तो भरोसे में आकर 30 लाख निवेश कर दिए। उन्होंने अपना सोना गिरवी रखा और फ्लैट पर लोन लेकर यह रकम जुटाई, लेकिन 6 माह बाद भी न पैसा लौटा और न ही कोई मुनाफा मिला। ठगी की रकम पेटीएम, फोनपे और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से ट्रांसफर की गई, जिससे ट्रांजैक्शन का बड़ा नेटवर्क सामने आ रहा है।

लिंक पर क्लिक करते ही खाली हुआ बुजुर्ग का खाता 3.25 लाख रुपए की ठगी

शाजापुर। डिजिटल युग में साइबर ठगों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे किसी भी पल आपको अपना शिकार बना सकते हैं। शाजापुर जिले के अवंतीपुर बड़ोदिया थाना क्षेत्र में एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां पत्नी का इलाज कराने अस्पताल गए एक 71 वर्षीय बुजुर्ग की व्यस्तता का फायदा उठाकर ठगों ने उन्हें चपत लगा दी। मोबाइल पर आई महज एक अनजान लिंक खोलने की कीमत बुजुर्ग को 3 लाख 25 हजार रुपये गवां कर चुकानी पड़ी। फरियादी की लिखित शिकायत पर अवंतीपुर बड़ोदिया पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफधोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बिजनेस प्लस

गोदरेज इंडस्ट्रीज ने नए उद्देश्य और ब्रांड पहचान की घोषणा की

मुंबई। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने बुधवार को अपने नए उद्देश्य और ब्रांड पहचान का अनावरण किया। यह ग्रुप के विकासक्रम में एक निर्णायक मोड़ है, जो इसकी नई पहचान, रणनीति और महत्वाकांक्षा को भविष्य की प्रगति के साथ जोड़ता है। 129 वर्षों की सुदृढ़ विरासत और नए स्वरूप की आधुनिक ऊर्जा से प्रेरित यह पहचान ग्रुप के कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रियल एस्टेट, फाइनेंशियल सर्विसेज, एग्रीकल्चर और केमिकल्स जैसे विविध पोर्टफोलियो में एक स्पष्ट रणनीतिक तालमेल स्थापित करती है। इस ऐतिहासिक बदलाव की घोषणा मुंबई स्थित मुख्यालय, गोदरेज वन में आयोजित एक मीडिया बैठक में की गई। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के मनोनीत अध्यक्ष पिरोजशा गोदरेज ने कहा, 1897 से निरंतर निर्माण, हर आने वाले कल का हमारे उस विश्वास को दर्शाता है कि मूल्य और परिणाम सदैव साथ चलने चाहिए। अगले पाँच वर्षों में कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 5,00,000 करोड़ तक पहुँचने की उम्मीद है।

मास्टरकार्ड ने मल्टी-सिटी कॉन्सर्ट सीरीज का किया विस्तार

मुंबई। मास्टरकार्ड ने भारत में अपनी मल्टी-सिटी कॉन्सर्ट सीरीज का विस्तार करते हुए स्टैंड-अप कॉमेडी और लाइव संगीत को शामिल किया है। इस नए चरण में वीर दास, ज़ाकिर खान और पापोन जैसे लोकप्रिय कलाकार हिस्सा ले रहे हैं। यह सीरीज़ पहले एआर रहमान, एनरिक इग्लेसियस और सुनिधि चौहान जैसे कलाकारों के साथ सफल रही थी। अब यह कॉमेडी और संगीत का मिश्रित मंच बनकर भारत की बदलती मनोरंजन पसंद को दर्शाती है। पापोन कई शहरों में परफॉर्म करेंगे, जबकि वीर दास और ज़ाकिर खान प्रमुख स्थानों पर शो करेंगे। मास्टरकार्ड कार्डधारकों को विशेष सुविधाएँ भी मिलेंगी। कार्यक्रम का उद्देश्य वंचित युवाओं को लाइव अनुभव और अवसर प्रदान करना भी है।

आकाश के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

भोपाल। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड, भोपाल के छात्रों ने जेईई मेन 2026 में शानदार प्रदर्शन किया है। अनुज सिंह ने 99.92 परसेंटाइल के साथ एआई आर-1193 हासिल कर टॉप किया। उनके साथ तनिष्क सिंघल ने भी 99.92 परसेंटाइल और अंशिका धाकड़ ने 99.48 परसेंटाइल प्राप्त किया। कुल तीन छात्रों ने उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अभ्यास, अनुशासित तैयारी, टेस्ट और विशेषज्ञ मार्गदर्शन को दिया। एईएसएल ने इसे अपने मजबूत शैक्षणिक सिस्टम का परिणाम बताया। यह परीक्षा एनआईटीस, आईआईआईटीस और आईआईटीस में प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने की बॉब सीनियर सिटीजन विशेष सम्मान

मुंबई। भारत के अंतर्राष्ट्रीय बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य लाभ और निःशुल्क डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं की पेशकश करने वाले एक प्रीमियम बचत बैंक खाते च्बॉब सीनियर सिटीज़न विशेष सम्मानच के शुभारंभ की घोषणा की। यह खाता 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के ग्राहकों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य उनके समग्र स्वास्थ्य एवं वित्तीय समृद्धि में वृद्धि करना है। यह खाता दवाओं तथा बीमारियों की पहचान करने वाली सेवाओं पर छूट के साथ परिवार के अधिकतम छह सदस्यों के लिए निःशुल्क ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक हर महीने दो निःशुल्क डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं जिससे आवश्यक बैंकिंग सेवाएं सीधे उनके घर तक पहुंचेंगी। इसके अतिरिक्त, इस ऑफ़र में रिवर्स मॉर्गेज ऋण के प्रोसेसिंग प्रभार में 50% की छूट, लॉकर के किराए में रियायत और च्बॉब भूमि रुपे सेलेक्ट डेबिट कार्ड भी शामिल है।

नहर में गिरा ट्रक, चालक सहित तीन की मौत

जागरण, सतना। जिले के रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। दरअसल नेशनल हाईवे-39 पर नेमुआ मोड़ के पास सरिया लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए नहर में जा गिरा। इस हादसे में चालक, क्लीनर और एक मजदूर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू की। रामपुर बघेलान थाना पुलिस के अनुसार सुबह आठ बजे राहगीरों से सूचना मिली कि नेशनल हाईवे-39 पर नेमुआ मोड़ के पास सरिया लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए नहर में जा गिरा। इसके बाद थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इस हादसे में चालक, क्लीनर और एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। इन सभी मृतकों के शव बाहर निकालने के लिए प्रशासन को रेस्क्यू अभियान चलाना पड़ा। क्रेन की मदद से ट्रक को सीधा कर दो शव निकाले गए। तीसरा शव ट्रक की बॉडी में बुरी तरह फंसा था, जिसे कटर मशीन से करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया।

एबी रोड पर ट्रेलर से टकराया ट्रक, दो की मौत

जागरण, सेंधवा। प्रदेश के सेंधवा के पाए एबी रोड एनएच पर बुधवार दोपहर एक ट्रक आगे चल रहे ट्रेलर से जा टकराया। हादसा बिजासन घाट के दुर्घटना संभावित क्षेत्र डबल पुलिया के बीच हुआ। एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और दोनों चालक केबिन में फंस गए। उन्हें निकालने के लिए तत्काल क्रेन बुलाई गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद केबिन काटकर दोनों को बाहर निकाला।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.स्वा.यां. संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन निविदाओं का आमंत्रण लोक निर्माण विभाग में 'सी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी एसओआर दिनांक 02.08.2021 से प्रतिशत आधार, आईटम रेट आधार एवं लमसम आधार पर किया जाता है।

नि.सं.क्र.	प्रपत्र का प्रकार	कार्य का विवरण	कार्य की अनु. लागत	प्रतिभूति राशि	ऑन लाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	निविदा क्रय की अंतिम तिथि	दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
2026_UAD_498729_1	2.10	उज्जैन शहर में जलप्रदाय कार्य हेतु विभिन्न वार्डो में स्थापित सिंगल फेस थ्री फेस सबमर्सिबल मोटर पंप एवं बुस्टर मोटर पंपों का वार्षिक संधारण कार्य हेतु 1 वर्ष की अवधि हेतु इनपेनलमेंट निविदा	5500000 / -	55000/-	10000/-	12 माह	13.05.2026	13.05.2026

निविदा संबंधित अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा सूचना की जानकारी वेब साईट https://mptenders.gov.in पर ऑन लाईन दर्शाई गई हैं।

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. संधा. खण्ड न.पा.नि. उज्जैन

आयुक्त
नगर पालिक निगम उज्जैन

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

757

78,516

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Nestle	1,396.00	7.27%
HUL	2,335.70	3.55%
Trent	4,444.50	3.48%
ICICI Bank	1,393.10	2.37%
Bajaj Finance	945.95	2.05%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
SBI Life Insura	1,891.70	-3.58%
Bharat Elec	449.45	-1.32%
Jio Financial	234.10	-1.01%
Dr Reddys Labs	1,218.40	-0.97%
Titan Company	4,465.00	-0.74%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	93,9400
€ यूरो	109.94
¥ येन	0.5872
£ पौंड	126.23

'ग्रीन रेवोल्यूशन': एविएशन फ्यूल में एथेनॉल मिलाने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने एविएशन सेक्टर में प्रदूषण कम करने और महंगे कच्चे तेल के आयात को घटाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) में एथेनॉल ब्लेंडिंग को मंजूरी दे दी है। इसके लिए सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर एटीएफ मार्केटिंग नियमों में बदलाव किया है। इस फैसले से न केवल हवाई यात्रा क्लीन होगी, बल्कि भारत की विदेशी तेल पर निर्भरता भी कम होगी। मंत्रालय के नोटिफिकेशन के अनुसार, अब एविएशन टर्बाइन फ्यूल की परिभाषा को अपडेट किया गया है। अब एटीएफ में हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ सिंथेसाइज्ड कंपोनेंट्स (जैसे एथेनॉल) को भी शामिल किया जा सकेगा। यह भारतीय मानकों के अनुरूप होगा। सरकार का यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहे एसएएफ के चलन को ध्यान में रखकर किया गया है।

कच्चे तेल पर निर्भरता होगी कम

तेल आयात और विदेशी मुद्रा की बचत होगी: भारत अपनी जरूरत का करीब 87 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण अक्सर तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहता है, जिसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। हवाई ईंधन में एथेनॉल मिलाने से कच्चे तेल की खपत कम होगी, जिससे सरकार को विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी।

100 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य-नितिन गडकरी: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत को 100 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखना चाहिए। हमें फॉसिल फ्यूल (जीवाश्म ईंधन) पर अपनी निर्भरता को पूरी तरह खत्म करने की जरूरत है। गडकरी लंबे समय से फ्लेक्स-फ्यूल और ग्रीन हाइड्रोजन के इस्तेमाल पर जोर दे रहे हैं। सरकार का ध्यान केवल विमानों तक ही सीमित नहीं है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अप्रैल 2027 से लागू होने वाले कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी नॉर्म्स का इलेक्ट्रिक वाहनों और फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों पर बुरा असर नहीं पड़ेगा। इसका मतलब है कि सरकार भविष्य में पर्यावरण के अनुकूल चलने वाली गाड़ियों को बढ़ावा देना जारी रखेगी। कैफ-3 नॉर्म्स वाहनों के औसत ईंधन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के मानक हैं, जो पर्यावरण सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं।

कृषि अवशेष और कचरे से बनता है एसएएफ

सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल यानि एसएएफ एक ऐसा वैकल्पिक ईंधन है जिसे कुकिंग ऑयल, कृषि अवशेष और कचरे से तैयार किया जा सकता है। इसमें एथेनॉल का मिश्रण भी अहम भूमिका निभाता है। इसकी सबसे बढ़ी खासियत यह है कि इसके इस्तेमाल के लिए विमान के इंजन या मौजूदा फ्यूल सप्लाई सिस्टम में बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। यह पारंपरिक जेट फ्यूल के मुकाबले कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम कर देता है।

कोडिंग के भविष्य को लीड करेंगे एलन मस्क

स्पेस एक्स 5,600 अरब रुपये में एआई स्टार्टअप कर्सर को खरीदेगी

नई दिल्ली, जेएनएन। अरबपति एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेस-एक्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कोडिंग स्टार्टअप कर्सर के साथ बड़े समझौते की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि वह इस साल के अंत तक कर्सर को करीब 60 अरब डॉलर (लगभग 5,600 अरब रुपये) में खरीद सकती है या फिर उसके साथ काम करने के लिए 10 अरब डॉलर का निवेश कर सकती है। इस सौदे का मकसद एआई कोडिंग के क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करना है। स्पेस-एक्स ने बताया कि दोनों कंपनियां मिलकर बेहतर एआई कोडिंग टूल बनाने पर काम करेंगी। कंपनी के मुताबिक, इसका लक्ष्य दुनिया का सबसे अच्छा कोडिंग और ज्ञान आधारित एआई तैयार करना है। हाल ही में स्पेस-एक्स, मस्क की एआई कंपनी एड एआई के साथ भी जुड़ चुकी है। मस्क ने माना था कि उनकी कंपनी कोडिंग टूल्स में पीछे है, इसलिए अब इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

कर्सर करता क्या है

कर्सर एक एआई आधारित टूल है, जिसे 2023 में लॉन्च किया गया था। यह प्रोग्रामर्स को कोड लिखने और गलतियां सुधारने में यूजर्स की मदद करता है। यह स्टार्टअप तेजी से लोकप्रिय हुआ है और डेवलपर्स के बीच इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। एआई के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ऐसे टूल्स की जरूरत भी बढ़ी है, जिससे कर्सर इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कंपनी बन गया है और निवेशकों का ध्यान खींच रहा है।

एआई कोडिंग टूल्स सेक्टर में तेजी से बढ़ रही प्रतिस्पर्धा

एआई कोडिंग टूल्स के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ रही है। कई बड़ी कंपनियां और स्टार्टअप्स इस दिशा में नए प्रोडक्ट्स ला रहे हैं। स्पेस-एक्स का यह कदम इसी प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने की कोशिश माना जा रहा है। कंपनी के पास बड़ी तकनीकी क्षमता और संसाधन हैं, जिससे वह इस क्षेत्र में तेजी से विकास कर सकती है। आने वाले समय में इस डील का असर पूरे टेक सेक्टर पर देखने को मिल सकता है।

केनरा बैंक Canara Bank — सिंडिकेट Syndicate
क्षेत्रीय कार्यालय-1 पर्यावास भवन, भोपाल
स्वर्ण आभूषण नीलामी सूचना

एतद्वारा द्वारा नीचे उल्लिखित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे ऋण खातों में देयता का भुगतान करने में विफल रहे हैं। उधारकर्ताओं से अनुरोध किया जाता है कि वे अपनी देयताएं और अन्य शुल्कों का भुगतान दिनांक 10/05/2026 को या उससे पहले कर देवें तथा गिरवी रखी गई प्रतिभूतियों को भुनाने का अनुरोध किया जाता है, ऐसा न करने पर बैंक द्वारा उक्त प्रतिभूतियों को बैंक द्वारा ऑन लाइन ई-नीलामी के माध्यम से दिनांक 10/05/2026 को सुबह 12.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे के बीच सार्वजनिक नीलामी द्वारा उधारकर्ताओं की कीमत पर बेचा जाएगा अथवा उसके पश्चात किसी अन्य सुविधाजनक तिथि पर बिना किसी सूचना के बैंक के पूर्ण विवेक पर बेचा जायेगा।

क्र.	ऋणी का नाम/ऋण खाता संख्या	आयटम	कुल वजन	शुद्ध वजन	कुल बकाया	आरक्षित मूल्य
	सांची शाखा, सांची					
1	अमर चंद विश्वकर्मा 180404913931	1 नेकलेस 1 टीका	17.5 gm	10.85 gm	₹ 1,19,990.52/-	₹ 1,44,800/-
	नर्मदापुरम शाखा					
2	विनय कुमार जायसवाल 164110277124	2 नेकलेस 2 चूडी 2 मंगलसूत्र	128.6 gm	93.48 gm	₹ 12,04,050/-	₹ 12,48,600/-
3	विनय कुमार जायसवाल 164054828864	1 नेकलेस 1 टीका 4 जोड़ी टॉप्स	63.10 gm	54.10 gm	₹ 6,93,272.90/-	₹ 7,22,800/-

नीलामी की कीमत उस दिन के सोने के रेट के अनुसार तय होगी। धरोहर राशि रु. 25000/- प्रति शाखा
विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया वेबसाइट https://egold.auctiontiger.net देखें। इच्छुक निविदाकर्ता दूरभाष क्रमांक 8871888343 पर सम्पर्क कर सकते हैं।
तारीख : 21.04.2026 — प्रबंधक, केनरा बैंक

शेयर बाजार

सेंसेक्स 757, निफ्टी 198 अंक टूटा

मुंबई, जेएनएन। पश्चिम एशिया संकट जारी रहने से कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार में तीन दिनों से जारी तेजी बुधवार को थम गई। सेंसेक्स में करीब 757 अंकों की गिरावट रही जबकि निफ्टी 198 अंक टूट गया। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी और पश्चिम एशिया में लंबे समय तक अस्थिरता की आशंका से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 756.84 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूटकर 78,516.49 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 831.03 अंक तक लुढ़क गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 198.50 अंक यानी 0.81 प्रतिशत गिरकर 24,378.10 अंक पर बंद हुआ।

टेक महिंद्रा का लाभ 1,353.8 करोड़ हुआ

नई दिल्ली, जेएनएन। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 1,353.8 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 1,166.7 करोड़ रुपये रहा था। टेक महिंद्रा ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 12.6 प्रतिशत बढ़कर 15,076.1 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 13,384 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर लाभ एवं राजस्व में क्रमशः 20.7 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में टेक महिंद्रा का लाभ 13.15 प्रतिशत बढ़कर 4,810.9 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 में 4,251.5 करोड़ रुपये था। परिचालन आय 7.2 प्रतिशत बढ़कर 56,815.4 करोड़ रुपये हो गई।

वस्त्र निर्यात में 3.16 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, जेएनएन। हस्तशिल्प सहित देश का वस्त्र निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 2.1 प्रतिशत बढ़कर 3.16 लाख करोड़ रुपये हो गया। 2024-25 में यह 3.09 लाख करोड़ रुपये था। वस्त्र मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी यह जानकारी देते हुए बताया कि यह वृद्धि उस समय हुई जब समूचे वित्त वर्ष के अधिकतर समय क्षेत्र को उसके सबसे बड़े निर्यात गंतव्य अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क का सामना करना पड़ा। अमेरिका ने जवाबी शुल्क व्यवस्था दो अप्रैल 2025 को 10 प्रतिशत से लागू की और यह दर निरंतर तेजी से बढ़ती गई।

आईटी में छंटनी: ईएमआई ट्रैप के डर से कम हुई घर खरीदी

नई दिल्ली, जेएनएन। आईटी सेक्टर में छंटनी और नई भर्तियों में गिरावट का असर अब देश के रियल एस्टेट मार्केट पर दिखने लगा है। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहरों में, जहां घर खरीदने वालों का एक बड़ा हिस्सा सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स हैं, वहां बाजार की रफ्तार सुस्त पड़ रही है। आईटी सेक्टर में बढ़ती अस्थिरता ने मध्यम आय वर्ग के खरीदारों के बीच असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। ओरेकल जैसी दिग्गज कंपनियों द्वारा की गई बड़ी छंटनी नौकरियों में आई 8 प्रतिशत की गिरावट ने इस संकट को और गहरा दिया है। आईटी सेक्टर में छंटनी और एआई से हो रहे बदलावों ने खरीदारों के बीच ईएमआई ट्रैप का डर पैदा कर दिया है। 30 से 45 वर्ष की आयु के प्रोफेशनल्स अब बड़े निवेश से बच रहे हैं। नाइट फ्रैंक इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 की पहली तिमाही में आठ प्रमुख शहरों के आवासीय बाजार में सुस्ती के संकेत मिले हैं। घरों की बिक्री में सालाना आधार पर 4% की गिरावट दर्ज की गई है, जो घटकर 84,827 यूनिट रह गई है। नए प्रोजेक्ट्स की लॉन्चिंग में भी 2 प्रतिशत की कमी आई है, जिससे यह साफ होता है कि महामारी के बाद रियल एस्टेट सेक्टर में आया जबरदस्त उछाल अब धीरे-धीरे कम हो रहा है।

पूर्व मध्य रेल
शुद्धि पत्र
सं. डी.एन.आर./एस. एण्ड टी./टेली/2026/2 दानापुर, दिनांक 20.04.2026.
निविदा संख्या-DNR/S&T/Tele/2026/2, दिनांक 01.04.2026 की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। इसे 24.04.2026 को 15.00 बजे के स्थान पर 05.05.2026 को 13.00 बजे पढ़ा जाए। अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।
मंडल संकेत एवं दूर संचार अभि./ पूमरे/दानापुर
पीआर/0110/डीएनआर/सि./सी/26-27/16

कार्यालय नगर पालिका परिषद बैतूल (म.प्र.)
क्रमांक/ज.प.शा./ई./1584 — बैतूल दिनांक 21/04/2026
// ई-टेन्डर आमंत्रण सूचना//
(प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना)
निम्नलिखित कार्य/सामग्री हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

क्र.	ऑन लाईन निविदा क्र.	कार्य/सामग्री का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_501941_1	WORK 0f DISMANTLING REVERSE ENGINEERING, MANUFACTURING, SUPPLY, MACHINING AND FITMENT OF DRIVING END & NON-DRIVING END, END SHIELDS ALONG WITH BEARING REPLACEMENT FOR 335 HP MOTORS (02 NOS.) INSTALLED AT TAPTI INTAKE WELL, KHEDI, DISTRICT BETUL (M.P.)	1- 2026-27 2- 500000/-	1- 2000/- 2- 5000/-	29/04/2026

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in/nicgep/ app की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
(नवनीत पाण्डेय)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बैतूल

कार्यालय नगर पालिका परिषद सारनी (म.प्र.)
Phone& fax No. 07146-256400, Email cmosarni@mpurban.gov.in
क्रमांक/स्टोर/ई टेण्डर/2026/154 — सारणी दिनांक 17/04/2026
-:: द्वितीय ई-निविदा सूचना ::-
निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_501344 _1	श्री श्री 1008 मठारदेव मेला परिसर में निर्मित विश्राम गृह में आंतरिक साज सज्जा कार्य।	1- 03 Months 2- 3080600.00	1. 5000.00 2. 23105.00	25.04.2026

टीप :- कार्य से संबंधित शर्तें ऑनलाईन निविदा में संलग्न हैं।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सारनी

कार्यालय नगर परिषद् बड़ौद, जिला आगर-मालवा (म.प्र.)
Phone No. 07362 [257838] ....E-mail Add. - Cmobarod@mpurban.gov.in
क्रमांक/निर्माण/2026/581 — बड़ौद, दिनांक 22/04/2026
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
एतद् द्वारा समस्त सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/फर्मों को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निविदा आयटम दर पर ऑनलाईन टेण्डर ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://mptenders.gov.in के माध्यम से लागू दर पर आमंत्रित किये जाते है। निविदाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	ऑनलाईन टेण्डर नं.	कार्य का नाम	अनुमान लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	समयावधि
1	2026_UAD_502052_1	वर्ष 2026-27 के लिए आवश्यकता अनुसार निर्माण कार्य सामग्री प्रदाय	10,00,000/-	10000/-	2000/-	31 मार्च 2027
2	2026_UAD_502053_1	वर्ष 2026-27 के लिए आवश्यकता अनुसार स्ट्रीट लाईट कार्य सामग्री प्रदाय	10,00,000/-	10000/-	2000/-	
3	2026_UAD_502050_1	वर्ष 2026-27 के लिए आवश्यकता अनुसार एलम ब्लीचिंग सामग्री प्रदाय	10,00,000/-	10000/-	2000/-	
4	2026_UAD_502054_1	वर्ष 2026-27 के लिए आवश्यकता अनुसार स्वच्छता कार्य सामग्री प्रदाय	10,00,000/-	10000/-	2000/-	
5	2026_UAD_502056_1	वर्ष 2026-27 के लिए आवश्यकता अनुसार जलप्रदाय कार्य सामग्री प्रदाय	10,00,000/-	10000/-	2000/-	
6	2026_UAD_502055_1	वर्ष 2026-27 के लिए आवश्यकता अनुसार स्टेशनरी सामग्री प्रदाय	10,00,000/-	10000/-	2000/-	

नोट:-
1. कार्य हेतु निविदा प्रपत्र क्रय कर ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 07/05/2026 सायं 5.00 बजे तक निर्धारित हैं ।
2. अन्य विवरण उपरोक्त पोर्टल पर अथवा कार्यालय में कार्यालयीन समय पर देखे जा सकते हैं ।
3. उपरोक्त कार्य के Ammendments केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किए जाएगे ।

(श्रीमति मंजू सचिन लववंशी) अध्यक्ष नगर परिषद् बड़ौद जिला आगर-मालवा (म.प्र.)
(श्रीमति मोहनकुंवर लालसिंह राजपूत) उपाध्यक्ष नगर परिषद् बड़ौद जिला आगर-मालवा (म.प्र.)
(श्री ओमप्रकाश नागर) मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद् बड़ौद जिला आगर-मालवा (म.प्र.)

AU SMALL FINANCE BANK — A SCHEDULED COMMERCIAL BANK
एयू स्मॉल फाइनेन्स बैंक लिमिटेड (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक)
रजिस्टर्ड ऑफिसः 19-ए, धूलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड, जयपुर-302001(CIN: L36911RJ1996PLC011381)
परिशिष्ट IV [देखें नियम 8(1) कब्जा सूचना]
जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए षवित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनगर्ठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002ˢ(2002 का 54) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 13 (12) का सपठित नियमों के नियम 3 के तहत प्रदत शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणियों को मांग सूचना पत्र निम्नलिखित तालिका के अनुसार निर्गमितकर तालिका में राशि 60 दिवस के भीतर चुकाने के लिए कहा गया था।

ऋणी / सहऋणी / बंधककर्ता / गारन्टर / ऋण खाता संख्या	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	स्थावर सम्पत्ति का विवरण	कब्जे की तारीख
(ऋण खाता संख्या) L9001060123128168, भवानी शंकर शर्मा (ऋणी), राम गोपाल शर्मा (सहऋणी), श्रीमती गायत्री शर्मा (सहऋणी)	13 फरवरी 23 Rs. 2,36,227/- दो लाख छत्तीस हजार दो सौ सत्ताइस रुपए मात्र, 10 फरवरी 23 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पुराना पी.एच. नं. 63, नया पी.एच. नं. 51, ग्राम पिपलिया कलां, तहसील खिलचीपुर, जिला राजगढ़, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 300 वर्ग फीट, पूर्वः पन्नालाल एवं गोपाल का मकान, पश्चिमः सार्वजनिक मार्ग, उत्तरः रामप्रताप का मकान, दक्षिणः सार्वजनिक मार्ग	17 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060123647761 एवं L9001060827312523 एवं L9001060832062520, मैसर्स चौरशिया किराना (ऋणी), अंकित चौरशिया (सहऋणी), श्रीमती सविता चौरशिया (सहऋणी), निशांत चौरशिया (सहऋणी)	19 जनवरी 26 Rs. 6,16,386/- छः लाख सोलह हजार तीन सौ छियासी रुपए मात्र एवं Rs. 4,74,109/- चार लाख चौहत्तर हजार एक सौ नौ रुपए मात्र एवं Rs. 1,83,675/- एक लाख तिरासी हजार छः सौ पचहत्तर रुपए मात्र, 17 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं. 226/13/1/2/1, पी.एच. नं. 30/21, प्लॉट नं. 92, वार्ड नं. 1, मौजा शक्तिनगर वार्ड, भूतड़ा कॉलोनी मधुवन, तहसील बरेली, जिला रायसेन, मध्य प्रदेश 464668, क्षेत्रफल 420 वर्ग फीट, पूर्वः प्लॉट नं. 76, पश्चिमः 7.5 मीटर चौड़ा कॉलोनी रास्ता, उत्तरः प्लॉट नं. 91, दक्षिणः प्लॉट नं. 93	17 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060835055590, मैसर्स अंशिका गारमेंट्स जरिए प्रोपराइटर प्रवीण कुमार (ऋणी), नवीन कुमार (सहऋणी), प्रवीण कुमार (सहऋणी), श्रीमती विमला (सहऋणी)	11 नवम्बर 25 Rs. 5,07,911/- पांच लाख सात हजार नौ सौ ग्यारह रुपए मात्र, 10 नवम्बर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पी.एच. नं. 30/22, खसरा नं. 231/41, मौजा धोखेड़ा, तहसील बरेली, जिला रायसेन, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 1302 वर्ग फीट, पूर्वः नरवदा की भूमि, पश्चिमः रोड़, उत्तरः प्रताप सिंह का मकान, दक्षिणः नारायण का मकान	17 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060138348615, मैसर्स रामचरण गल्ला भंडार (ऋणी), रामचरण (सहऋणी), श्रीमती पिंकी बाई (सहऋणी)	22 जनवरी 26 Rs. 3,71,107/- तीन लाख इकहत्तर हजार एक सौ सात रुपए मात्र, 19 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 36, वार्ड नं. 09, ग्राम रोज्या, तहसील खुजनेर, जिला राजगढ़, मध्य प्रदेश, भारत- 465661, क्षेत्रफल 209 वर्ग गज	18 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060122285122 एवं L9001060836634060, जगदीश डांगी (ऋणी), श्रीमती संतोष बाई (सहऋणी), मैसर्स डांगी किराना स्टोर (ऋणी)	19 जनवरी 26 Rs. 3,24,414/- तीन लाख चौबीस हजार चार सौ चौदह रुपए मात्र एवं Rs. 4,35,055/- चार लाख पैंतीस हजार पचपन रुपए मात्र, 17 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 27, पी.एच. नं. 78, वार्ड नं. 02, ग्राम बजरौन, तहसील खिलचीपुर, जिला राजगढ़, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 1056 वर्ग फीट, पूर्वः श्री ब्रजमोहन गुप्ता जी का मकान, पश्चिमः श्री भागीरथ जी का मकान, उत्तरः सार्वजनिक रोड़, दक्षिणः सार्वजनिक रोड़	18 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060143194203, मैसर्स सुमन वस्त्रालय एवं रेडीमेड सिलाई सेंटर जरिए प्रोपराइटर जयराम (ऋणी), जयराम टेलर (सहऋणी एवं स्वर्गीय श्री चंद्र कला के विधिक उत्तराधिकारी - सहऋणी), श्रीमती सीमा बाई (सहऋणी)	05 दिसम्बर 25 Rs. 10,01,991/- दस लाख एक हजार नौ सौ इकरानवे रुपए मात्र, 04 दिसम्बर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 709, ग्राम पडलीयामाता, तहसील सारंगपुर, जिला राजगढ़, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 900 वर्ग फीट, पूर्वः दौलत जी का मकान, पश्चिमः राजपूत जी का मकान, उत्तरः स्थानीय रास्ता, दक्षिणः दूसरी खुली भूमि	18 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060129790072, मैसर्स श्री बालाजी इलेक्ट्रॉनिक सर्विस (ऋणी), श्रीमती सुनीता बाई अमरतलाल (सहऋणी), हरिओम नगर (सहऋणी), अमरतलाल पुरीलाल (सहऋणी)	15 नवम्बर 25 Rs. 3,88,430/- तीन लाख अट्ठासी हजार चार सौ तीस रुपए मात्र, 13 नवम्बर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 188, पी.एच. नं. 85, वार्ड नं. 15, ग्राम खजुरी गोकुल, तहसील खिलचीपुर, जिला राजगढ़, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 799.8 वर्ग फीट, पूर्वः स्थानीय रास्ता, पश्चिमः गिरिराज दुबे का मकान, उत्तरः स्थानीय रास्ता, दक्षिणः मांगीलाल का मकान	18 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060136703093, मैसर्स राजपूत डेयरी (ऋणी), दिलीप सिंह (सहऋणी), श्रीमती माया राजपूत (सहऋणी)	22 जनवरी 26 Rs. 3,56,795/- तीन लाख छप्पन हजार सात सौ पिचानवे रुपए मात्र, 19 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 61, ग्राम देवलीमान जागीर, ग्राम सारंगपुर, जिला राजगढ़, मध्य प्रदेश 465689, क्षेत्रफल 1560 वर्ग फीट	18 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060137030897, मैसर्स कमल ट्रेडर्स (ऋणी), श्रीमती लीला बाई (सहऋणी), कमल सिंह (सहऋणी)	13 नवम्बर 25 Rs. 7,09,110/- सात लाख नौ हजार एक सौ दस रुपए मात्र, 10 नवम्बर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान संपत्ति नं. 101, पी.एच. नं. 4, वार्ड नं. 6, ग्राम रोज्या, तहसील खुजनेर, जिला राजगढ़, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 1450 वर्ग फीट, पूर्वः स्थानीय रास्ता, पश्चिमः स्वयं का प्लॉट, उत्तरः देवीलाल का प्लॉट, दक्षिणः रोड़	18 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060127286352 एवं L9001060834293193, मैसर्स आजीविका हैंडलूम हाउस (ऋणी), श्रीमती सीमा आर्य (सहऋणी), माता दीन आर्य (सहऋणी)	16 दिसम्बर 25 Rs. 8,58,171/- आठ लाख अट्ठावन हजार एक सौ इकहत्तर रुपए मात्र एवं Rs. 1,46,311/- एक लाख छियालिस हजार तीन सौ ग्यारह रुपए मात्र, 11 दिसम्बर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं. 304/1, मौजा अमानगंज, तहसील एवं जिला छतरपुर, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 1500 वर्ग फीट, पूर्वः प्रस्तावित 20 फीट चौड़ी रोड़, पश्चिमः विक्रेता की भूमि, उत्तरः विक्रेता की भूमि, दक्षिणः विक्रेता की भूमि	20 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060136331284, मैसर्स महीप दाल मिल एवं अनाज भंडार जरिए प्रोपराइटर महीप सिंह (ऋणी), विनोद सिंह लोधी (सहऋणी), श्रीमती साधना बाई (सहऋणी), महीप सिंह (सहऋणी)	11 नवम्बर 25 Rs. 9,88,181/- नौ लाख अट्ठासी हजार एक सौ इक्यासी रुपए मात्र, 10 नवम्बर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित (संपत्ति 1) खसरा नं. 62/2 का भाग, पी.एच. नं. 26, तहसील जाबरा, जिला दमोह, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 0.08 हेक्टेयर, पूर्वः फरीद की भूमि, पश्चिमः राजू सिंह की भूमि, उत्तरः बिजौरा जाने के लिए ग्रामीण रोड़, दक्षिणः शेष भूमि तथा संपत्ति स्थित- (संपत्ति 2) खसरा नं. 62/1 का भाग, पी.एच. नं. 26, तहसील जाबरा, जिला दमोह, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 750 वर्ग फीट, पूर्वः फरीद की भूमि, पश्चिमः राजू सिंह की भूमि, उत्तरः बिजौरा ग्राम रोड़, दक्षिणः विक्रेता की शेष भूमि	20 अप्रैल 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060145683634, मैसर्स दीपक सेंटिंग (ऋणी), दीपक शुक्ला (सहऋणी), श्रीमती चयना शुक्ला (सहऋणी)	16 अक्टूबर 25 Rs. 7,37,576/- सात लाख सैंतीस हजार पांच सौ छिहत्तर रुपए मात्र, 10 अक्टूबर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं. 238/1/1/1/1, पी.एच. नं. 43, वार्ड नं. 12, ग्राम एवं तहसील बांदा, जिला सागर, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, पूर्वः रोड़, पश्चिमः स्वयं की भूमि, उत्तरः हनमत, दक्षिणः अमर सिंह	20 अप्रैल 26

ऋणियों द्वारा वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणियों को तथा सामान्य जन को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में उपरोक्त तालिका में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ग्रहण कर लिया है।
ऋणियों का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के साथ सपठित नियम 8(6) की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसके अन्तर्गत प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय अर्थात इस सूचना से 30 दिवस के सम्बन्ध में है।
ऋणियों को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार उपरोक्त तालिका में वर्णित राशि तथा आगे का ब्याज एवं कुल भुगतान होने तक "एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड" (ए शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) के प्रभार के अधीन होगा।
दिनांकः 22.04.2026 स्थानः भोपाल, मप्र — प्राधिकृत अधिकारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

अभिषेक (हैदराबाद)	323
क्लासेन (हैदराबाद)	320
शुभमन गिल (गुजरात)	265

पर्पल कैप (गेंदबाज)

प्रिंस यादव (लखनऊ)	13
अंशुल कंबोज(चेन्नई)	13
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	12

बाउंड्री मीटर

554 छक्के

989 चौके

64 अर्धशतक

68 विकेट के साथ जोफ्रा आर्चर राजस्थान रॉयल्स के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने युजवेंद्र चहल (66) को पीछे छोड़ दिया।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	6	5	0	11	1.420
राजस्थान	7	5	2	10	0.790
बेंगलुरु	6	4	2	8	1.171
हैदराबाद	7	4	3	8	0.820
दिल्ली	6	3	3	6	-0.130
गुजरात	6	3	3	6	-0.821
मुंबई	6	2	4	4	0.067
चेन्नई	6	2	4	4	-0.780
लखनऊ	7	2	5	4	-1.277
कोलकाता	7	1	5	3	-0.879

मैच 32: राजस्थान ने एलएसजी को 40 रन से हराया, पांचवीं जीत के साथ दूसरे नंबर पर पहुंची टीम

घर में लखनऊ की लगातार सातवीं हार

जेएनएन, लखनऊ

रविंद्र जडेजा के हरफनमौला खेल और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 32वें मैच में बुधवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स को 40 रन से शिकस्त दी। इसके साथ ही इस सीजन में मुंबई के बाद लगातार चार मैच हारने वाली लखनऊ दूसरी टीम बन गई। वहीं घरेलू मैदान पर यह लखनऊ की आईपीएल में लगातार सातवीं हार है। इस मामले में टीम ने डेक्कन चार्जर्स और पुणे वॉरियर्स की बराबरी कर ली। दोनों ही टीमों ने हैदराबाद और पुणे में लगातार सात मैच हारे थे। शीर्ष पर दिल्ली है, जिन्होंने अरुण जेटली स्टेडियम में 2013–15 के बीच लगातार नौ मुकाबले गंवाए। जडेजा ने 29 गेंद में नाबाद 49 रन की पारी खेलने के बाद गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 29 रन देकर एक विकेट लिया। राजस्थान ने आठ विकेट पर 159 रन का औसत स्कोर खड़ा करने के बावजूद सुपर जाएंट्स को 18 ओवर में महज 119 रन पर आउट कर 40 रन की बड़ी जीत दर्ज की। जोफ्रा आर्चर (20 रन पर तीन विकेट) और नांद्रे बर्गर (27 रन पर दो विकेट) ने सुपर जाएंट्स के शीर्ष क्रम को झकझोरा, तो वहीं बृजेश शर्मा (18 रन पर दो विकेट), जडेजा और रवि बिश्नोई (23 रन पर एक विकेट) ने मध्य और निचले क्रम को क्रीज पर जमने का मौका नहीं दिया। लखनऊ के लिए मिचेल मार्श ने 41 गेंदों में सबसे ज्यादा 55 रन का योगदान दिया। उन्हें हालांकि दूसरे छोर से किसी और का साथ नहीं मिला। उनके अलावा निकोलस पूरन (22) और हिम्मत सिंह (15) ही दोहरे अंक में रन बना सके। इससे पहले जडेजा के अलावा यशस्वी जायसवाल (22), रियान पराग (20), शिमरॉन हेटमायर (22) और डोनोवन फरेरा (20) को भी अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन कोई भी बड़ा स्कोर नहीं बना सका।

प्लेयर ऑफ द मैच रविंद्र जडेजा 43* रन व 1 विकेट

रॉयल्स का लगातार तीसरे मैच में शीर्ष क्रम फेल

यह लगातार तीसरा मैच है, जब राजस्थान का शीर्ष क्रम पूरी तरह विफल रहा है, जिससे टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही है। तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर शमी ने यशस्वी जायसवाल (22) का विकेट निकालते हुए लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। अगली ही गेंद पर जुरेल गोल्डन डक पर आउट हुए और राजस्थान पर दबाव आ गया। स्टेडियम में आई भीड़ का अधिकतर हिस्सा वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखने के लिए बेकरार थी, लेकिन मोहसिन ने सूर्यवंशी को बांधकर रख दिया। चौथे ओवर में लगातार पांच डॉट गेंद डालने के बाद आखिरी गेंद पर मोहसिन ने वैभव (8) को शॉर्ट गेंद पर फंसा लिया। 32 के स्कोर पर ही तीन विकेट गिरने के बाद कप्तान पराग (20) ने पारी को थोड़ा संभालने की कोशिश की, लेकिन नौवें ओवर की आखिरी गेंद पर वह भी आउट हो गए। हेटमायर ने कुछ अच्छे शॉट्स लगाए, लेकिन 22 के स्कोर पर वह भी पवेलियन लौट गए। 77 के स्कोर पर आधी टीम आउट हो चुकी थी और इस समय अनुभवी जडेजा क्रीज पर मौजूद थे। जडेजा (43*) ने आखिरी ओवर में 20 रन बनाते हुए राजस्थान को 159 तक पहुंचाया।

लखनऊ के 11 रन पर ही गिरे 3 विकेट

जवाब में लखनऊ ने पहले ओवर में ही बदोनी का विकेट रनआउट के रूप में गंवा दिया था। दूसरे ओवर में पंत को नांद्रे बर्गर और तीसरे ओवर में एडन माक्रम को आर्चर ने अपना शिकार बना लिया। 11 के स्कोर पर तीन विकेट गिरने के बाद मार्श और निकोलस पूरन (22) के बीच चौथे विकेट के लिए 41 गेंदों में 43 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद मार्श ने हिम्मत सिंह (15) के साथ 29 गेंदों में 37 रन जोड़े। यहां तक लखनऊ मैच में पूरी तरह बनी हुई थी। हालांकि, 16वें ओवर में बर्गर ने पूरी तरह जम चुके मार्श को चलता करते हुए मैच में राजस्थान की वापसी करा दी। मुकुल से टीम को उम्मीदें थीं, लेकिन वह तीन गेंद ही खेलकर आउट हो गए।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्सः 159/6 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का. पंत बो. शमी	22	12	4	0
वैभव का. राठी बो. मोहसिन	8	11	2	0
ध्रुव जुरेल का. पंत बो. शमी	0	1	0	0
पराग का. पूरन बो. प्रिंस	20	19	2	1
हेटमायर का. प्रिंस बो. मोहसिन	22	18	2	1
रवींद्र जडेजा नाबाद	43	29	2	1
फरेरा का. मोहसिन बो. प्रिंस	20	19	2	0
शिवम दुबे नाबाद	19	11	3	0

अतिरिक्तः 5, **कुलः** 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन, **विकेट पतनः** 1-32, 2-32, 3-32, 4-62, 5-77, 6-110, **गेंदबाजीः** शमी 4-0-30-2, प्रिंस 4-0-29-2, मोहसिन खान 4-1-17-2, मयंक 4-0-56-0, दिग्वेश 4-0-26-0.

लखनऊ सुपर जाएंट्सः 119/10 (18 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
मार्श का. रियान बो. बर्गर	55	41	6	2
आयुष बदोनी रनआउट	0	1	0	0
रिषभ पंत का. जुरेल बो. बर्गर	0	3	0	0
माक्रम का. जुरेल बो. आर्चर	0	6	0	0
पूरन का. फरेरा बो. जडेजा	22	25	3	0
हिम्मत सिंह बो. बिश्नोई	15	15	0	1
मुकुल का. रियान बो. बृजेश	7	3	0	1
मोहम्मद शमी बो. बृजेश	6	4	0	1
मयंक का. जुरेल बो. आर्चर	5	5	1	0
दिग्वेश राठी नाबाद	2	2	0	0
मोहसिन खान बो. आर्चर	0	3	0	0

अतिरिक्तः 7, **कुलः** 18 ओवर में 119 रन पर सभी आउट, **विकेट पतनः** 1-9, 2-10, 3-11, 4-54, 5-91, 6-105, 7-111, 8-113, 9-119, 10-119, **गेंदबाजीः** आर्चर 4-1-20-3, बर्गर 4-0-27-2, बृजेश 3-0-18-2, जडेजा 4-0-29-1, रवि बिश्नोई 3-0-23-1.

इस सीजन खराब फॉर्म में चल रही दोनों टीमों के बीच वानखेड़े स्टेडियम में मुकाबला

एल क्लासिको: दो दिग्गज टीम सीएसके और मुंबई इंडियंस के बीच भिड़ंत आज

जेएनएन, मुंबई

आईपीएल 2026 में गुरुवार को एल-क्लासिको मुकाबले में मुंबई इंडियंस का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। इस सीजन में अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली मुंबई और सीएसके जब आमने-सामने होंगी तो वे अपने पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी की संभावित वापसी पर नजर रखकर अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेंगी। रोहित (हैमस्ट्रिंग) और धोनी (पिंडली में खिंचाव) वापसी की राह पर हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या इनमें से कोई भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए मैदान पर उतरेगा। रोहित और धोनी बुधवार को अपनी-अपनी टीमों की ट्रेनिंग किट में नजर आए और बल्लेबाजी अभ्यास करते दिखे। इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि अब तक पांच-पांच खिताब जीतने वाली यह दोनों टीम कई समस्याओं से जूझ रही हैं। सीएसके लगातार दो मैचों में हार के सिलसिले को तोड़ने के लिए बेताब होगा। दोनों टीम के अभी चार-चार अंक हैं। मुंबई बेहतर नेट रन रेट के कारण सीएसके से आगे है। अंक तालिका में निचले पायदानों पर चल रहीं आईपीएल की दो सबसे सफल टीमों के बीच अब तक 39 मुकाबले हुए हैं, जिसमें मुंबई को 21 और सीएसके को 18 में जीत मिली है। वानखेड़े में हुए 13 मुकाबलों में भी मुंबई की टीम 8-5 से आगे है। लेकिन 2023 से दोनों टीमों के बीच हुए पांच मुकाबलों में मुंबई सिर्फ एक ही मैच जीत पाई है।

अकील बनाम डिकॉक

डीकॉक को जब पंजाब के खिलाफ इस सीजन पहली बार मौका मिला, तो उन्होंने इसे शतक के साथ भुनाया। हालांकि अगले मैच में गुजरात के खिलाफ वह सस्ते में आउट हो गए। सीएसके को अगर उन्हें रोकना है, तो अकील हुसैन नई गेंद संभाल सकते हैं। वह डीकॉक को पांच बार टी-20 मैचों में आउट कर चुके हैं, जबकि डीकॉक उन पर सिर्फ 132 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं।

जारी रह सकती है सैमसन की कंसिस्टेंसी की खोज

सैमसन ने दिल्ली के खिलाफ सीजन का पहला शतक लगाया, अगले मैच में कोलकाता के खिलाफ भी 48 रनों की पारी खेली, लेकिन छह में से चार पारियों में वह दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर पाए हैं। मुंबई के खिलाफ उनका संघर्ष जारी रह सकता है। ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर और मिचेल सैंटनर उन्हें तीन-तीन बार, जबकि हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह उन्हें दो-दो बार अपना शिकार बना चुके हैं। हार्दिक के खिलाफ उनके 179 के स्ट्राइक रेट को छोड़ दिया जाए, तो अन्य गेंदबाजों के खिलाफ वह 140 से भी कम स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। सैंटनर के खिलाफ चार पारियों में तो उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 57 का है, जबकि बुमराह के खिलाफ भी वह सिर्फ 105 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। सीएसके के कप्तान गायकवाड़ भी फॉर्म से जूझ रहे हैं और छह पारियों में उनके नाम एक भी 30+ का स्कोर नहीं है। बोल्ट उन्हें परेशान कर सकते हैं, जिनके खिलाफ छह पारियों में वह तीन बार आउट हुए हैं।

अभिषेक शर्मा 2.0: भविष्य का पिंच हिटिंग एंकर

पहली बार पूरे 20 ओवर बल्लेबाजी की

जेएनएन, हैदराबाद

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अभिषेक शर्मा ने पारी की पहली और आखिरी गेंद खेली। इस समझौते का मतलब यह था कि उन्होंने कम से कम 30 रन कम बनाए, जितने वह बना सकते थे। फिर भी उन्होंने जितना बनाया, वह ज्यादातर खिलाड़ी नहीं बना पाते। साफ तौर पर कहें तो अभिषेक ने 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाए, जो आईपीएल इतिहास का पांचवां सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। इस पारी के दौरान उन्होंने गेंदबाजों को हर तरफ मारा, जैसे यह उनका रोज का काम हो। अभिषेक ने पिछले सीजन पंजाब के खिलाफ 55 गेंदों में 141 रन बनाए थे। तब उनका स्ट्राइक रेट 256.36 था, जो मंगलवार के उनके स्ट्राइक रेट से 57.84 ज्यादा था। तब हैदराबाद 246 रन का पीछा कर रही थी। इस बार उन्हें पहली पारी का स्कोर खड़ा करना था और उन्होंने 242 रन बनाए। दोनों मैचों में मैच का नतीजा लगभग एक जैसा रहा, लेकिन अलग-अलग स्ट्राइक रेट एक बड़ा सवाल उठाते हैं। अभिषेक ने दिल्ली के खिलाफ वैसी पारी क्यों खेली, जो उनकी क्षमता से धीमा है? वह उसी शीर्ष क्रम के साथ अपने घरेलू मैदान हैदराबाद में खेल रहे थे, जो टी-20 बल्लेबाजी के लिए स्वर्ग है।

विकेट धीमा था, इसलिए प्लान बदला

जिस तरह हमने शुरुआत की, हमारी योजना थी कि पावरप्ले का इस्तेमाल करें। लेकिन विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हमें योजना बदलनी पड़ी। हम पावरप्ले का इस्तेमाल करना चाहते थे, क्योंकि आपको नहीं पता होता कि पार स्कोर क्या होगा। अपने घरेलू मैदान पर बल्लेबाजी करते हुए भी वह अनिश्चितता में थे। उन्होंने खुद को थोड़ा रोका, लेकिन शायद एक और वजह थी कि उन्होंने जोखिम कम लिया। साथ ही उन्होंने एक और दिलचस्प बात कही, मेरे पास योजना था। सहायक कोच जेम्स फ्रैंकलिन चाहते थे कि मैं 20वें ओवर तक बल्लेबाजी करूं। यह पहली बार है जब मैंने आईपीएल में पूरे 20 ओवर खेले।

90 प्रतिशत कंट्रोल

दिल्ली के खिलाफ उनका कंट्रोल प्रतिशत 90 प्रतिशत के आसपास रहा। डेथ ओवर्स में कुछ शॉट्स मिस होने पर यह 85 प्रतिशत पर आ गया, जो फिर भी काफी अच्छा है। नियंत्रण में रहने के लिए उन्होंने अपनी बल्लेबाजी को अपनी सबसे बड़ी ताकत पर केंद्रित किया- छक्के मारना। पिछले साल पंजाब के खिलाफ उन्होंने 10 छक्के लगाए थे। आज भी उन्होंने 10 छक्के लगाए।

- दिल्ली के खिलाफ उन्होंने 13 गेंद ज्यादा खेलीं, लेकिन चौके चार कम लगाए। टी-20 में चौका सुरक्षित माना जाता है, लेकिन अभिषेक जैसे बल्लेबाज के लिए हर वह गेंद जो बाउंड्री के अंदर गिरती है, जोखिम भरी होती है। वहां फील्डर होते हैं। इसलिए उन्होंने वही गेंदें अटैक कीं, जिन्हें वह स्टेडियम के बाहर भेज सकते थे।
- अभिषेक ने पहले कभी पूरी पारी नहीं खेली थी और यह उनके लिए नया था। वह आमतौर पर लंबी पारी के लिए नहीं, बल्कि तेज रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। भारत के लिए टी-20 में ओपनिंग करते हुए वह 10-12 गेंदों में 40 रन बनाकर आउट हो सकते हैं।

खेल एक नजर

कोच पर हमले के आरोप में पुडुचेरी के तीन क्रिकेटर निलंबित

पुडुचेरी, जेएनएन। पुडुचेरी क्रिकेट संघ (सीएपी) ने बुधवार को घोषणा की कि उसने पिछले साल आठ दिसंबर को अंडर-19 राज्य टीम के कोच वेंकटरामन पर हमला करने के आरोप में अपने प्रथम श्रेणी के तीन क्रिकेटरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ये तीनों खिलाड़ी (जे. कार्तिकेयन, ए. अरविंदराज और एस. संतोष कुमारन) हाल के वर्षों में रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पुडुचेरी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अरविंदराज ने भी पिछले घरेलू सत्र में इस केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था। सीएपी के मुताबिक, तीनों पर वेंकटरामन की हत्या के प्रयास और उन पर हमले का आरोप लगाया गया है।

सैफ चैंपियनशिप: बांग्लादेश और मालदीव के साथ ग्रुप-बी में भारत

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को 25 मई से छह जून तक गोवा के मडगाव में होने वाली सैफ महिला चैंपियनशिप में बांग्लादेश और मालदीव के साथ ग्रुप-बी में रखा गया है। नेपाल, श्रीलंका और भूटान ग्रुप-ए में हैं। ढाका में बुधवार को सैफ सचिवालय में ड्रॉ डाले गए, जिसके अनुसार प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। पाकिस्तान ने अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया है। भारत दूसरी बार सैफ महिला चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इससे पहले उसने 2016 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में इसकी मेजबानी की थी।

बांग्लादेश पर धीमी ओवर गति के लिए 10 प्रतिशत जुर्माना

ढाका, जेएनएन। आईसीसी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे पुरुष वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में धीमी ओवर गति के लिए बांग्लादेश टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया। आईसीसी मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने यह जुर्माना लगाया है, क्योंकि मेहदी हसन मिराज की टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके थे। आईसीसी ने कहा कि खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से संबंधित नियम 2.22 के अनुसार किसी टीम के निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने के लिए उसके खिलाड़ियों पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

एकल में लगातार दसवीं हार के बावजूद फ्रेंच ओपन में खेलना चाहती हैं वीनस

मैड्रिड, जेएनएन। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी वीनस विलियम्स महिला एकल में लगातार दसवां मैच हारने के बावजूद अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खेलना चाहती हैं। यह 45 वर्षीय खिलाड़ी मैड्रिड ओपन में स्पेन की 20 वर्षीय खिलाड़ी कैटलिन क्वेडो से 6-2, 6-4 से हार गई। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस ने कहा कि मैं लंबे समय से क्ले कोर्ट पर नहीं खेली थी और मैं इसमें खेलने का अनुभव लेना चाहती थी। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से मैं इटालियन ओपन में नहीं खेल पाऊंगी, क्योंकि मेरी कुछ प्रतिबद्धताएं हैं। मेरे पति इटालियन हैं, इसलिए हमें भी दुख है कि हम वहां नहीं जा सकते। लेकिन (फ्रेंच ओपन की तैयारी के लिए) हम क्ले कोर्ट पर खेलना जारी रखना चाहेंगे। वीनस ने पांच साल से मैड्रिड में कोई मैच नहीं खेला था। क्ले कोर्ट पर उनका आखिरी टूर्नामेंट 2021 फ्रेंच ओपन था, जहां वह अपने पहले मैच में ही एकातेरिना एलेक्सांद्रोवा से हार गई थीं। उन्होंने कहा कि मैंने मियामी ओपन के कुछ हफ्ते बाद क्ले कोर्ट पर अभ्यास शुरू कर दिया था।

चार हार के बाद जीता रियाल मैड्रिड एमबाप्पे-विनीसियस ने दागे गोल

मैड्रिड, जेएनएन। काइलियन एमबाप्पे और विनीसियस जूनियर ने एक-एक गोल किया, जिससे रियाल मैड्रिड ने अलावेस को 2-1 से हराकर चार मैचों के बाद पहली जीत का स्वाद चखा। इस जीत से वह स्पेनिश लीग फुटबाल टूर्नामेंट ला लीगा में शीर्ष पर मौजूद बार्सिलोना के करीब पहुंच गया है। सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में मिली जीत के बाद रियाल मैड्रिड अब बार्सिलोना से छह अंक पीछे रह गया है। बार्सिलोना के 31 मैच में 79 और रियाल मैड्रिड के 32 मैच में 73 अंक हैं। बायर्न म्यूनिख से हारने के कारण चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद रियाल मैड्रिड का यह पहला मैच था। रियाल मैड्रिड को बायर्न से अपने घरेलू मैदान पर 2-1 से और दूसरे चरण में जर्मनी में 4-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

सिटी स्पोर्ट्स

डेफ ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई कनिष्का

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश ताइक्वांडो अकादमी की खिलाड़ी कनिष्का शर्मा का चयन दूसरी एशिया पैसिफिक डेफ ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए हुआ है। यह चैंपियनशिप एक से सात जून तक कजाकिस्तान में खेली जाएगी। कनिष्का ने 17 अप्रैल को महाराष्ट्र के ठाणे में आयोजित चयन ट्रायल्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी जगह पक्की की। फाइनल मुकाबले में उन्होंने साई की खिलाड़ी को हराकर निर्णायक जीत हासिल की।

भोपाल डिवीजन की लगातार तीसरी जीत

भोपाल, खेप्र। भोपाल ने सीनियर विमेंस जेएस आनंद ट्रॉफी इंटर डिविजनल लिमिटेड ओवर क्रिकेट टूर्नामेंट में शहडोल को 71 रनों से हराया। टूर्नामेंट में भोपाल की लगातार तीसरी जीत है। भोपाल ने निर्धारित 50 ओवर में 5 विकेट पर 203 रन बनाए। निकिता ने 71 रन बनाए, जबकि सौम्या तिवारी ने 32 और श्रेया दीक्षित ने 26 रन बनाए। शहडोल की संस्कृति गुप्ता ने 4 विकेट लिए। शिवानी शुक्ला को एक विकेट मिल। जवाब में शहडोल 40.4 ओवर में 132 रन पर ऑलआउट हो गई। संस्कृति ने सर्वाधिक 72 रन बनाए।

मयंक अकादमी ने वीएस को 144 रन से हराया

भोपाल, खेप्र। मयंक चतुर्वेदी अकादमी ने शहीद अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट में वीएस अकादमी को 144 रनों से शिकस्त दी। ओल्ड कैंपियन मैदान पर मयंक अकादमी ने 40 ओवर में 232 रन बनाए। आर्यवीर ने 73 और ऋषभ पांडे ने 61 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। वीएस अकादमी के वंश बाथम ने तीन और प्रियांशु ने दो विकेट लिए। जवाब में वीएस अकादमी 89 रन पर सिमट गई।

मेजबान एलएनसीटी ने जीते दो रजत पदक

भोपाल। मेजबान एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जू-जित्सु प्रतियोगिता में दो रजत पदक जीते। प्रतियोगिता में फाइटिंग सिस्टम एवं फल कॉन्टैक्ट स्पर्धाएं हुईं। फुल कॉन्टैक्ट महिला-52 किग्रा में एलएनसीटी की प्रिया ठाकुर ने रजत पदक प्राप्त किया। इस वर्ग में कृष्णा कांत हांडिक्वी स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी की रिया देउरी ने स्वर्ण पदक जीता। 57 किग्रा में कुमाऊं विश्वविद्यालय की कौशल्या गुप्ता ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि एलएनसीटी की रेणु ने रजत पदक हासिल किया। फाइटिंग सिस्टम 57 किग्रा में राजीव गांधी यूनिवर्सिटी की दुगी लुलु ने स्वर्ण पदक जीता।

भाऊ साहेब निंबालकर ट्रॉफी: भोपाल ने रेस्ट ऑफ एमपी-बी को 284 रन से हराकर जीता खिताब

भोपाल, खेप्र। भोपाल डिवीजन ने रेस्ट ऑफ एमपी-बी टीम को 284 रनों के बड़े अंतर से हराकर अंडर-18 बॉयज भाऊ साहेब निंबालकर ट्रॉफी (चार दिवसीय) का खिताब अपने नाम किया। जबलपुर के नीमखेड़ा मैदान पर अंतिम दिन कल के स्कोर 3/22 रन से आगे खेलते हुए रेस्ट ऑफ एमपी बी 47.4 ओवर में 122 रन पर सिमट गई। शिखर देशमुख ने 31 और शिवम पटेल ने 29 रन बनाए।

भोपाल के ओजस शुक्ला ने 3, जबकि रबजीत सिंह मल्ही और नैतिक जैन ने 2-2 विकेट लिए। भोपाल ने पहली पारी में 270 रन बनाए। इसके जवाब में रेस्ट ऑफ एमपी-बी 156 रन बना पाई। इस तरह भोपाल डिवीजन ने पहली पारी में 114 रन की बढ़त ली। दूसरी पारी में भोपाल ने 292/9 रन पर पारी घोषित कर दी और रेस्ट ऑफ एमपी को 407 रन का बड़ा लक्ष्य दिया।

संक्षिप्त समाचार

मिर्जापुर में भीषण हादसा 11 लोगों की मौत

मिर्जापुर, जेएनएन। उप्र के मिर्जापुर के ड्रमंडगंज इलाके में बुधवार रात एक भीषण हादसे में दो ट्रकों की चपेट में आने से दो कारों पर सवार 11 लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक रजत कौशिक ने घटना के बारे में संवाददाताओं को बताया कि रात लगभग साढ़े आठ बजे पुलिस को एक सूचना मिली कि ड्रमंडगंज घाटी से नीचे उतरते वक्त एक ट्रक सम्भवतः ब्रेक फेल होने के कारण एक अन्य ट्रक से टकरा गया और उनके बीच एक कार फंस गयी। उन्होंने बताया कि ट्रक ने एक अन्य कार को भी टक्कर मारी जिससे उसमें आग लग गयी। कौशिक ने बताया कि इसकी सूचना पर तत्काल पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य तत्काल प्रभाव से शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में अभी तक 11 लोगों की मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई है।

चंडीगढ़ पुलिस के सामने पेश नहीं हुईं मधु किश्वर

चंडीगढ़/ नई दिल्ली, जेएनएन। प्रसिद्ध लेखिका मधु किश्वर बुधवार को चंडीगढ़ पुलिस के सामने पेश नहीं हुईं।

पुलिस ने उन्हें एक मिसलीडिंग वीडियो केस में पूछताछ के लिए नोटिस दिया था, जो उनके दिल्ली स्थित आवास पर जाकर सौंपा गया। मधु किश्वर के मुताबिक 20 अप्रैल की रात करीब पांच पुलिसकर्मी (दो महिला कर्मी सहित) उनके घर पहुंचे। उस समय वह वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं, इसलिए पुलिस से इंतजार करने को कहा। उन्होंने कहा कि रात में पुलिस का आना उचित नहीं लगता। चंडीगढ़ में दर्ज एफआईआर में आरोप है कि एक वीडियो को गलत पहचान के साथ सोशल मीडिया पर वायरल किया। इससे एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की छवि को नुकसान पहुंचाने व समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश की गई।

बंगाल में 478, तमिलनाडु में 4023 उम्मीदवार आजमा रहे किस्मत

बंगाल में 152 तो तमिलनाडु में सभी सीटों के लिए वोटिंग आज

पश्चिम बंगाल में भाजपा और टीएमसी ने झोंकी पूरी ताकत

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में आज 16 जिलों की 152 सीटों पर विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान होगा। इस चरण में 1478 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा।

उधर, तमिलनाडु में भी गुरुवार को राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में मतदान होगा। राज्य में 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। एक ओर तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर एक ही झटके में सत्ता का फैसला होने जा रहा है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में अगले कई हफ्तों तक चलने वाली सियासी बिसात के पहले चरण में 152 सीटें के लिए वोट डाले जाएंगे।

पश्चिम बंगाल के पहले चरण का मतदान क्यों है खास?: पश्चिम बंगाल में पहले चरण के लिए वोटिंग होगी, इस मतदान से ही यह तय कर देगा कि बंगाल में किस ओर हवा बह रही है। भाजपा और टीएमसी दोनों ने ही इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पहले चरण में बंगाल की 152 सीटों पर मतदान होगा। इसमें 3.6 करोड़ वोटर्स हिस्सा लेंगे। 1478 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने के लिए 44000 से अधिक पोलिंग बूथ तैयार हैं। नंदीग्राम से लेकर दार्जिलिंग की पहाड़ियों तक, सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच बंगाल अपनी नई सरकार की पहली सीढ़ी चढ़ेगा।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले चेन्नई में एक कार की जांच करते सीआरपीएफ के जवान।

तमिलनाडु-बंगाल में 1072 करोड़ की जब्ती

चुनाव आयोग ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि 2026 के विधानसभा चुनावों और उप-चुनावों के दौरान तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अवैध नकदी, शराब, नशीले पदार्थों, सोने-चांदी सहित कुल जब्ती का आंकड़ा 1,072.13 करोड़ रुपये पहुंच गया है। चुनाव से पहले ईसीआई की कार्रवाई ताबड़तोड़ जारी है। आयोग के अनुसार, 26 फरवरी से 22 अप्रैल 2026 तक, दोनों राज्यों में कुल 1,072.13 करोड़ रुपये की जब्तियां की गई हैं। इनमें तमिलनाडु में 599.24 करोड़ रुपये और पश्चिम बंगाल में 472.89 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त हुई है। चुनावी उल्लंघनों से जुड़ी जब्तियों में दोनों राज्यों में जबरदस्त वृद्धि दर्ज हुई है।

पीएम को आतंकी कहने पर खरगे को आयोग का नोटिस

नई दिल्ली, जेएनएन। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए विवादित आतंकवादी बयान को लेकर नोटिस जारी किया है। आयोग ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए 24 घंटे के भीतर जवाब तलब किया है। चुनाव आयोग की इस कार्रवाई पर कांग्रेस ने कहा कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार का संलग्न कार्यालय है।

भाजपा गुजरात से ला रही मतदाता: टीएमसी

डेरेक ओ ब्रायन

तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। टीएमसी का आरोप है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले, 48 घंटे की साइलेंस पीरियड (मौन अवधि) के दौरान भाजपा ने सूरत से बंगाल के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर उतरा राफेल

सुलतानपुर, जेएनएन। यूपी के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार दोपहर 2 बजे लड़ाकू विमानों का एयर शो शुरू हुआ। करीब 3 घंटे चले एयर शो में सबसे पहले वायु सेना के सी 295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ने एक्सप्रेस-वे पर बने रनवे पर लैंडिंग की। इसके बाद जगुआर ने उड़ान भरी। राफेल, सुखोई और मिराज फाइटर जेट्स ने भी टेकऑफ और लैंडिंग की। सेना के एम 17 हेलीकॉप्टर से कमांडोज ने सैन्य ऑपरेशन की मॉक ड्रिल की। एम 32 भीष्म एयर क्राफ्ट ने भी एयर स्ट्रिप पर टच एंड गो का अभ्यास किया। आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए एक्सप्रेस-वे पर 3.2 किमी लंबी इमरजेंसी एयरस्ट्रिप बनाई गई है। इस एयर शो को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी है। 6 घंटे चलने वाले एयर शो के लिए 5 किलोमीटर का एरिया सील कर दिया गया है।

आई-पैक रेड मामले में सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

हकीकत से आंखें नहीं मूंद सकते

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आई-पैक रेड मामले में कथित हस्तक्षेप को लेकर कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि वह 'जमीनी हकीकत से आंखें नहीं मूंद सकती' और मौजूदा हालात लोकतंत्र के लिए चिंताजनक हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सुनवाई के दौरान तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी भी राज्य का सीएम जांच के दौरान सीधे मौके पर नहीं जा सकता। ऐसा करना 'लोकतंत्र को खतरे में डालने' जैसा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला केंद्र बनाम राज्य का विवाद नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के आचरण से जुड़ा है, जो संयोग से मुख्यमंत्री है।

कोर्ट की टिप्पणी: यह असाधारण स्थिति

बेंच में शामिल जजों ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच हालात 'असाधारण' हैं। अदालत केवल सैद्धांतिक कानूनी दलीलों पर नहीं, बल्कि जमीनी परिस्थितियों पर भी ध्यान देगी। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि पहले भी राज्य में न्यायिक अधिकारियों को घेरने जैसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जो चिंताजनक हैं।

मध्यावधि चुनाव से पहले बढ़ी रिपब्लिकन की चिंता, अधिकांश लोग ट्रंप के खिलाफ

लोकप्रियता में गिरावट: 63 फीसदी अमेरिकी ट्रंप के कामकाज से असंतुष्ट

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका में होने वाले मध्यावधि चुनावों में अब केवल छह महीने का समय शेष है, लेकिन इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बुरी खबरें सामने आ रही हैं। हालिया ओपिनियन पोल्स (मतदान सर्वेक्षण) के अनुसार, अर्थव्यवस्था, अप्रवासन और ईरान संघर्ष जैसे प्रमुख मुद्दों पर ट्रंप के प्रबंधन से जनता का भरोसा कम होता दिख रहा है। यह गिरावट न केवल ट्रंप बल्कि उनसे जुड़े रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंची अप्रूवल रेटिंग: रॉयटर्स-इप्सोस, स्ट्रेंथ और एपी-एनओआरसी द्वारा किए गए तीन अलग-अलग सर्वेक्षणों में राष्ट्रपति ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग 33 प्रतिशत से 36 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई। यह उनके कार्यकाल के सबसे निचले स्तर पर है।

एनबीसी के मुताबिक
- 29 प्रतिशत लोगों के लिए अर्थव्यवस्था सबसे बड़ा मुद्दा है।
- 24 प्रतिशत लोग लोकतंत्र के खतरों को लेकर चिंतित हैं।
- 12 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवा और 10 प्रतिशत अपराध को प्राथमिकता दे रहे हैं।

अर्थव्यवस्था: एपी-एनओआरसी के सर्वे के अनुसार, 70 प्रतिशत अमेरिकियों का मानना है कि देश की आर्थिक स्थिति खराब है। ट्रंप के आर्थिक प्रबंधन को केवल 30 प्रतिशत लोगों ने सराहा है, जो मार्च में 38 प्रतिशत था।

महंगाई: जीवन यापन की बढ़ती लागत पर केवल 23 प्रतिशत जनता ने ट्रंप का समर्थन किया है, जबकि 76 प्रतिशत लोग उनके कामकाज से असंतुष्ट हैं।

प्रवासन नीति और हिंसक झड़पों का असर: रॉयटर्स-इप्सोस के पोल में पाया गया कि ट्रंप की प्रवासियों को देश निकाला देने की नीति रिपब्लिकन पार्टी को भारी पड़ सकती है। 52 प्रतिशत अमेरिकियों ने कहा कि वे उन उम्मीदवारों को वोट देने की संभावना कम रखते हैं जो ट्रंप की निर्वासन नीति का समर्थन करते हैं। जनवरी 2025 में पदभार संभालने के समय इस नीति को 50 प्रतिशत समर्थन प्राप्त था, जो अब घटकर 40 प्रतिशत रह गया है। मिनेपोलिस में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा एजेंटों के बीच हुई झड़पों में दो लोगों की मौत के बाद प्रशासन ने प्रवासियों को हिरासत में लेने की प्रक्रिया धीमी कर दी है।

पंजाब के बेअदबी कानून को हाई कोर्ट में चुनौती

चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए सख्त बेअदबी कानून जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 की कानूनी वैधता को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। जालंधर निवासी 43 वर्षीय सिमरनजीत सिंह ने व्यक्तिगत रूप से यह याचिका दायर की है। याचिका में इस नए कानून को रद्द करने की मांग की गई है, जिसमें बेअदबी के मामलों में उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। फिलहाल कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई के लिए कोई तारीख तय नहीं की है। याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि यह अधिनियम संविधान के अनुच्छेद 254(2) का उल्लंघन करता है। याचिका के अनुसार, चूंकि यह कानून आपराधिक दंड (समवर्ती सूची) से संबंधित है और मौजूदा केंद्रीय कानून भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के विपरीत है।

होमस्टे में रुकी अमेरिकी महिला से रेप

बेंगलुरु, जेएनएन। कर्नाटक के कूर्ग हिल स्टेशन से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां दो युवकों पर आरोप है कि उन्होंने होमस्टे में एक अमेरिकी महिला टूरिस्ट से रेप किया। पीड़ित महिला अमेरिका की रहने वाली है और वह कट्टा गांव में स्थित एक होमस्टे में रुकी थी। पुलिस ने इस मामले में होमस्टे के मालिक और एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी की पहचान झारखंड के रहने वाले बृजेश कुमार के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने महिला के ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाया और फिर होमस्टे में ही उसके साथ रेप किया। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसे ड्रिंक में नशे की कोई चीज मिलाकर दी गई थी। जांच में पुलिस को पता चला कि इस मामले में होमस्टे का मालिक भी शामिल था। उसने पूरी घटना को दबाने की कोशिश की।

दिल्ली में आईआरएस अफसर की बेटी से घर में रेप के बाद हत्या

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के कैलाश हिल्स इलाके में बुधवार सुबह एक सीनियर आईआरएस अफसर के घर में उनकी 22 साल की बेटी की रेप के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 6 बजे हुई। आईआरएस अफसर और उनकी पत्नी रोज की तरह जिम गए हुए थे। वह यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। शुरुआती जांच के अनुसार, उसके साथ पहले रेप किया गया। फिर मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर हत्या की गई। घटना के करीब 14 घंटे बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी, पूर्व नौकर 19 साल के राहुल मीणा को गिरफ्तार किया। वह द्वारका के एक होटल में छिपा हुआ था।

सरप्राइज का झांसा देकर युवती ने बॉयफ्रेंड को जिंदा जलाया

बेंगलुरु, जेएनएन। कर्नाटक के बेंगलुरु में पुलिस ने बुधवार को एक युवती को बॉयफ्रेंड की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवती ने 21 अप्रैल को सरप्राइज देने का झांसा देकर युवक की आंखों पर पट्टी बांधी। फिर कुर्सी पर बैठाकर रस्सी से हाथ-पैर बांधे और जिंदा जला दिया। युवती ने बॉयफ्रेंड की मौत का वीडियो भी बनाया। आरोपी प्रेमा और मृतक किरण, दोनों 27 साल के थे। दोनों शहर के राजाजीनगर स्थित मोबाइल स्टोर में साथ काम करते थे।

क्रिकेटर हरलीन देओल के साथ फोटो डालकर फंसे युजवेंद्र!

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। वैसे तो उनकी टीम आईपीएल 2026 की पॉइंट्स टेबल में टॉप पर चल रही है, लेकिन युजी की एक नई फोटो ने इंटरनेट पर हंगामा मचा दिया है। हाल ही में चहल ने भारतीय महिला टीम की स्टार क्रिकेटर हरलीन देओल के साथ एक फोटो शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब भी हम मैदान पर कदम रखते हैं, हर बार जादू बिखेरते हैं। युजी ने तो यह फोटो एक दोस्त और साथी खिलाड़ी के नाते डाली थी, लेकिन ट्रोलर्स ने इसे तुरंत आड़े हाथों ले लिया। लोगों ने कमेंट सेक्शन में हरलीन देओल को चहल से सावधान रहने तक की सलाह दे डाली। यह सारा बवाल एक्ट्रेस और डिजिटल क्रिएटर तानिया चटर्जी (गंदी बात फेम) के एक खुलासे से शुरू हुआ है। तानिया ने हाल ही में दावा किया कि साल 2023 में युजवेंद्र चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर क्यूट लिखकर मैसेज (डीएम) किया था।

2017-18 के मुकाबले 2025 में दोगुना हुआ आंकड़ा

भारत में बीमारी का बोझ बढ़ा: 7.5 से बढ़कर 13 प्रतिशत हुई बीमारी दर

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में स्वास्थ्य को लेकर एक चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। हालिया सर्वे के मुताबिक 2025 में हर 8 में से 1 भारतीय (करीब 13 फीसदी) ने पिछले 15 दिनों में बीमार होने की बात कही है, जबकि 2017-18 में यह आंकड़ा सिर्फ 7.5 फीसदी था। यानी कुछ ही वर्षों में बीमारी का बोझ लगभग दोगुना हो गया है।

सर्वे में सबसे बड़ा बदलाव लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों में देखा गया। दिल, डायबिटीज, थायरॉइड और हाइपरटेंशन जैसी बीमारियों से ग्रसित लोगों का हिस्सा अब लगभग आधी आबादी तक पहुंच गया है। 2025 में 25.6 फीसदी लोगों ने दिल की बीमारी की शिकायत की जबकि 2017-18 में यह 16.7 फीसदी था। वहीं मेटाबॉलिक और एंडोक्राइन बीमारियां 24.2 फीसदी (पहले 15 फीसदी) तक पहुंच गई हैं। यह संकेत देता है कि बदलती जीवनशैली, खानपान और तनाव का असर स्वास्थ्य

पर साफ दिख रहा है। यह सर्वे साफ दिखाता है कि भारत में बीमारियों का स्वरूप बदल रहा है— संक्रामक रोग कम हो रहे हैं, लेकिन लाइफस्टाइल बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। साथ ही इलाज का बढ़ता खर्च और बढ़ती बीमारी दर यह संकेत देती है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य व्यवस्था और नीतियों को और मजबूत करना जरूरी होगा, खासकर रोकथाम और जागरूकता पर ध्यान देने की जरूरत है।

MADHUR CARGO
Packers & Movers
A Unit of Shree Madhur Transport Co.
Contact : 9713068681
OUR SERVICES
HOUSE HOLD SERVICE
LOADING/UNLOADING
MOVING & SHIFTING
PACKING SERVICE
OFFICE SHIFTING
TRANSPORTATION PAN INDIA
24/7 Hours Service
SAFE & ECONOMICAL MOVING SERVICE
B-34, Madhur Plaza Near Gurudwara Transport Nagar Kokta, Bhopal PIN-462028

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम मर्यादित
पर्यटन भवन, भदभदा रोड, भोपाल-462003
फोन नं. : +91 755-4027100, 2774340,42, www.mpstdc.com
क्रमांक : 183/यांत्रिकी/पविनि/26 दिनांक : 22.04.2026
निविदा सूचना 152/2026_STDC_502374_1
मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम भोपाल द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा प्रपत्र APPENDIX 2.10 पर म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:- जिला सतना में चित्रकूट परिक्रमा पथ पर जन सुविधाओं की वृद्धि हेतु विकास कार्य आंतरिक विद्युतीकरण सहित। (04 माह) कार्य की लागत राशि रु. 496.00 लाख**
वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्युमेंट) वेबसाइट के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 07.05.2026 समय सायं 05:00 बजे तक** निर्धारित है। कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
म.प्र. माध्यम/125443/2026 कार्यपालन यंत्री

दैनिक जागरण वर्गीकृत
जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG
RATE 490/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD
बैंक ऑफिस : सुरी आर्केड, 6ए एवं 6बी गोविंद गार्डन, बिजली नगर कालोनी के सामने, रायसेन रोड़ गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) फोन - 0755-4063110-11/9981950808

परिशिष्ट-IV नियम 8 (1) आधिपत्य सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरकर्ता एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि. का अधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित ऋणधरियों की ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋणी ग्रहित राशि का भुगतान करने में असफल रहा है अतः ऋणी ग्रहिता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम (8) के साथ पढ़ा जाये एतरिमन नीचे वर्णित संपत्ति का आधिपत्य को ग्रहण कर लिया गया है। ऋण ग्रहिता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्नवर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सपंत्ति के साथ कोई भी व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये निम्न खाते के सामने अंकित एलआईसी हाऊसिंग लि., भोपाल प्रभार के अधीन होगा।

क्रं.	खातेदार का नाम	संपत्ति विवरण	मांग सूचना/ कब्जा तिथि	उल्लेखित राशि मांग सूचना पत्र में
1	**श्री अंकित राठौर, श्री अशोक कुमार राठौर** पताः मकान नंबर 79, तुलसी विहार कॉलोनी अवधपुरी खजूरी कलां भोपाल **लोन नं.**120100010607	फ्लैट नं. HIG-201, दूसरी मंजिल, ब्लॉक नं. A, तुलसी विहार फेज-II, ग्राम खाजूरी कलां, वार्ड नं.61, जनपद पंचायत फंदा, पटवारी हल्का नं. 19/31, R.N.M. 02, तहसील हुजूर, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश में स्थित संपत्ति का वह भाग जिसका कारपेट एरिया 807 वर्ग फुट है। सीमाऐं इस प्रकार हैं : - पूर्व में फ्लैट नं.HIG-202, पश्चिम में -खुला मैदान, उत्तर में कॉरिडोर और फ्लैट HIG-204, दक्षिण में- खुला मैदान	13.02.2025 / 17.04.2026 सांकेतिक आधिपत्य	₹ 14,67,043.42 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
2	**श्री दर्शन गर्ग, श्रीमती कीर्ति गर्ग** पताः फ्लैट नं. एस-1, राहुल अपार्टमेंट, प्लाट नं. बी-33, विजय नगर, लालघाटी एयरपोर्ट रोड, भोपाल **लोन नं.**121000001682 **लोन नं.**121000004050	मध्य प्रदेश के भोपाल जिले के हुजूर तहसील के रतनपुर सड़क स्थित रतनपुर सड़क के प्लाट नं.3 पर बने मकान का वह भाग, जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग फुट (74.34 वर्ग मीटर) है। सीमाएँ इस प्रकार हैं : पूर्व में - मकान नंबर 09, पश्चिम में- सड़क, उत्तर में- मकान नंबर 02, दक्षिण में मकान- नंबर 04	21.12.2023 / 18.04.2026 सांकेतिक आधिपत्य	₹ 31,12,113.02 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
3	**श्री भानु प्रताप सिंह राजपूत, श्रीमती फूल कुमारी** पताः मकान नंबर- 134, रामनगर कॉलोनी, रायसेन म.प्र.464770 **लोन नं.**121000005425 **लोन नं.**8002100001566	मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के गोहरगंज तहसील के औद्योगिक क्षेत्र, डी-सेक्टर, नर्मदा ब्लॉक नं.04, प्लाट नं. 10, चौथी मंजिल पर स्थित फ्लैट नं. 04 का वह भाग, जिसका निर्मित क्षेत्रफल 600 वर्ग फुट है। सीमाएँ : पूर्व में -खुला क्षेत्र, पश्चिम में -नर्मदा ब्लॉक 04, चौथी मंजिल - 05, उत्तर में -गलियारा, दक्षिण मे- नर्मदा ब्लॉक 05, चौथी मंजिल - 03	19.08.2025 / 18.04.2026 सांकेतिक आधिपत्य	₹ 13,39,573.29 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
4	**श्रीमती रोशनी वाधवानी, श्री. किशोर कुमार वाधवानी** पताः फ्लैट नंबर -ए-109, सिग्नेचर 360, कटारा हिल्स, भोपाल, मध्य प्रदेश **लोन नं.**8002010004812	एचआईजी फ्लैट नं109, प्रथम मंजिल, ब्लॉक नं.ए, सिग्नेचर 360, ग्राम बर्राई, कटारा हिल्स के निकट, पटवारी हल्का नं.25, नगर वार्ड नं.85, तहसील हुजूर, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश में स्थित संपत्ति का वह भाग जिसका क्षेत्रफल 83.82 वर्ग मीटर है। सीमाएँ इस प्रकार हैं - पूर्व में फ्लैट नं.ए-110, पश्चिम में फ्लैट नं.ए-108, उत्तर में -खुला क्षेत्र, दक्षिण में फ्लैट नं. ए-102	14.11.2025 / 18.04.2026 सांकेतिक आधिपत्य	₹ 34,92,820.59 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
5	**श्रीमती लता तनवानी** पताः मकान नंबर- ए-39, ओल्ड मिनल रेजिडेंसी, जेके रोड, भोपाल, म.प्र. **लोन नं.**120900002549	फ्लैट नं.304, तीसरी मंजिल, वंश टावर – II, प्लाट नं. 23 और 23-ए पर निर्मित, खसरा नं. 221/2/1, 221/2/2, ए-सेक्टर, नटराज गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, ग्राम रतनपुर सड़क, प.ह नं.26/44, तहसील हुजूर, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश में स्थित संपत्ति का वह भाग जिसका अतिस्तरीय निर्मित क्षेत्रफल 21.20 वर्ग मीटर और निर्मित क्षेत्रफल 58.08 वर्ग मीटर है, कुल क्षेत्रफल 853 वर्ग फुट है।, सीमाएँ : पूर्व में -गलियारा, पश्चिम में -अन्य की भूमि, उत्तर में - अन्य की भूमि, दक्षिण में -फ्लैट संखया 303	06.03.2025 / 18.04.2026 सांकेतिक आधिपत्य	₹ 39,35,027.19 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
6	**श्री मुकुल गोखले, श्रीमती मेघा गोखले** पताः एलआईजी 223, ए सेक्टर, सोनागिरी, रायसेन रोड, भोपाल म.प्र. 462003 **लोन नं.**120100012595	मनोहर होम्स, प्लाट नं. 43, खसरा नं. 142/2/1, पीयूष नगर, वार्ड नं.61, ग्राम खाजूरी कलां, तहसील हुजूर, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश में स्थित फ्लैट नं. 43/एस-1, दूसरी मंजिल का वह भाग जिसका क्षेत्रफल 74.67 वर्ग मीटर है। सीमाएँ इस प्रकार हैं: पूर्व में - प्लाट नं.53, पश्चिम में फ्लैट नं.43/एस-2, उत्तर में -प्लाट नं.42, दक्षिण में - प्लाट नं.44	13.02.2025 / 17.04.2026 सांकेतिक आधिपत्य	₹ 19,80,950.19 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
7	**श्री सतीश चोटाले** पताः मकान नंबर 133, शहीद नगर, शिव मंदिर के पास, भोपाल, म.प्र. **लोन नं.**120900002399	मध्य प्रदेश के भोपाल जिले के हुजूर तहसील के बी-सेक्टर, सोनागिरी स्थित लीला टावर के तीसरे तल पर स्थित फ्लैट नं.टी-03 का वह भाग, जिसका निर्मित क्षेत्रफल 795 वर्ग फुट है। सीमाएं इस प्रकार हैं : पूर्व में -सड़क, पश्चिम में - एमआईजी.48 और 49 के प्लाट, उत्तर में - एच-10 के प्लाट, दक्षिण में एच-08 के प्लाट	06.03.2025 / 17.04.2026 सांकेतिक आधिपत्य	₹ 35,31,921.34 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
8	**श्री देवेंद्र कुमार** पताः मकान नं.- 546, सिक्योरिटी लाइन्स, सेंट जॉन स्कूल, विकास नगर, भोपाल, मध्य प्रदेश - 462023 **लोन नं.**120900002401	मध्य प्रदेश के भोपाल जिले के हुजूर तहसील के बी-सेक्टर, सोनागिरी स्थित लीला टावर के तीसरे तल पर स्थित फ्लैट नं.टी-4 का वह भाग, जिसका निर्मित क्षेत्रफल 795 वर्ग फुट है। सीमाएँ इस प्रकार हैं: पूर्व में - सड़क, पश्चिम में - एम.आई.जी.48 और 49 के प्लाट, उत्तर में - एच-10 के प्लाट, दक्षिण में- एच-8 के प्लाट	06.03.2025 / 17.04.2026 सांकेतिक आधिपत्य	₹ 35,21,272.14 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
9	**श्री युवराज सिंह** पताः मकान नंबर -172/ए, प्रियदर्शनी फेस-2, संत आशाराम नगर, बाघमुगालिया, भोपाल म. प्र. 462003 **लोन नं.**120100005926 **लोन नं.**120100006499	फ्लैट संखया F-01, प्रथम मंजिल, संगीत होम्स, प्लाट नं. 176, खासरा नं. 17/1, 14, स्वर्ण कुंज कालोनी, ग्राम कटारा, तहसील हुजूर, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश में स्थित संपत्ति का वह भाग जिसका क्षेत्रफल 830.58 वर्ग फुट है। सीमाएं इस प्रकार हैं : पूर्व में - फ्लैट नं. F-02, पश्चिम में - प्लाट नं.175, उत्तर में - प्लाट नं. 177, दक्षिण में - अन्य भूमि	13.02.2025 / 18.04.2026 सांकेतिक आधिपत्य	₹ 16,69,935.15 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
10	**श्री राघव शर्मा, श्रीमती रेखा शर्मा, श्री निरांत उपाध्याय (जमानतदार)** पताः ई-267, कौशल्या पिंक हेरिटेज, अशोका गार्डन, रायसेन रोड, भोपाल म.प्र.464001 **लोन नं.**120100015485	फ्लैट नं. 4/74, भूतल, गोविंद अपार्टमेंट, 74 गोविंद गार्डन, रायसेन रोड, वार्ड नं. 64, भोपाल, मध्य प्रदेश में स्थित संपत्ति का वह भाग जिसका क्षेत्रफल 450.15 वर्ग फुट है। सीमाएँ - पूर्व में - फ्लैट नं. 3/74, पश्चिम में - फ्लैट नं.3/73, उत्तर में - सीढ़ी, दक्षिण में - गली	13.02.2025 / 18.04.2026 सांकेतिक आधिपत्य	₹ 17,74,915.43 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च

वैधानिक सूचना:- ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित (Notice) किया जाता है। कि इस नोटिस के छपने की तारीख के 30 दिनों के अंदर, वे उपरोक्त राशि एवं उस पर देय ब्याज एवं खर्चों का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित संपत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद बकाया ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्चे सहित ऋणी एवं जमानतदारों से की जावेगी।

दिनांक : 23.04.2025, स्थान : भोपाल — प्राधिकृत अधिकारी

सिवनी में एक साथ तीन बच्चों का जन्म, सभी स्वस्थ

जागरण, सिवनी। जिले में पहली बार एक निजी स्वास्थ्य संस्थान में एक महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है। डॉक्टरों की टीम ने जटिल गर्भावस्था के बावजूद सफल ऑपरेशन कर मां और तीनों नवजातों को सुरक्षित रखा। नवजातों में एक लड़की और दो लड़के शामिल हैं, और सभी स्वस्थ बताए जा रहे हैं। अस्पताल के निदेशक डॉक्टर ने बताया कि यह मामला काफी चुनौतीपूर्ण था।

पुलिस की मौजूदगी में खोला प्राचार्य कक्ष का ताला

जागरण, डिंडौरी। जिले के अमरपुर स्थित शासकीय कॉलेज में बुधवार को पुलिस की मौजूदगी में प्राचार्य कक्ष का ताला खोला गया। मालूम हो कि विगत दिवस एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कॉलेज को नए भवन में शिफ्ट करने की मांग को लेकर कक्ष में ताला लगा दिया था। पुलिस ने इस मामले में दो कार्यकर्ताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राचार्य कक्ष का ताला खोलने के लिए ग्राइंडर का उपयोग किया गया।

"ट्वीट ऑफ द डे"

गजेंद्र शेखावत
केंद्रीय पर्यटन मंत्री

लद्दाख में पहली बार भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष, जो अपने मूल स्थान पर संरक्षित हैं, सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए लाए जा रहे हैं। यह प्रदर्शनी न केवल आध्यात्मिक जुड़ाव का अवसर प्रदान करेगी बल्कि क्षेत्र में इससे सांस्कृतिक पर्यटन को भी काफी बढ़ावा मिलेगा। पवित्र अवशेषों की ऐसी ही अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में विभिन्न देशों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही है, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत का सांस्कृतिक और सभ्यतागत जुड़ाव मजबूत हुआ है।

सिंगरौली डकैती के बाद प्रदेश के बैंकों का होगा सिक्योरिटी ऑडिट

सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी, पैनिक बटन, अलार्म सिस्टम की होगी जांच, पीएचक्यू ने जारी किए निर्देश

मुख्य संवाददाता, भोपाल। सिंगरौली में पिछले दिनों बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बैढ़न शाखा में हुई करोड़ों की सनसनीखेज डकैती की वारदात ने बैंकों के सुरक्षा तंत्र की पोल खोलकर रख दी है। इस घटना के बाद मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने पूरे प्रदेश में बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। बैंकों की सुरक्षा में सेंध न लगे, इसके लिए सभी जिलों के एसपी को अपने क्षेत्रों में बैंकों का सिक्योरिटी ऑडिट करने के निर्देश दिए गए हैं। इस ऑडिट के जरिए बैंक शाखाओं में मौजूद सुरक्षा खामियों को चिह्नित कर उन्हें तुरंत दुरुस्त कराया जाएगा। गौरतलब है कि सिंगरौली की घटना में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यही सामने आया कि जिस ब्रांच में करोड़ों की डकैती हुई, वह बिना सुरक्षा गार्ड के संचालित हो रही थी। बता दें कि बैंक डकैती में 15 करोड़ का माल लुटेरे ले गए हैं।

कैमरों की कवरेज के साथ अलार्म सिस्टम भी होगा चेक

पीएचक्यू के निर्देशों के अनुसार बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरों को लेकर भी नई गाइडलाइन जारी की गई है। पुलिस अधिकारी अब केवल कैमरों की संख्या ही नहीं, बल्कि उनकी पि. र क्वालिटी, एंगल और रेंज को भी परखेंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कैमरे प्रवेश और निकास द्वार पर हर व्यक्ति का चेहरा स्पष्ट रूप से कैप्चर करें। इसके अलावा, बैंक के आसपास के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लगे कैमरों का डेटा भी रिकॉर्ड किया जाएगा ताकि आपात स्थिति में अपराधियों के भागने के रूट का बैकअप लिया जा सके। इस ऑडिट के दौरान बैंकों के पैनिक बटन और सुरक्षा अलार्म सिस्टम की कार्यक्षमता को लाइव चेक किया जाएगा। इसके साथ ही जिलों में नाकाबंदी के पॉइंट्स को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि इस तरह की वारदात के तत्काल बाद आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हें पकड़ा जा सके। पीएचक्यू ने सभी एसपी को निर्देश दिए हैं कि सुरक्षा मानकों में कोताही बरतने वाली शाखाओं की जानकारी बैंक प्रबंधन के साथ पीएचक्यू को भी भेजी जाए।

सुरक्षा गार्ड और हथियारों का होगा फिजिकल वेरिफिकेशन

सिंगरौली की घटना के बाद अब पुलिस हर बैंक में जाकर भौतिक सत्यापन करेगी कि वहां गार्ड तैनात है या नहीं। यदि गार्ड मौजूद है, तो पुलिस यह जांचेगी कि वह सशस्त्र है या नहीं और उसके हथियार काम करने की स्थिति में हैं या नहीं। इसके साथ ही बैंकों में तैनात निजी सुरक्षा गार्डों का पुलिस वेरिफिकेशन भी चेक किया जाएगा ताकि सुरक्षा में तैनात व्यक्ति का पिछला रिकॉर्ड और उसकी विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके। पुलिस मुख्यालय ने सिंगरौली में हुई लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए बैंकों से कहा है कि अगर बैंक के पास स्वयं के स्थाई सुरक्षा गार्ड नहीं हैं, तो वे अधिकृत निजी सिक्योरिटी सर्विस की सेवा लें। पीएचक्यू ने कड़ा निर्देश दिया है कि किसी भी स्थिति में भारी नकदी और गोल्ड लोन का लेनदेन करने वाली शाखाएं बिना सुरक्षा गार्ड के संचालित नहीं होनी चाहिए। ऐसी शाखाओं पर पुलिस अब विशेष नजर रखेगी।

तेंदुए ने पांच पर किया हमला पकड़ने गया वनकर्मी घायल

धार के धामनोद में रेस्क्यू में जुटी वन विभाग की टीम

जागरण, धार। जिले के धामनोद में एक तेंदुए ने बस्ती में घुसकर महिला समेत 4 लोगों को घायल कर दिया। वन विभाग की टीम जब तेंदुए को पकड़ने पहुंची तो वनकर्मियों पर हमला कर दिया और भाग गया। तेंदुए के हमले का एक वीडियो सामने आया है। घटना धामनोद वन परिक्षेत्र के गुजरी डेहरिया में बुधवार सुबह की है। वन रक्षक दद्दू सिंह, महेश वास्केल, ग्यारसी लाल सोलंकी, कांताबाई राठौड़ और विकास डावर घायल हैं, उन्हें धार जिला अस्पताल रेफर किया है। तेंदुए का पता लगाने के लिए वनकर्मियों को तैनात किया है। इस टीम में 30 से अधिक कर्मचारी हैं, जिनमें डीएफओ विजय टी. नथम, धामनोद के एसडीओ (वन) और मांडव रेंजर शामिल हैं। घटनास्थल पर पंद्रह पुलिसकर्मी भी तैनात हैं। ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ अचानक झाड़ियों से निकलकर बस्ती में आया और हमला कर दिया। वह आसपास ही छिपा है। इससे इलाके में दहशत है। घायल वन रक्षक दद्दू सिंह ने बताया कि वह तेंदुए की सर्चिंग के लिए गए थे। इसी दौरान उसने हमला कर दिया। एक ग्रामीण ने लाठी मारी, जिसके बाद वह भाग गया। धामनोद सिविल अस्पताल के डॉ. बबलू निगवाल ने बताया कि घायलों को पेट और कंधे के पास चोटें हैं। नाक के पास भी पंजे के निशान हैं। पांचों घायलों को इलाज के लिए धार रेफर किया है।

बस्ती में पहली बार तेंदुए का मूवमेंट

डीएफओ विजय टी नाथम ने बताया कि पुराने एबी रोड के दोनों ओर से बैरिकेडिंग की है। तेंदुआ पुलिया के नीचे पाइप में बैठा है। जेसीबी की मदद से एक ओर से पाइप का मुंह बंद कर दूसरी ओर जाली और पिंजरा लगाया है।उन्होंने बताया कि आसपास विंध्याचल और मांडव का पहाड़ी क्षेत्र है, यहां तेंदुए का मूवमेंट रहता है। हालांकि, इस बस्ती में पहली बार तेंदुआ आया है। इससे पहले घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर बॉम्बे-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर 19 और 26 जनवरी को तेंदुआ देखा था, उसने सिमराली में बकरी का शिकार किया था।

संक्षिप्त खबरें

कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघ शावक की मौत

जागरण, मंडला। जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व के सरही वन क्षेत्र में एक नर बाघ शावक मृत अवस्था में मिला। सूचना के बाद एनटीसीए और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इस दौरान पूरे इलाके को सुरक्षित किया और डॉग स्क्वॉड की मदद से गहन जांच कराई। दरअसल यह मामला बड़े अमाही नाला के पास बीट सरहीनकान में सामने आया, जहां गश्त के दौरान वन कर्मियों को बाघ का शावक मृत हालत में मिला। घटना के दौरान एक भावुक नजारा भी देखने को मिला, जब मृत शावक के पास उसकी मां और अन्य शावक मौजूद थे। डिप्टी डायरेक्टर अमिता केबी ने बताया कि शावक पहले से कमजोर था और पिछले दो दिनों से उसकी तलाश की जा रही थी। जबलपुर, मोतीनाला और बिछिया से पहुंचे पशु चिकित्सकों की टीम ने मौके पर ही शावक का पीएम किया। प्रारंभिक जांच में शावक के सभी आंतरिक अंग सुरक्षित पाए गए हैं, जिससे मौत का कारण बीमारी या प्राकृतिक माना है।

छेड़छाड़ के आरोपी को पेड़ से बांध मूंछ-भौंहें काटीं

जागरण, नीमच। जिले के मांगरोल चक गांव में एक छेड़छाड़ के मामले ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

दरअसल मदन बंजारा नामक युवक पर आरोप है कि उसने गांव की एक विधवा महिला के घर में घुसकर उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। महिला और उसके बेटे ने साहस दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी को पेड़ से बांध दिया। इतना ही नहीं उन्होंने आरोपी के सिर के बाल काट दिए, मूंछें-भौंहें साफ कर दीं, जूतों की माला पहनाई और पूरे गांव में घुमाकर सजा दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि महिला की सुरक्षा और सम्मान के लिए उन्होंने यह कदम उठाया, जबकि कानूनी रूप से ऐसे कृत्यों की निंदा भी की जा रही है।

प्रदेश की बॉर्डर्स पर बंद की गईं सभी चैक पोस्ट खोलने के निर्देश

हाईकोर्ट ने सरकार को दी 30 दिन की मोहलत

जागरण, जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में कहा है सड़कों पर ओवरलोडिंग रोकना आवश्यक है। कोर्ट ने प्रदेश की बॉर्डर्स पर बंद की गईं सभी अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट को खोलने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने इसके लिए एक माह की मोहलत दी है। दरअसल, पूर्व में सरकार ने इस संबंध में अभिवचन दिया था। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा कि अदालत में दिए वचन का पालन करना जरूरी है। सतना निवासी रजनीश त्रिपाठी की ओर से अधिवक्ता जुबिन प्रसाद एवं भानु प्रकाश विश्वकर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि पूर्व में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। उसमें आरोप था कि ओवरलोडिंग ट्रकों व अन्य वाहनों के चलते सबसे ज्यादा सड़कें खराब होती हैं। इस मामले में सरकार ने हाईकोर्ट में अंडरटेकिंग दी थी कि ओवरलोडिंग रोकने हर संभव प्रयास किया जाएगा। याचिका लंबित रहने के दौरान सरकार ने 1050 करोड़ रुपए का निवेश करके विभिन्न बॉर्डर क्षेत्रों में 19 चेक पोस्ट खोली थीं। बंद चेकपोस्ट खालने की सरकार की अंडरटेकिंग पर हाईकोर्ट ने उक्त जनहित याचिका का निराकरण कर दिया था। अवमानना याचिका में आरोप लगाया गया कि अगले वर्ष यानी 2024 में ही सरकार ने उक्त सभी चेक पोस्ट को बंद कर दिया। अब बिना चेकिंग के ही ओवरलोड वाहन अन्य राच्यों से मप्र में आते हैं, जिससे सड़कें खराब होती हैं। इसके लिए विधानसभा से अनुमति नहीं ली गई और न ही कोई अधिसूचना जारी की गई। सरकारी खजाने को भी बहुत नुकसान हो रहा है।

कैट ने आइपीएस के दावे पर विचार के निर्देश दिए

जबलपुर। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, कैट की युगलपीठ ने तीन राच्य पुलिस अधिकारियों के हक में राहतकारी अंतरिम आदेश पारित किया। इसके तहत भारतीय पुलिस सेवा, आइपीएस के दावे पर विचार करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच यथास्थिति बकरार रखने की व्यवस्था दी गई है। साथ ही केंद्र व राच्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया गया है। याचिकाकर्ता जबलपुर में पदस्थ एडिशनल एसपी जितेंद्र सिंह के अलावा सत्येंद्र सिंह तोमर व महेश कुमार वैश्य की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे व अक्षय खंडेलवाल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता 1998 बैच के राच्य पुलिस अधिकारी हैं। उन्हें 56 वर्ष की आयुसीमा पार करने के कारण आइपीएस के दावे से बाहर किया जा रहा है। दरअसल, ओवरएज होने की वजह याचिकाकर्ता नहीं हैं बल्कि केंद्र व राच्य शासन ने प्रत्येक पांच वर्ष में किए जाने वाले अनिवार्य कैडर रिव्यू में विलंब किया है।

नक्कटा तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले: धीरेंद्र

जागरण, खजुराहो। लेंसकार्ट में तिलक-मंगलसूत्र पाबंदी को लेकर कंपनी के माफी मांगने के बाद भी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस विवाद में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री की एंट्री हुई है। प्रयागराज (उप्र) में धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमंत कथा के दौरान लेंसकार्ट कंपनी को चेतावनी दी। उन्होंने कहा- एक कंपनी है उसका नाम लेंसकार्ट है, उसने अपनी कंपनी के वर्करों को कहा है कि हमारे यहां कोई तिलक लगा के नहीं आ सकता, मंगलसूत्र पहन के नहीं आ सकता, सिंदूर लगा के नहीं आ सकता। पं. धीरेंद्र ने कहा- ठटरी के बरे! नक्कटा! तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है? जिनको तिलक से, चंदन से, वंदन से, राम से, श्याम से, हनुमान से, बाबा बागेश्वर से दिक्कत हो, वो पतली गली लाहौर खिसक लें। बाबा बागेश्वर की कथा 23 अप्रैल गुरुवार तक आयोजित होगी।

लेंसकार्ट में तिलक-मंगलसूत्र पाबंदी पर भड़के बागेश्वर धाम

कंपनी की सफाई- सभी धर्मों का सम्मान करते हैं

विवाद बढ़ने के बाद कंपनी के सीईओ पीयूष बंसल ने कहा कि लेंसकार्ट सभी धर्मों का सम्मान करता है। कर्मचारियों को अपने धार्मिक प्रतीक पहनने की पूरी आजादी है। हालांकि, विरोध कर रहे संगठन इस सफाई से संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने आंदोलन जारी रखने के संकेत दिए हैं।

भोपाल में आज से चार डिग्री तक चढ़ेगा पारा, 17 जिलों में लू का अलर्ट जारी

अभी और सताएगी तेज गर्मी, हीट वेव से बचाव की एडवाइजरी दी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल समेत पूरे मध्य प्रदेश में अब सूरज की तपिश लोगों को बेहाल करने वाली है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, प्रदेश के ऊपर से गुजर रही ट्रफ लाइन का असर खत्म हो गया है, जिसके चलते गुरुवार से आसमान पूरी तरह साफ हो जाएगा। बादलों के छंटते ही सूरज की सीधी किरणें धरती पर पड़ेंगी, जिससे तापमान में 3 से 4 डिग्री तक का बड़ा उछाल आने की उम्मीद है। बुधवार को भोपाल में अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री और न्यूनतम 24.0 डिग्री दर्ज किया गया। बादलों की मौजूदगी और 10 से 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा के कारण थोड़ी राहत थी, लेकिन अब गुरुवार से तीखी धूप तपन बढ़ाएगी।

नर्मदापुरम और खजुराहो सबसे गर्म: प्रदेश में गर्मी के तेवर अभी से तीखे हैं। बुधवार को नर्मदापुरम और छतरपुर का खजुराहो 43.0 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहे। इसके अलावा सीधी में 42.6 , नौगांव (छतरपुर) में 42.5, रायसेन में 42.2 और रतलाम में 42.0 डिग्री अधिकतम तापमान रिकाड हुआ। बुधवार को प्रदेश में मौसम के अलग रंग भी देखने को मिले। सिवनी में जहां बूंदाबांदी हुई, जबकि सतना, शिवपुरी, नीमच, मंदसौर, गुना और अशोकनगर में धूल भरी आंधी चली। इसके अलावा नर्मदापुरम जिले मे स्थित प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन सबसे ठंडा रहा, यहां न्यूनतम तापमान केवल 14.8 डिग्री रहा।

लू का ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए 17 जिलों में लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें छिंदवाड़ा, रायसेन, नर्मदापुरम, आलीराजपुर, झाबुआ, धार, रतलाम, ग्वालियर, दतिया, भिंड, सतना, मंडला, बालाघाट, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और पांढुर्णा जिले शामिल हैं। इसके अलावा नर्मदापुरम में बुधवार को गर्म रात दर्ज की गई। बुधवार को छिंदवाड़ा, रायसेन और नर्मदापुरम में लू का प्रकोप रहा।

बाहर निकलने और लू से बचाव के उपाय

- हाइड्रेटेड रहें- दिनभर खूब पानी पिएं। ओआरएस , नींबू पानी, छाछ और लस्सी का सेवन करें।
- धूप से बचें- दोपहर 12 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलें। जरूरी हो तो सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।
- सही पहनावा- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- सावधानी- बच्चों या पालतू जानवरों को खड़ी गाड़ी में अकेला न छोड़ें। चक्कर आने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- इमरजेंसी किट- घर में पानी, खराब न होने वाला भोजन, दवाइयां और प्राथमिक चिकित्सा किट तैयार रखें।
- खेती- मिट्टी में नमी के लिए सुबह-शाम हल्की सिंचाई करें। मल्चिंग का प्रयोग करें और कीटनाशकों के छिड़काव से बचें। फसल पकते ही समय पर कटाई करें।
- पशुपालन- पशुओं को छायादार और हवादार जगह पर रखें। उन्हें दिन में 3-4 बार साफ पानी दें। दोपहर 12 से 4 बजे के बीच चराई पर न ले जाएं और आहार में नमक व खनिज मिलाएं।

भ्रामक पोस्ट पर मंडल अध्यक्ष के बेटे पर केस

जागरण, खंडवा। सोशल मीडिया के दुरुपयोग कर फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर एक व्यक्ति और उसके परिवार की बदनामी की गई। पुलिस ने मामले में बोरगांव मंडल भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सलीम खान के बेटे आशिफ खान के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम खिराला निवासी शेख रईस एसपी ऑफिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि एक इंस्टाग्राम आईडी से उनके घर और भाई की फोटो पोस्ट कर यह गलत जानकारी फैलाई जा रही है कि उनका मकान अतिक्रमण कर बनाया गया है। इससे परिवार की सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचा और बदनामी हुई। मामले की जांच साइबर सेल खंडवा को सौंपी गई। तकनीकी जांच के दौरान इंस्टाग्राम कंपनी से मिली जानकारी में सामने आया कि उक्त आईडी फर्जी नाम से संचालित की जा रही थी। जांच में यह भी पता चला कि यह आईडी आशिफ खान द्वारा अपने मोबाइल से चलाई जा रही थी।

योजना 830 किसानों की 140 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण, 340 करोड़ मुआवजा मिलेगा

रीवा में 1800 से बढ़कर 2300 मीटर होगा रनवे एयरबस जैसे बड़े विमानों की हो सकेगी लैंडिंग

जागरण, रीवा। प्रदेश के विंध्य क्षेत्र में हवाई सुविधाओं के विस्तार को लेकर एक बड़ी योजना है। रीवा एयरपोर्ट पर भविष्य में एयरबस (ए-320) जैसे 150 से 180 सीटर बड़े विमानों की लैंडिंग कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए रनवे की लंबाई 1800 से बढ़ाकर 2300 मीटर की जाएगी और 140 एकड़ अतिरिक्त जमीन का अधिग्रहण होगा। वर्तमान में प्रशासन ने जमीन का सीमांकन कर रिपोर्ट भोपाल भेज दी है। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि अधिग्रहण से प्रभावित होने वाले 830 किसानों को 340 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की प्रक्रिया चल रही है। रीवा एयरपोर्ट का तेजी से विस्तार किया जा रहा है, जिसके बाद इसे हवाई हब के रूप में विकसित करने की योजना है। मालूम हो कि नियमित विमान सेवा शुरू होने के बाद पांच माह में रीवा में 20,000 लोगों ने हवाई सफर किया। इससे यह पता चला है कि रीवा में हवाई यात्रा को लेकर काफी संभावनाएं हैं, जिस वजह से सरकार ने भी रीवा एयरपोर्ट का विस्तार करने पर सहमति जताई है। वर्तमान में रीवा एयरपोर्ट का रनवे लगभग 1800 मीटर लंबा है। यह रनवे अभी केवल एटीआर-72 जैसे छोटे विमानों के लिए ही उपयुक्त है और अब तक यहां ऐसे ही विमान संचालित होते रहे हैं।

मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु के लिए शुरू होंगी सीधी उड़ानें

एयरपोर्ट के रनवे का विस्तार होने और बड़े विमानों की लैंडिंग की सुविधा मिलने के बाद रीवा से देश के प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवाएं शुरू होने की संभावना है। भविष्य में यहां से मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु के लिए सीधी उड़ानें शुरू की जा सकती हैं। इन महानगरों से सीधी कनेक्टिविटी होने से न केवल रीवा बल्कि पूरे विंध्य क्षेत्र की यातायात सुविधा मजबूत होगी। साथ ही इससे क्षेत्र में व्यापार, निवेश और पर्यटन को भी नया बढ़ावा मिलेगा।

सतना में चार महीने की बच्ची की कुपोषण से मौत, जुड़वां भाई गंभीर

मां का दूध नहीं मिला, गाय-बकरी का पिलाया

जागरण, सतना। प्रदेश के सतना जिले में कुपोषण से 4 महीने की बच्ची की मौत हो गई, जबकि जुड़वां भाई की हालत गंभीर है, जिसे जिला अस्पताल से हायर सेंटर रीवा रेफर किया है, जहां वह पीआईसीयू में भर्ती है। दोनों बच्चे करीब 15 दिन से बुखार और डायरिया से पीड़ित थे। मृत बच्ची का नाम सुप्रांशी था, जो मझगवां विकासखंड के सुरांगी निवासी मं विमला और पिता नत्थू प्रजापति की बेटी थी। वहीं 4 महीने के भाई का नाम नैतिक है। सही पोषण और समय पर इलाज न मिलने से दोनों की हालत लगातार बिगड़ती गई। परिजन चौबेपुर उपस्वास्थ्य केंद्र या मझगवां सीएचसी ले जाने के बजाय जुगुलपुर गांव के झोलाछाप से इलाज करा रहे थे। वे पांच बार उसके पास गए। हालत नहीं सुधरी तो 21 अप्रैल शाम 5 बजे मझगवां सीएचसी लेकर आए, जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया। सतना जिला अस्पताल के पीआईसीयू में भर्ती के बाद जांच में दोनों बच्चे गंभीर कुपोषण से ग्रसित पाए गए। बच्चों का वजन सामान्य से काफी कम था। जांच में सामने आया कि बच्चों को मां का दूध नहीं मिल रहा था। उन्हें बकरी और गाय का दूध पिलाया जा रहा था।

आशा कार्यकर्ता ने संपर्क नहीं किया

मां विमला ने बताया कि स्तनपान न होने से ही यह स्थिति बनी थी। टीकाकरण के अलावा किसी योजना का लाभ नहीं मिला। आशा कार्यकर्ता ने नियमित संपर्क नहीं किया। बच्चों को मजबूरी में गाय-भैंस का दूध पिला रही थीं। महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी अभय द्विवेदी ने कहा कि जुड़वां बच्चों का जन्म 21 दिसंबर 2025 को मझगवां सीएचसी में हुआ था।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,**
संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।